

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 15]

नई विल्ली, शनिवार, अप्रैल 11, 1981 (चैत्र 21, 1903)

No. 15] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 11, 1981 (CHAITRA 21, 1903)

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग Ⅲ--खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उन्च न्यायालयों, नियम्ब्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 फरवरी 1981

सं० ए० 32014/1/80-प्रशा०-II---प्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा प्रायोग एतद्कारा स्थायी प्रधीक्षक (हाल) श्री एम० एल० धवन को संघ लोक सेवा प्रायोग के कार्यालय में 1-3-1981 से 31-5-1981 तक की प्रविध के लिए प्रथवा प्रागामी प्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उप नियंतक (त० सं०) के पद पर तदर्थ प्राधार पर स्थानापन्न कृप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 फरबरी 1981

सं० ए० 32014/2/80-प्रभा०-II—ग्रध्यक्ष, संघ लोक से बा ग्रायोग एतद् द्वारा संघ लोक से बा ग्रायोग में निम्नलिखित ग्राधिकारियों को 1-3-1981 से 31-5-1981 तक की ग्रविध के लिए ग्रयवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, ग्रायोग के कार्यालय में सहायक नियंत्रक (त० सं०) के पद पर स्थानापन्न क्रा से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

- श्री जे० एल० कपूर
- 2. कुमारी संतीय हांडा
- 3. श्री एस० पी० बंसल

दिनांक 11 मार्च 1981

सं०पी०/578-प्रणा० II—-ग्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा श्रायोग एतद् द्वारा इस कार्यालय के स्थानापन्न विशेष कार्य श्रधिकारी डा० इ० पाण्डुरंग राव को 2-3-1981 से ग्रागामी श्रादेशों तक ६० 1500-60-1800-100-2000 के वेतन मान में संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में निदेशक (हिन्दी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी० एस० राणा म्रनुभाग म्रधिकारी, कते अध्यक्ष

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 मार्च 1981

सं० ए० 32014/3/79-प्रशा०-I— संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में निम्नलिखित स्थानापन्न वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों (के० स० स्टे० से० का ग्रेड्ख) को राष्ट्रपति द्वारा उनके नामों के सामने उल्लिखित तारीख से श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः श्रनन्तम, श्रस्थायी श्रीर तवर्थ

(4815)

प्राधार पर निजी सचिव (के० स० स्टे० से० का ग्रेड क) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया ॄ्जाता जाता है :---

ऋम सं०	नाम	प्रवधि
1	2	3
	श्री जोगिन्दर सिंह श्री ग्रार० एल० ठाकुर	2-3-81 से 1-5-81 तक 24-2-81 से 23-4-81 तक

एस० बालचन्द्रन, उप सचिव

गृह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग केन्द्रीय अंवेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1981

सं० ए०-19021/1/81-प्रमा० 5—-राष्ट्रपति भ्रपने प्रसाद से श्री एच० के० चक्रवर्ती, भ्रारतीय पुलिस सेवा (एस० पी० एस०-ए० एण्ड एम०) को दिनांक 9-3-1981 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस श्रधीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 मार्च 1981

सं० ए०-22015/2/81-प्रशा०-5--राष्ट्रपति भ्रपने प्रसाद से निम्नलिखित श्रधिकारियों को दिनांक 1-7-1979 से केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो में मूल रूप से उप-विधि सलाहकार नियुक्त करते हैं:---

- श्री ग्रानन्द स्वरूप
- 2. श्रीजे०जी० भ्रलामचन्दानी
- 3. श्री आए० जी० गुलाबानी
- 4. श्रीपी० एन० नम्बीसन
- 5. श्री एम० पी० सिंह
- 6. श्रीराजिन्द्र लाल

की० ला० ग्रो**व**र प्रशासनिक ग्रधिकारी (स्था०)

केन्द्रीय अन्वेषण ध्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस नई दिल्ली-11001, दिनांक 16 मार्च 1981

सं० एफ०-2/11/80-स्थापना (के० रि० पु० बल०)—श्री बी० वर्मा, महानिरीक्ष ह पुलिस सेक्टर III, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई विल्ली को निदेशक, श्राई० एस० श्राई० माऊंट श्राबू के पद पर श्रतिरिक्त नियुक्ति दिनांक 27-10-79 से तब तक की जाती है, जब तक किसी श्रफसर की नियमित रूप से नियुक्ति नहीं की जाती।

दिनांक 18 मार्च 1981

सं० भ्रो० दो०-1571/81-स्थापना—राष्ट्रपति जी, डा० हम्पापुर रंगास्वामी राघवन को भ्रस्थाई रूप से भ्रागामी भ्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० भ्रो० भ्रेड II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 5 मार्च, 1981 के पूर्वाह्म से, डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाये की शर्त भूपर, नियुक्त करते हैं।

ए० के० सूरी, सहायक निदेशक स्थापना

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली 11001, दिनांक 13 मार्च 1981

सं० 11/50/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महा पंजीकार के कार्यालय में उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, कार्यरत श्री एम० एम० दुश्रा की उसी कार्यालय में तारीख 23 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्म से एक वर्ष की प्रविध के लिए या जब तक पव नियमित श्राधार पर भरा जाय, जो भी पहले हो, पूर्णतः श्रस्थाई श्रीर तदर्थ श्राधार पर, प्रतिनियुक्ति पर, 1100-50-1600 रुपए के वेतनमान में वरिष्ठ श्रनुसंधान श्रिधकारी (सामाजिक श्रध्ययन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री दुमा का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।
- 3. इस कार्यालय में वरिष्ठ ग्रनुसंधान श्रधिकारी के पद पर श्री दुग्ना की प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति वित्त मंद्रालय के समय-समय पर संशोधित कार्यालय ज्ञापन सं० एफ० 10(24)-ई०-3 (बी०)/60 तारीख 4-5-1981 में निर्धारित शर्तों के श्रधीन होगी।

सं० 10/4/81-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रांकड़ संसाधन) के पद पर कार्यरत श्री हिमाकर को उसी कार्यालय में तारीख 18 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्म से एक वर्ष की ग्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाए, जो भी ग्रवधि पहले हो, पूर्णत: ग्रस्थाई ग्रीर तदर्थ ग्राधार पर पदोन्नति हारा उप निदेशक (ग्रांकड़े संसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- श्री हिमाकर का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।
- 3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री हिमाकर को उप निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी । तदर्थ तौर पर उप निदेशक के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में विष्ठता श्रीर धागे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी । उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताएं रह किया जा सकता है ।

दिनांक 20 मार्च 1981

सं० 10/45/79-प्रशा०- —राष्ट्रपति, वाणिष्य मंत्रालय में वरिष्ठ भुस्वेषुक के पद पर कार्यरत श्री जे० एल० वाही को नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 3 मार्च, 1981 के पूर्वाह्म से, या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाए, जो भी ग्रवधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा श्रनुसंधान श्रधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री वाही का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।
- 3. श्री वाही की इस कार्यालय में ग्रनुसंधान ग्रिधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति विस्त मंत्रालय के समय समय पर यथा संशोधित कार्यालय ज्ञापन सं० एफ० 10(24)-ई० III (बी०)/60 तारीख 4 मई, 1961 में निर्धारित गर्तों के श्रधीन होगी।

दिनांक 23 मार्च 1981

सं 010/40/79-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा भ्रायोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, देवनार में भ्रन्तर्राष्ट्रीय जन संख्या अध्ययन संस्थान, में प्राध्यापक के पद पर कार्यरत श्री एम० के० जैन को नई दिल्ली में भारत के महापंजीकरण के कार्यालय में तारीख 5 मार्च, 1981 के पूर्वाह्म से ग्रगले श्रादेश तक अस्थायी रूप से नियमित श्राधार पर वरिष्ठ श्रनुसंधान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) के पद पर तदर्थ नियुक्त करते हैं।

2. श्री जैन का मुख्यालय नई दिल्लीं में होगा।

पी० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

महालेखाकार का कायलिय, महाराष्ट्र बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1981

सं० प्रशा० I/सामान्य/31-वोल्युम 111/सी-1 (1)/17 महालेखाकार, महाराष्ट्र, बम्बई अधीनस्थ—लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को उनके नाम के सन्मुख निर्दिष्ट किये गये दिनांक से श्रागामी श्रादेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा श्रीधकारी नियुवत करते हैं।

	दिनांक	नाम	ऋगांक
र्वाह्न	13-11-80	श्रो सी० व्ही० के० सुक्रमणियन	1.
,,	16-2-1981	श्री एम० डब्ल्यू० पदवाड	2.
31	16-2-1981	श्री एन० जी० खापेकर	3.
1	16-2-1981	श्री एम० डब्ल्यू० पदवाड	2.

रा० ग० गर्मा, वरिष्ठ उप महालेखाकार एस०

महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 17 मार्च 1981

सं० प्रशा० 1/8-132/80-81/479 डा० हनुमन्त राव लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय श्रांध्र प्रदेश 1/II सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 4-3-1981 श्रूपराह्न ।

हरिहरन, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

श्रम मंत्रालय श्रम ब्यूरो

शिमला-171004, दिनांक अप्रैल 1981

सं० 23/3/79—सी० पी० आई०—फरवरी 1981 में भौद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960—100) जनवरी, 1981 के स्तर से सात अंक बढ़ कर 418 (चार सौ अट्टारह) रहा। फरवरी, 1981 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949—100 पर परिवर्तित किये जाने पर 508 (पांच सौ आठ) आता है।

अ० स० भारद्वाज निवेशक

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० श्रो० एफ० मुख्ययालय सिविल सेवा

भार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड,

कलमता-700069, दिनांक 18 मार्च 1981

सं० 8/81/ए०/ई०-I(एन० जी०)—डी० जी० श्रो० एफ० महोदय, श्री के० पी० करुनाकरन्, स्थायी श्रधीक्षक, कोकोवा निदेशालय, श्रारकानट एण्ड एस्पाइशेष डैंबल्पमेंट, कालिक्ट, केराला को सहामक स्टाफ अफसर (ग्रुप "बी") राजपित्रत के पद पर, दिनांक 9-3-1981 पूर्वाह्म) से नियुक्त करते हैं तथा आईनेन्स फैक्टरी बोर्ड कलकत्ता में तैनात करते हैं।

(डी० पो० चक्रवर्ती), एडीजीओएफ (प्रशासन) **कृते** महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

उद्योग मंत्रालय वस्त्र ष्ट्रायुक्त का कार्यालय बम्बई-20, दिनांक 16 मार्च 1981

सं० सी० एल० बी० 1/1/6-जी०/80—सूती वस्त्र (नियंतण) आदेश 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति में एतद् द्वारा वस्त आयुक्त की श्रव्धिसूचना सं० सी० एल० बी० 1/1/6-जी०/71 दिनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित संशोधन करता हूं, श्रर्थात् :—

उन्त प्रधिसुचना संलग्न सारणी में ऋम संख्या 15 के सामने स्तंभ 2.3 भीर 4 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जाएगी, श्रथीत्:—

(1) उद्योग ध्रायुक्त गुजरात 12(6), 12(6ए), गुजरात राज्य राज्य 12(7ए), 12(7ए) प्रहमदाबाद 12 सी० ग्रीर 12 ई०

- (2) निम्नलिखित जिलों संबंधित 12(6), 12(6ए), के जिला उद्योग जिले में श्रीर 12सी० केन्द्रों के महा-
 - (1) श्रहमदाबाद, गांधीनगर जिले सहित
 - (2) श्रमरेली
 - (3) बनास गांठा
 - (4) **वडोद**रा
 - (5) भावनगर
 - (6) भरूच
 - (7) जामनगर
 - (8) जूनागढ़
 - (9) खोड़ा
 - (10) কভ্নত
 - (11) मेहसाणा
 - (12) पंचमहाल
 - (13) राजकोट
 - (14) साबरकांठा
 - (15) सूरत
 - (16) सुरेन्द्र नगर
 - (17) वलसाड, डांग जिले सहित।

सं० 18(1) 77-सी ब्लान ब्ली ब्रांस प्राप्ति वालित करघों द्वारा छत्पादन) मियंग्रण श्रादेश, 1956 के छंड II में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा वस्त्र श्रायुवत की श्रिबिस्चना सं० 15(2)/67-सी ब्लाब्बित श्रीतिरक्त संशोधन व रता हं, श्रर्थात् :→-

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में कम संख्या 15 के सामने स्तंभ 2, 3 और 4 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखिन प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

- (1) उद्योग ग्रायुक्त गुजरात राज्य ६, ६सी, ७ए, ८ ग्रीर गुजरात राज्य, ४ए। अहमदाबाद
- (2) निम्नलिखित जिलों संबंधित 6, 6सी ग्रौर 7ए। के जिला उद्योग जिलों में केन्द्रों के महा-प्रबंधक:
 - (1) ग्रहमदाबाद, गांधीनगर जिले सहित
 - (2) श्रमरेली
 - (3) बनासकांठा
 - (4) वडोदरा
 - (5) भावनगर
 - (6) भरूच
 - (7) जामनगर
 - (8) जुनागढ़

- (9) खेड़ा
- (10) কच्छ
- (11) मेहसाना
- (12) पंचमहल
- (13) राजकोट
- (15) साबरकांठा
- (15) सूरत
- (16) सुरेन्द्र नगार
- (17) वलसाड़, डांग जिले सहित

एम० मदुरे नायगम, अपर वस्त्र आयुक्त

ग्रीद्योगिक विकास विभाग

विकास आधुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1981

सं० ए०-19018/497/80-प्रशासन (राजपतित)— राष्ट्रपति जी, डा० के० एस० मूर्ति को दिनांक 26 फरवरी, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले प्रावेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक में उन निदेशक (रसायन) के पद पर नियुक्त करते हैं:—

दिनां र 18 मार्च 1981

सं० ए०-31013/20/77-प्रणासन (राज०)---राष्ट्रपति जी लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई के उपनिदेशक (खाद्य) श्री एम० एन० भाटिया को दिनांक 1 श्रप्रैल, 1972 से लघु उद्योग विकास संगठन में स्थाई महायक निदेशक, ग्रंड I (फल संरक्षण) के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त, उप निदेशक (प्रशा०)

नई दिल्ली, दिनांक 23 मार्च 1981

सं० 12(2)/61-प्रणासन (राजपितत)—लघु उद्योग विकास संगठन में निदेशक, ग्रेड 2 (यांत्रिक) के रूप में तदर्थ नियुक्ति की ग्रवधि समाप्त होने पर, श्री बी० वी० गुन्डूराव ने लघु उद्योग संवा संस्थान, श्रीनगर में दिनांक 11 फरवरी, 1981 (ग्रपराह्म) से निदेशक, ग्रेड 2 (यांत्रिक) के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलौर में दिनांक 27 फरवरी, 1981 (पूर्वाह्म) से उपनिदेशक (यांत्रिक) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सी० सी० राय, उप निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

वस्तु विभाग

हथकरवा विकास श्रायुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च 1981

सं ० ए०-12025(ii)/3/80-व्यवस्था II(क)---राष्ट्रपति, श्री म्रलीधर नोमाजी बोरकर को 26 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, कलकत्ता में सहायक निदेशक ग्रेड II (गैर तकनीकी) के पद पर नियुक्त कर करते हैं।

सं० ए०-32013/9/80-प्रणा० $II(\pi)$ —-राष्ट्रपति, श्री श्रीनाथ प्रसाद, स्थाई ग्रार्ट डिजाइनर को 25 फरवरी, 1981 से ग्रागमी ग्रादेशों तक के लिए बुनकर सेशा केन्द्र, वाराणसी में सहायक निदेशक ग्रेड 1 (डिजाइन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी० शंकर, संयुक्त विकास आयुक्त (करघा)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा 6)

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1981

मं० ए०-6/247 (384) — कलकरता निरीक्षण मण्डल के ग्रधीन उप निदेशक निरीक्षण कुलटी के कार्यालय में सहायक निरीक्षण ग्रधिकारी (इन्जी) श्री ग्रार० के० सरकार को दिनांक 2-3-1981 के पूर्वाह्म से ग्रीर ग्रागामी ग्रादेणों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में तदर्थ ग्राधार पर निरीक्षण ग्रधिकारी (इन्जी) के पद पर स्थानःपन्न व्य से पदान्नत किया जाता है।

श्री सरकार ने सहायक निरीक्षण श्रीधकारी (इन्जी) का पदभार छोड़ दिया श्रीर दिनांक 2-3-1981 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी (इन्जी) का पद भार सम्भाल लिया।

प्र०-6/247 (276)/60—निरीक्षण निदेणक कलकहता के कार्यालय में स्थायी निरीक्षण प्रधिकारी (इन्जी०) ग्रीर स्थाना-पन्न निरीक्षण ग्रधिकारी (इन्जी०) श्री ग्रजय कुमार बोस निवर्तमान ग्रायु होने पर दिनांक 28-2-1981 के ग्रपराह्म से सरकारी सेवा से निष्टत हो गये।

मं० प्र० 6/247 (297)/60——िनरीक्षण निदेणक, कलकत्ता के कार्यालय में स्थायी निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) और स्थाना-पन्न निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) श्री एस० सी० सेनगुष्त निवर्तमान आयु होने पर दिनांक 28-2-1981 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये;

> एम० जी० मेनन, (उप निदेशक निरीक्षण) **कृते** महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात स्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय खान ब्यूरो

नांगपुर, दिनांक 24 फरवरी 1981

सं० ए०-19011(279)/80-स्था० ए०--संघ लोक सेवा ग्रायोग की सिकारिश पर राष्ट्रपति, श्री श्रब्दुल रहमान को दिनांक 29 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्म से भारतीय खान ब्यूरो में स्यानापन्न क्या में किन्छ खनन भूविज्ञानी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

> एस० वी० श्रली, कार्यालय श्रध्यक्ष भारतीय खान ब्यरो

नागपुर, दिनांक 17 मार्च 1981

सं० ए०-31014/5/80-स्थापना ए०—-श्री एम० एम० डबरी, स्थानापन्न प्रकाणन श्रिधकारी को भारतीय खान ब्यूरो. में प्रकाणन श्रिधिकारी के पद पर तारीख 10-1-1976 से स्थायी किया जाता है।

दे० नं० भागेव, नियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय देहरादून, दिनांक 19 मार्च 1981

सं० सी०-5702/579-ए०—-निम्नलिखित ग्रिधिकारियों, जिन्हें सहायक प्रबन्धक, मानचित्र पुनरुत्पादन (सा० सि० सेवा ग्रुप "बी०") के पदों पर स्थानापम्न रूप में नियुक्त किया गया था, की 30 दिसम्बर, 1980 से उक्त पदों पर पुष्टि की जाती है :—

- श्री समीर कुमार बैनर्जी
- 2 श्रीधीरेन्द्र कुम।र
- 3. श्री ए० सी० दीवान
- 4. श्री भ्रार० के० चौधरी
- 5. श्रीटी० पी० मुखर्जी

दिनां ३० मार्च 1981

मं० सी०-5703/594—नीचे लिखे तकनीकी सहायक सिनें ० प्रेड, जो अपने नाम के सामने दी गई तारीख व श्रिधसूचना संख्या के अनुसार सहायक प्रबन्धक, मानचित्र पुनक्त्पादन के पद पर तक्ष्ये श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए गए थे, श्रब 6 दिसस्बर, 1980 से उक्त पदीं पर नियमित श्राधार पर स्थाना-पन्न का में नियुक्त किए जाते हैं:—

न(म	तदर्थ पदोन्नति की तारीख	श्रधिसूचना संख्या एवं तारीख	वर्तमान नियुक्ति
सर्वश्री			
1. जे० एन० कार्की	22-6-79	फ्रधि० सं०	मानचित्र
	(पूर्वाह्य)	सी-5558/	प्रकाशन
		594 दिनांक	निदेशालय,
		5-10-79	देहरा दू न ।
2. धूर्मासह .	11-7-79	श्रिधि सं०	प्राक मन ् न
•	(पूर्वाह्न) सं	ति-5543/594	चित्र उत्पादन
		दिनांक	संयंत्र
		24-8-79	हैदराबाद

सं० सी०-5704/579-ए०—श्री ए० के० चक्रवर्ती, जो सहायक नक्ष्काश (सा० सि० से० ग्रुप "बी" ग्राराजपत्रित पद) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए गए थे, की 29 दिसम्बर, 1980 से उक्त पद पर पुष्टि की जाती है।

के० एल० खोसला, मेजर जनरल, भारत के महासर्वेक्षक (नियुक्ति प्राधिकारी)

देहरादून, धिनांक 20 मार्च 1981

सं० स्था०-I 5706/पी० एफ० (के० सी० भट्टाचार्जी)----प्राक्त मानचित्र उत्पादन संयंत्र (सर्वे प्रणि० एवं मानचित्र उत्पा० केन्द्र) भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैवराबाद के श्री के० सी० भट्टाचार्जी, स्थापना एवं लेखाधिकारी, ग्रुप "बी" को उनके सेवाकाल की समाप्ति पर दिनांक 28 फरवरी, 1981 (ग्रपराह्न) से सेवा निवृत्त किया जाता है।

> इकबाल सिहिकी, मेजर इंजीनियर्स सहायक महासर्वेक्षक कृते भारत के महासर्वेक्षक

राष्ट्रीय ग्राभिलेखाकार

नई दिल्ली-110001, दिनांक 19 मार्च 1981

सं० 11-24/79(ए०-1) इसट--संघ लोक सेवा श्रायोग की सिकारिण पर श्रभिलेखा निदेशक भारत सरकार एतद् द्वारा श्री छेदी लाल प्रजापित को नियमित ग्रस्थायी श्राधार पर श्रागामी श्रादेशों तह दिनांक 16 फरवरी, 1981 (पूर्वाह्न) से वैज्ञानिक ग्राधिगरी (द्वितीय श्रेणो राजपित्त) नियक्त करते हैं।

> भीम सैन कालड़ा, प्रशासन श्रधिकारी कुते अभिलेख निदेशक

श्राकाणवाणी महानिदेशालय (सिविल निर्माण स्कन्ध) नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1981

सं० ए०-12013/3/77-सी० डब्ल्यू०-1----महानिदेशक स्नाकाशवाणी, श्री ए० के० सूद, सहायक वास्तुविद, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली को 31-1-81 (प्रपराह्न) से प्रथमतः एक वर्ष की स्रवधि के लिए प्रतिनियुक्ति के द्याधार पर २० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सिविल निर्माण स्कन्ध, स्राकाशवाणी, नई दिल्ली में सहायक वास्तुविद के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री ए० के० सूद का वेतन और भत्ते समय-समय पर संघोधित वित्त मंत्रालय के का० ज्ञा० संज्या 10/24/8०- $11^{I}/60$, दिनांक 4 म\$, 1961 के श्रनुसार नियमित किए गए जाएंगे ।

एस० रामास्त्रामी, श्रतिरिक्त मुख्य इंजीनियर (सिविल) के इंजीनियरी अधिकारी कृत महानिदेशक

नई विल्ली, दिनांक 17 मार्च 1981

सं० 10/38/80-एस० तीन—महानिदेशक, भ्राकाणवाणी, एतद्द्वारा श्री स्वष्न लाल चौधरी को 21-2-1981 (पूर्वाह्म) से श्रगले आदेण होने तक, उच्च शक्ति प्रेवित, का श्राकाणवाणी चिन्सुरा में अस्थाई क्षमता में सहायक इंजीनियर के रूप में नियुवत करते हैं।

दिनांक 19 मार्च 1981

सं० 10/33/80-एस०-III---महानिदेशक, श्राकाशवाणी, श्री सतीण कुमार एस० मोध को 24-2-1981 (पूर्वाह्न) से, श्रगले आदेण तक, दूरदर्शन केन्द्र, बम्बई में, सहायक इंजीनियर के रूप में, अस्थाई क्षमता में, नियक्त करते हैं।

सं० 10/59/80-एल०-11I---महानिदेशक, श्राकाश-वाणी एतद् ारा श्री पी० एल० बरनवाल को 17-2-81 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेश तक अनुसंधान इंजीनियर कार्यालय, नई दिल्लो में सहायक इंजीनियर के रूप में श्रस्थाई क्षमता में, नियुक्त करते करते हैं।

दिनांक 20 मार्च 1981

सं ० 10/29/80-एस० III---महानिदेशक, श्राकाणवाणी, एतद्वारा श्री पो० एन० वाबे को 23-2-1981 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेश त ह, दूरदर्शन केन्द्र कटक में सहायक इंजीनियर के रूप में श्रस्थाई क्षमता में, नियुक्त करते हैं।

सं० 10/50/80-एस० तीन०—-महानिदेशक, श्राकाश-वाणा, एतद्द्वारा श्री वी ० एस० प्रभु को 24-2-1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तह, श्राकाशशाणी, शिलांग में अस्थायी श्राधार पर सहायक इंजोनियर नियुक्त करते हैं।

सं० 10/60/80-एस०-[II---महानिदेशक, श्राकाशवाणी, श्रा प्रकार देशरियाको, 17-2-1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, श्राकाशवाणी, इन्दौर में सहायक इंजीनियर के रूप में, श्रस्थायी क्षमता में, नियुक्त करते हैं।

> एच० एन० बिस्वास, प्रणासन उपनिदेशक (ई) कृते महानिदेशक

नई दिल्लो, दिनांक 18 मार्च 1981

सं० 5(116)/61-एस० एक-श्रो मेहर सिंह, कार्यक्रम निष्पादक, विदेश प्रसारण सेत्रा प्रभाग, ग्राकाशवाणी, नई दिल्ली को, सेत्रानित्रृहित की ग्रायु प्राप्ति होने पर, 31 जनवरी, 1981 को ग्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त किया जाता है।

दिनांक 19 मार्च 1981

सं० 4(34)/80-एस०-1—महानिदेशकः, श्राकाणवाणी एतद् द्वारा श्री एम० एल० श्रार्य, को श्राकाणवाणी उदयपुर में 21 फरवरी, 1981 की श्रपराह्म से प्रगले श्रादेश तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 मार्च 1981

सं० 6(92)/63-एस० एक— महानिदेशक, स्राकाशवाणी एसद्द्वारा श्री वी० के० बैस, क्षेत्रीय संवाददासा को रेडियो काश्मीर, जम्मू में 24 फरवरी, 1981 से झगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर स्रस्थायी रूप में नियक्त करते हैं।

> हरीश चन्द्र जयाल, प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिद शालय नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1981

सं० ए० 19018/27/80-के० स० स्था० यी०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशाक ने डा० मईलाराम यादैया को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में 21 फरवरी, 1981 पूर्वाह्म से अस्थाई भ्राधार पर होमियोपैथिक फिजिशियन के पद पर नियुक्त किया है।

टी० एस०राव, उप निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1981

सं० ए०-19012/19/79-स्टोर-1---सेवा निवर्तन की धायु के हो जाने पर सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार कप्ताल के सहायक डिपो मैंनेजर, श्री रत्तन सिंह 28 फरवरी, 1981 ग्रपराह्म को सेवा से निवृत्त हो गये है।

शिव दयाल, उप निदेशक प्रसासन (स्टीर)

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 19 मार्च 1981

सं० ए०-19023/65/78-प्र० तृ०—- विभागीय पदोन्नति सिमिति (वर्ग व) की संस्तुतियों के अनुसार श्री आर० वी० कुरूप जो इस निदेशालय के अधीन कालीकट में तदर्थ आधार पर विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर काम कर रहे हैं, को दिनांक 21 फरवरी, 1981 से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनिहार, निदेशक प्रशासन कृते कृषि विपणन सलाहकार

भामा परमाणु भ्रनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 25 फरवरी 1981

सं० पी०ए०/68(6)/77-श्रार० 5—निदेणक, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र, श्री नागेण सदाणिव खंबेकर की वैज्ञानिक श्रधकारी₁इंजीनियर ग्रेड एस० बी० पद पर नियुक्ति को, इस श्रनुसंधान केन्द्र में 28 फरवरी, 1981 श्रपराह्म से 28 फरवरी, 1982 तक, निश्चित समयाविध के लिए बढ़ाते हैं।

टी० डी० घाडगे, उपस्थापना भ्रधिकारी

परमाणुऊर्जा विभाग (प्रमाणुखनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक मार्च 1981 🏄

सं० प० ख० प्र०-1/26/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्दारा कुमारी ग्रम्बुजा शरदचन्द्र प्रधान की परमाणु खनिज प्रभाग में मार्च, 16 1981 के पूर्वाह्र से लेकर श्रगते श्रादेश होने तक श्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक श्रधिकारी/ श्रभियन्ता ग्रेड "एस बी" नियुवत करते हैं।

एम० एस० राव, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा श्रधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-40008, दिनांक 18 मार्च 1981

सं० 05012/प्रार० 4/प्रो० पी०/1288—भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य प्रधिकारी, श्री श्रप्तामलाई नटराजन, (वस्त्र) प्रापूर्ति निदेशक के कार्यालय के स्थायी श्रवर श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजना (तती कोरिन) में स्थानापन्न सहायक लेखाकार को उसी कार्यालय में ग्रस्थायी रूप में तदर्थ श्राधार पर 14 प्रप्रैल, (पूर्वाह्न) 1980 से 15 मई, (श्रपराह्न) 1980 तक श्री ए० एन० मृत्तुस्वामी सहायक लेखा श्रधिकारी जो भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) में स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी जो भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) में स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं। यह इस कार्यालय की ग्रधिसूचना सं० 05012/ग्रार० 4/ग्रो० पी०/3955, दिनांक 9 सितम्बर, सन् 1980 के स्थान पर जारी किया गया है।

सं० 05012/म्रार० 4/म्रो० पी०—भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य भ्रधिकारी, श्री भ्रगराइ नटेसा म्रईयर मृत्सुस्वामी, राजस्थान परमाणु वापर परियोजना के स्थायी लेखाकार तथा भारी पानी परियोजना (तृतीकोरिन) को उसी कार्यालय में ग्रस्थायी रूप में तदर्थ म्राधार पर14 म्रप्रैल, (पूर्वाह्न) से 15 मई, (भ्रपराह्न) 1980 तक के लिए श्री के० के० गोपालकृष्ण लेखा म्रधिकारी-II जो छुट्टी पर गए हैं, के स्थान पर लेखा श्रधिकारी-II नियुवत करते हैं। यह इस कार्यालय को म्रधिसूचना सं० 05012/म्रार० 4/ भ्रो० पी०/3956, दिनांक 19 सितम्बर, 1980 के स्थान पर जारी किया गया है।

विनांक 20 मार्च 1981

सं० 05000/आर० 1/म्रो० पी०/1351—भारी पानी परियोजना के, विणेष कार्य मधिकारी, श्री पन्त्रायील पद्मनाभन निम्बयार, भाभा परमाणु भ्रनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा भारी पानो परियोजना (मुख्य कार्यालय) के स्थाना-पन्न सहायक लेखापाल को, उसी कार्यालय में श्रीमती एम० एम० कणिक, सहायक लेखा प्रधिकारी, जो बार्क की विस्तार योजना प्रेमे तारापुर में लेखा मधिकारी- अं कप में स्थानापन्न हो गई हैं, के स्थान पर 5 दिसम्बर, (पूर्वाह्न) 1980 से 6 मार्च, (म्रपराह्न) 1981 तक के लिए मस्थायी रूप में, तदर्थ भ्राधार पर सहायक

लेखा ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं। यह इस कार्यालय की ग्रधिसूचना सं० 05000/ग्रार० 1/भो० पी०/226, दिगांक 13 जनवरी, 1981 के स्थान पर जारी किया जा रहा है।

> श्रीमती के० पो० कल्याणी कुट्टी, प्रशासन ग्रधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यारूय नई दिल्ली, दिनांक 16 मार्च 1981

सं० ए० 38015/2/80-ईं० ए.स०-—िनयंत्रक केन्द्रीय रेडियो भण्डार डिपो नेताजी नगर नई दिल्ली के कार्यालय के श्रो एस० श्रार० कपूर भण्डार अधिकारी (समूह "ख") (राजगित पद) ने निवर्तन ग्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 28 फरवरी 1981 (ग्रपराक्ष) से श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

र्वः० जधचन्द्रन सहायकः निदेशक प्रशासन **कृते** महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्लं। दिनांक 19 मार्च 1981

सं० ए० 32013/10/80-ई०-I—राष्ट्रपति ने श्रा बो० के० रामचन्द्रन उप निदेणक/नियंत्रक विमान क्षेत्र को दिनांक 13-3-81 (पूर्वाह्म) से छः मास की श्रवधि के लिए श्रथवा ग्रेडमों नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो, दिल्ली एयरपोर्ट, पालम पर तदर्थ श्राधार पर निदेणक विमान-क्षेत्र के रूप में नियुक्त किया है।

> सुधाकर गुप्ता, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ला, विनांक 18 मार्च 1981

सं ० ए० 32013/4/79-ई० एस०—राष्ट्रपति ने सर्व श्री एत० उपसिम्हा और श्रार० पा० गुप्ता की वरिष्ठ विमान निरोक्षक के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की दिनांक 12-8-1980 के बाद दिनांक 15-5-1981 तक श्रयवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो सामान्य कर्ती पर जारी रखने की मंजूरा दो है।

दिनांक 19 मार्च 1981

सं० ए० 32013/5/79-ई० सः०--इस विभाग को दिनांक 9-1-1981 के प्रिधिसुचना सं० ए० 32013/8/79 ई० सें० के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्निलिखित सहायक तवन के प्रिधिक्त कारियों को जो इस समय तदर्थ भ्राधार पर स्थानापन्न रूप में तकनोको भ्राधिकारों के पद पर कार्य कर रहे हैं दिनांक 2-7-80 से श्रीर भ्रन्य भादेश होने तक नियमित भ्राधार पर तकनंको श्रीधकारों के ग्रेड में नियुक्त किया है।

क्रम सं० नाम	तैनातः स्टेणन
1. श्री एस० डो० बंसल	रेडियो निर्माण श्रौर विकास एककं, सफदरजंग नई दिल्लो ।
2. श्रोके०एस० नारायण स्वामी।	बैमानिक संचार स्टेणन, कलकला।
3. श्री एच० एस० सी० राव	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई।

राष्ट्रपति ने श्री बार एन० चावला महायक तकनाकी अधिकारी को भी जो लेकिया सरकार में विदेशी सेवा शर्ती पर नियुक्त हैं दिनांक 2-7-80 से उनके कनिष्ठ सहयोगी श्री एस० डी० बंसल की पदोश्रति की तारीख से और अस्य आदेश होने तक नियुक्त श्रीधार पर तकनोकी अधिकारी के ग्रेड में प्रोफार्मी पदोश्रति की संजूरी प्रदान की है।

दिनांक 20 मार्च 1981

सं० ए० 32013/8/78-ई० सो०—इम विभाग की दिनांक 21-7-80 की श्रिधमूचना सं० ए० 32013/9/79-ई० सो० के कम में राष्ट्रपति ने श्रो पो० के० दत्ता-I, महायक संचार श्रिधकारी को जो इस समय बैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता में तदर्थ श्राधार पर संचार श्रिधकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं दिनांक 22-7-80 से संचार श्रिधकारी के श्रेड में नियमित श्राधार पर नियुक्त किया है श्रौर उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० 32014/2/80-ई० स.०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्निलिखित तीन संचार सहायकों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारोख से और दिए गए स्टेशन पर सहायक संचार अधिकारों के ग्रेड में तदर्थ श्राधार पर नियुवत किया है:—-

ऋम सं० नाम	वर्तमान तनासी ग्टेशन	नया तैनार्त∴स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की तारीख
2. श्रंतं स्रार० गोविन्दराजालू	वैमानिक संचार स्टेशन बग्बई वैमानिक संचार स्टेशन नागपुर वैमानिक संचार स्टेशन मद्रास		१ 29-1-81 (पूर्वाह्म) 21-11-80 (पूर्वाह्म) 31-12-80 (पूर्वाह्म)

केन्द्रीय उत्पाद भुल्क समाहर्तालय

कानपुर दिनांक 17 मार्च 1981

सं० 5/81—इस समाहर्तालय के निम्नलिखित वर्ग "ख" ग्रधिकारी ग्रधिवर्षता की ग्रायुप्राप्त होने पर उनके नाम केसामने दो गई तारीख से सरकारी सेवा से निषृत हो गए :—

कम सं० श्रिधिकारी का नाम व पद

विनांक

- श्री बी ० सी ० कपूर 28-2-1981 (ग्रपराङ्क)
 ग्रधोक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क गुरसहायगंज।
- 2. श्री ए० एन० मिश्रा 28-2-81 (ग्रपराह्न) ग्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुरुक मण्डल-1 कानपुर।

जे० रामकृष्णन, समाहर्ता

केन्द्रीय जल ग्रायोग

नई विल्लो-22, दिनांक 19 मार्च 1981

सं० ए०-19012/840/80 स्थापना-पांच--- प्रध्यक्ष केन्द्रीय जल ग्रायोग रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35 880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में श्री एम० सी ० पाण्डेय पर्यवेक्षक को सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियरी (इंजीनियरी) के ग्रेड में तदर्थ ग्राधार पर निताःत ग्रस्थायी रूप में 6 महीने की ग्रायधि के लिए ग्रथमा इस पद के नियमित रूप से भरे जाने तक इसमें जो भी पहले हो 10 सितम्बर 1980 की पूर्वाह्म से नियुक्त करते हैं।

ए० भट्टाचार्य अक्षर समिव

रेल मंत्रालय

भ्रनुसंधान श्रभिकल्प भ्रौर मानक संगठन

लखनऊ-11, दिनांक 18 मार्च 1981

सं० ए०/ई० पो०-482—श्री नवनीत लाल का त्यागपत्र जिनका धारणाधिकार श्रनुभाग श्रिधकारी (लिपिकीय) श्रनु-मंधान श्रिभकल्प श्रीर मानक संगठन (रेल मंत्रालय) लखनऊ में था दिनांक 1-9-1980 पूर्वाह्व से स्वीकार कर लिया गया है।

> लेनार्ड फांसिस जेवियर फेटास, महानिदेशक/घ० घ० मा० सं०

किश्वि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी लॉ बोर्ड कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी म्रिधिनियम 1956 मौर जी० वी० केमिकेलस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलूर, दिनांक 13 मार्च 1981

सं० 2454/560/81—कम्पनी मधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के मनुसरण में एतदहारा यह सुचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जी० वी० केमिकेलस प्राइदेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जाएगी।

पी०टी० गजवानी कम्पनियों का रजिस्ट्रार कर्नाटक

कम्पनी प्रधिनियम 1956 एवं एस० एन० गायटोंडे एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 17 मार्च 1981

सं० 5470/560(5)— कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुमरण में एतद्द्वारा सुचना दो जाती है को एस० एन० गायटोंडे एण्ड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भ्रोर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कस्पनी ग्रिधिनियम 1956 एवं ग्रल्युमीनाईज्ड स्टीलस लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 17 मार्च 1981

सं० 13432/560(5)— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दो जाती है को अल्युमीनाईडड स्टीलस लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी म्रधिनियम 1956 एवं बांम्बे गनी डीलर लैमीनेटरस् प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 17 मार्च 1981

सं० 17985/560(5)—कम्पर्ना श्रिधनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदद्वारा मुचना दो जातो है की बांम्बे गर्ना डांलर लेमीनेटरम् प्राक्ष्मेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

स्रो०पी० जैन, कम्पनियों का स्रतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र, बम्बई कम्पनी ग्रिक्षिनियम 1956 और दी प्रौगरेंसीव कंसरन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में । हैदराबाद, दिनांक 18 मार्च 1981

सं० 407/560--- भम्पनी प्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदहारा सुचना वी जाती है कि दी प्रौगरेसीय कंसरन प्राह्मेंट लिमिटेड का नाम धाज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

वी० एस० राजू कम्पनियों का रिजस्ट्रार, ग्रान्झ प्रदेश, हैदराबाद कम्पनी प्रधिनियम, 1956 श्रौर स्टीरियो फिल्म लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, विनांक 21 मार्च, 1981

सं० 6652/560(5) 81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतबद्वारा सुचना दी जाती है कि स्टीरियो फिल्म लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

ह्/० अपठनीय कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार तमिल नाडु प्रकृप धार्षे• टी० एन० एस०---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 मार्च 1981

निर्देश सं० 319/80-81—यतः, मुझे, घार० थोथाब्रि शायकर घितियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उनत घितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/रुपये से घिषक है

ग्रौर जिस को सं० सर्वे नंबर 1, 67, ग्रौर 85 है, जो हेरंबपुरा विलेख, तालूक कोप्पा, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचो में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिष्ट्रिकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोप्पा, ग्रंडर डाक्युमेंट नंबर 161 दिनांक 16-7-1980 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16क के ग्रधीन तारीख 16 जुलाई, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्षित बाजार मृत्य से कम के दूब्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उक्षित बाजार मृत्य उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्त-विक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त धिय-नियम के अभीन कर देने के अम्लरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी पाय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में शुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रश्चितियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त प्रश्चितियम की घारा 269-व की उपधारा (!) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री एम० वैंकुट प्रभृ का पुत्र श्री एम० उपेंद्र प्रभृ टिंबर मर्वेंट, बेक्तंगडि, दक्षिण कन्नड़।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री घोल्यिन कार्कडा
 - (2) श्री मास्टिन कार्कडा
 - (3) स्टान्ले मनमोहन
 - (4) श्री मोहन हबर्ट
 - (5) किस्टोकर कार्कडा प्रुबरट कांपींड, लोवर बुंडर मंगलोर-575002

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्यन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धार्क्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी श्वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबढ़ किसी प्रन्य स्थित द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी
 के पास शिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्यीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, यो उक्त भिविषय के भव्याय 20-कं में परिभाषित हैं, बही भर्थ होगा जो उस भक्ष्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

चिकमंगलूर डिस्ट्रिकट, कोप्पा तालूक, थेनुडि भौर हेरांबपुरा में स्थित काकी इस्टेट जिसका नाम है "स्टान्लेइस्टेट

विलेख	सर्वे नंबर	क्लास	भ्रेकेगुंटा
 हेरांबपुरा	1	कार्की	13-22
"	67	काकी	38.35
थेनुडी	85	काकी	23-18
			ग्रार० थोथाद्रि
			सक्षम प्राधिकारी
		सहायक भ्रायकर	: फ्रायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, बेंगलुर

दिनांक: 12 मार्च 1981

प्रकेष आई० टी० एम० ऐस०--

बायुकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 फरवरी 1981

निर्देश सं० ए० सं१० 01/रेंज IV/कल/80-81

यतः मुझे के० सिंहा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेशस करने का कारण हैं कि स्थावर संपृत्ति जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- र. से अधिक हैं

श्रीर जिस की सं० हैं तथा जो मौजा राजापुर जिल् डोमजुर, हावडा स्थित हैं। श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से वीणत हैं रिजस्ट्राकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय हावड़ा में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, 23-7-1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वोद्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, खक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या एक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त धिवियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त धिवियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् !---

(1) श्री मनोरनजन, निरजन चौधुरी,

(भ्रन्तरक)

(2) सुनिल, सुसिला, भ्रजित दास

(भ्रन्तरितं)

(3) क्षिप्रा घोष

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त संस्पतित् के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (त) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मौजा: राजापुर, जिं० डोमजुर, हावड़ा में 7 बीघा जमीन का सब कुछ जैसे 1980 का दलिल सं० 2640 में घीर पूर्णरूप से विणित है।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक **भा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ^{IV} 54, रफी श्रहमद किदवाई रोड़ कलकत्ता-16

दिनांक: 28 फरवरी 1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

मायक ए प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 13 मार्च 1981

निर्देश सं० /एस० श्रार० हवेल(I/509/80-81-400)यतः मुक्षे, ए० सी० चन्द्रा

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाल 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिस की सं० सि० स० नं०1180 फा० प्ला० नं० 558 टी० पी० नं० I मझ प्लाट नं 7/1 है तथा जो शियार्ज, नगर पूने में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्च, में श्रीर पूर्ण कृप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक हवेली 1, रजिस्ट्रो करण अधिनियम, 1908 (1098 का 16) के स्रधीन दिनांक 8/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन तिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधि-नियन के प्रधीन कर देने के धन्तर के के वायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भ्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, खक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयीत् :--- (1) श्रो चंदुलाल बालचंद गांधी 1180, शिवाजी नगर पूर्ने-5

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स शहा दिक्षित एसोसिएटस 182, शुक्रवार पेठ, पूने पार्टनर 1. श्री महेन्द्र मोती लाल शहा, सी-60 श्रदिनाथ सोसायटी पूने 2. श्री मनवेन्द्र कुमार हरी दिक्षित राधारानी, एकोपा सोसायटी पुने।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस यूवना के राजपत में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्राब्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्वोक्ता, जी **उक्**त ग्रीधिनियम के ग्राड्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रार्थ होगा, जो उस ग्राड्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी जो मि० स० नं० 1180 फायनल प्लाट नं० 558 टा॰ पो॰ स्किम नं=I, सब प्लाट नं० 7, प्लैन में सब प्लाट नं० 7/1 दिखाया है, जो णियाजी नगर पूने 5 में स्थित है।

(जैसाकि रजिस्ट्रें) कृत विलेख कम 2428 जो ग्रागस्त 1980 को दुर्यम निबंधक हवेलो I के दफ्तर में लिखा है।

ए० सी० चन्त्र सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना

दिनांकः: 13 मार्च 1981

प्रकप गाई॰ टी॰ एव॰ एस॰---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

मारत सरकार

कार्याजय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरोक्षण)। प्रजीन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 11 मार्च 1981

निदेश सं० III 470/म्रर्जन/80-81---म्रतः मुझे, हृदय नारायण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिस की सं० थाना नम्बर 3 तौजी नम्बर, 18224, खाता नम्बर 38, सर्वे खसरा नम्बर 907 है, तथा जो राज्यपुर पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्वी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 17-7-80 को पूर्वोंगत सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के पृश्यमान प्रिकाल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंगत सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिमान से पिछक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल. निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरक विद्यास यात्रा में वास्तविक रूप से किया गया है :——

- (क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रग्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या पन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धन-कर प्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती ढारा प्रकट नहीं किया गया धाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए

अतः अब, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त श्रिप्तियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रोमतो मान्ति देवी जोजे राय रामेवरी प्रसाद वर्तमान साकिन मौजा नील कोठी डेहरी ग्रोन सोन पत्नालय डेहरी श्रोन सोन जिला रोहतास

(प्रन्तरक)

(2) श्री योगेन्द्र कुमार जैन वरुद स्वर्गीय चक्रेश्वर कुमार जैन साकिन देवाश्रम ग्रारा थाना के पत्नालय ग्रारा जिला भोजपुर ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्य करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर छक्त स्थायर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पड्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा जी उस अध्याय में न्यि। गया है।

भ्रनुसूची

जमीन का रकवा 3 कटा 16 धूर जो मौजा राजापुर थाना नम्बर 3 तौजी नम्बर 18224, खाता नम्बर 38 सर्वे खेसरा नम्बर 907 में स्थित तथा हैजो पूर्ण रूप से वसिका नम्बर 5541 दिनांक 17-6-80 में वर्णित है तथा जिसका निवेन्धन जिला भ्रवर निबंधक पदाधिकारी पटना द्वारा की गई है।

> हृदय नारायण सक्षम पदाधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 11 मार्च 1981

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक, 17 मार्च 1981

निदेश सं॰ III 471/म्रर्जन/80-81—म्रतः मुझे, हृदय नारायण

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिस की सं० प्लौट नम्बर 301 एवं 302 का अंश है तथा जो धनवाद कतरास रोड़ में स्थित हैं (भौर इस उपलब्ध अनुसूची में भौर पुर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय धनवाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-7-80

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, नुर्थात है——

(1) श्री हिमान्सु पाठक वल्द श्री मणिशंकर पाठक निवासी "प्रभु कुंज कतरास रोड़ धनवाद पत्रालय एवं थाना धनवाद चौकी जिला धनवाद

(ग्रन्तरक)

- (2) मसर्स "गुडविल प्रोपरटीज" जिसका कार्यालय कतरास रोड़ धनवाद पत्नालय एवं थाना धनवाद चौकी सदर, स्रवर निबंधन कार्यालय धनबाद एवं जिला धनवाद है जिस फर्म के इस समय निम्नलिखित पाटर्नस हैं:—
 - 1. श्रीमती कमलेश जिन्दल जौजे श्री सुरज जिन्दल
 - सरदार रैवल सिंह सेठी वल्द सरदार गुरदीत सिंह सेठी
 - 3. लखमीर सिंह सवरवाल वल्द स्व० सरदार जसवन्त सिंह सवरवाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

5 के कट्ठा धरारी जमीन में पक्का एवं खपड़पीस मकान और अन्य बनावट सिंहत मौजा धनवाद कतरास रोड़ तथा जो प्लौट नम्बर 301 एवं 302 के अंग में स्थित है तथा पुर्ण रूप विसका नम्बर 5468 दिनांक 2-7-80 में विणित है एवं जिला अवर निन्धक पदाधिकारी धनवाद द्वारा पंजीकृत है।

हृदय नारायण सक्षम पदाधिकारी निरीक्षी सहायक स्रायक स्रायुक्त स्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 17 मार्च 1981

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षव, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 17 मार्च 1981

निदेश सं० III 472/म्रर्जन/80-81—म्प्रतः मुझे, हृदय नारायण

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द॰ से प्रधिक है

स्रीर जिस को सं० प्लीट नम्बर 301 एवं 302 का ग्रंश है, तथा जो धनवाद कतरास रोड़ में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद प्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, धनवाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक 2-7-80

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह तिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रान्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भाषिनियम के अधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर घिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठिनियम, या धन-कर घिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः प्रव, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, अन्त पिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नाफिकित स्प्रीक्तमों, अर्थीत्:-- (1) श्रो मुकुल पाठक वस्त मणिशंकर पाठक निवासी ''प्रभु कुंज'' कतरास रोड़ धनबाद पत्रालय को थाना धनबाद चौकी जिला धनबाद

(भ्रन्तरक)

- (2) मेसर्स "गुड विल प्रोपरिटीज' जिसका कार्यालय कतरास रोड़ धनवाद पत्नालय एवं थाना धनवाद चौकी सदर प्रवर निवंधन कार्यालय धनवाद एवं जिला धनवाद है जिस फर्म के इस समय निम्नलिखित पार्टनर्स हैं:—
 - श्रोमती कमीलेश जिन्दल जौजे श्री मुरज जिन्दल
 - 2. सरदार रेवल सिह सेठी वल्द सरदार गुरदीत सिंह सेठी
 - 3. लखमीर सिंह सवरवाल वल्द स्व० सरदार जसवन्त सिंह सवरवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्म होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

5 के कहा धरारी जमीन में पक्का एवं खपड़पोस मकान भीर भ्रत्य बनावट सहित मौजा धनवाद कतरास रोड़ तथा जो प्लौट नम्बर 301 एवं 302 के भ्रंस में स्थित है तथा पूर्ण रूप से विसका नम्बर 5469 दिनांक 2-7-80 में विणित है एवं जिला भ्रवर निवन्धक पदाधिकारी धनवाद द्वारा पंजीवत है।

हृदय नारायण सक्षम पदाधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ग्रर्जन परिक्षेत्र बिहार,पटना

दिनांक: 17 मार्च 1981

मोहरः

प्ररूप ग्राईं टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I एच ब्लाक, चिकास भन्नन,

इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली 220002 नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1981 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०-I एस० ग्रार०-III/7-80/

665—स्रतः मुझे स्रार० बी० एल० स्रग्नवाल आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव गदईपुर महरौली नई दिल्लो में स्थित है (स्रीर इस उपाबद्ध स्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक जुलाई 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कित निम्नलिखित उद्देश ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अयोग निन्निविधा व्यक्तियों, अर्थातः → 3—16 GI/81

- (1) श्रीमित फूला रानी पत्नी श्री के० ग्रार० मोंगा निवासी एफ-92 ईस्ट ग्राफ कैलाश नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) एटेक्स इन्डिया सी-237 डिफेन्स कालोनी नई दिल्तो वाया पार्टनर मिसिंज विनीता गुलाटी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

कृषि भूमि 4 बोघा 16 बिस्वास खसरा नं० 589 गांव गदईपुर महरौलो नई दिल्लो ।

> ग्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I विकास भवन एच० ब्लाक इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली,

दिनांक: 18 मार्च 1981

मोहर

प्रकप आई० टी• एन• एस•----

बाय्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-1, एच ब्लाक, विकास भवन, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई विल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी:०/एक्यू०/I एस० झार०IJI/7-80/ 664—श्रत: मुझे झार० बी० एल० श्रग्रवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिस की सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव गवईपुर महरौली नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई 80

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः प्रवः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खित व्यक्तियों, सूर्यात :--

- (1) श्रीमती फूला रानी पश्नी श्री के० श्रार० मोंगा निवासी एफ-92 ईस्ट ग्राफ कैलाश नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) एटेंक्स इन्डिया सी-237 डिफेंस कालोनी नई दिल्ली वाया पार्टनर मिसिज विनीता गुलाटी । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ह से 45 विम की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वकाकरणः -- इसमें प्रमुक्त कान्यों और पर्वों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा नमा है।

वन्स्ची

कृषि भूमि 4 बीघा 16 विस्वास खसरा नं० 611 गांव गदर्पुर महरौली नर्षे विल्ली

> झार० बी० एल० अप्रवाल सक्षम ग्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, विकास भवन एच ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्ट्रेट, नई दिल्ली-2

दिनांक: 18 मार्च 1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, विकास भधन, एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च, 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/एस० ग्रार०-III/7-80/ 748--- प्रतः मुझे ग्रार० बी० एल० ग्राप्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्सि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकीं सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव सतबेरी, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्लं। में रिजस्ट्रीकरण श्रक्षिनियम 1908(1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जुलाई, 1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह **अश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का** डिंगत बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए ता पाया गया प्रतिकत, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविह रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उ**न**त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर पश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्रो मनोहर सिंह पुत्र कर्म चन्द, निवासी गांव सतबेरी, नई दिल्ली वाया एटानी म्याम सिंह पुत्र कर्मचन्द, गांव सतबेरी, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्रो ए० पी० सहगल पुत्र श्री राम सरन दास निवासी भार-75, ग्रेटर कैलाश-1, नई विल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

चनत सम्यत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीध-नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं बही भर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 18 बोघा 5 बिस्वास गांव सतबेरी, महरौली, नहीं विल्ली।

> धार० बी० एल० श्रयवाल सक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) एच, ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ स्टेट,

नई दिल्ली-2

दिनांक: 18-3-1981

प्ररूप आहू⁵.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्णंन रेंज-I विकास भवन एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्लं - 110002

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1981

निर्देश सं श्राई० ए० सो ०/एस्यू०-J/एस०म्रार०-IJJ/7-80/749-अत: मुझे श्रार० ०वी एल० स्रप्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रजात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव सतबेरी महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर सहसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रोकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त किल निम्नलिक्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं. उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थित् ध-= 1. श्री मनोहर सिंह पुत्र कर्मचन्द निवासी गांव सत्तबेरी तहसील महरौली, ईन दिल्ली वाया एटानी प्याम सिंह पुत्र कर्मचन्द गांव सत्तबेरी, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

 श्री ए० पी० सहगल पुत्र श्री राम सरन दास, निवासी श्रार०-75, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

कृषि भूमि 18 बोधा 4 बिस्वास, गांव सतबेरी, महरौली, नई दिल्लो ।

> ग्रार० बी० एल० श्रग्रवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख 18-3-1981 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक इन्द्र प्रस्थ इस्टेंट, नई दिल्ली-220002नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च, 1981

निदश सं० ग्राई० ए० सो० एमए आर०-III/7-80/663—ग्रतः मुझे ग्रार० बो० एल० ग्रग्रवाल ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से ग्रधिक है

स्रोर जिसका सं० कृषि भूमि है तथा जो गाव गदई पुर महरौली नई दिल्ला में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्राकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ला में रिजस्ट्राकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिक्षत्र के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ्रुमधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्रीमती बलवन्त कौर पत्नी श्री एस० एस० मोंगा एक-92, ईस्ट ग्राफ कैलाश, नई दिल्ली।
 - (ग्रन्तरक)
- एटेक्स इण्डिया, सा-237, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली वाया पार्टनर मिसिज विनीता गुलाटो ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन को तारीख सें 45 दिन की प्रमधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी अप्रधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 िकसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: --इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्र'धिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 4 बोघा 16 विस्वास गांव गदईपुर, तहसील महरौली, नई दिल्लो।

> म्रार० बी० एल० म्रप्नवाल सक्षम म्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, विकास भवन एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्त इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख 18-3-1981 मोहर: प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिमियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रज-I, विकास भवन,

एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट,नई दिहली:-110002 नई दिल्ली:, दिनांक 18 मार्च, 1981 फि. संक्षाप्रकारकाराः

निर्देश सं० भ्राई०ए० सो०/एक्यू०-/एस०भ्रार०-111/7-६८/ 662—यतः मुझे भ्रार० की० एल० भ्रम्याल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव गदई पुर महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्णरूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्बह प्रतिशान से अधिक है और प्रम्तरक (अन्तरकों) और प्रम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त धिष्ट-नियम के भ्रभीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुधिधा के लिए;

अतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम, की घारा 269-ग के श्रन्सरण में, में, उक्त श्रिष्ठिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- श्रामतो बलबन्त कौर, पत्ना श्रो एस० एस० मोंगा एफ-92, ईस्ट भ्राफ कैलाश, नई दिल्ला। (भ्रन्तरक)
- श्रो एटेक्स इण्डिया सा-237, डिफेंस कालोना, नई दिल्लो बाया पार्टनर श्रोमतो विनोता गुलाटो ।
 (ग्रन्तरिती)

को य**ह** सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **प्रजंन** के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्प्रित के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अपक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडरोकरण :—इसमें प्रयुक्त गन्दों घीर पदों का, जो उनत प्रधिनियम के भ्रष्ठयाय 20-क में परिभाधित है, वही प्रयं होगा जो छस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि एरिया 4 बोधा 16 विस्वास गांव गदई पुर, महरौलो, नई दिल्ला।

> श्रार० बी० एल० श्रिप्रवाल सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख 18-3-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-220002

नई दिल्लो, दिनांक 18 मार्च, 1981 निर्देश सं० म्राई० ए०सो०/एक्यू०-I/एम०म्रार०-III/7-80/

746—प्रतः मुझें ग्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उका ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिबीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से स्राधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव सतबेरी, महरौली, नई दिहली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोब ऐवे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फ म, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्त्यों को, जिन्हें भारतीय ग्रायहर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः मन, उनत मिश्रिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उनत प्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा के (1) बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:→ श्रो गामसिंह पुत्र कर्मचन्व निवासां गांव सत्तवेरी, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

 श्री राजम सहगल पुत्र श्री ए० पी० सहगल निवासी भार-75, ग्रेटर केलाम-I, नई दिल्ली (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाबन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त भक्षिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भयं होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 28 बीघा 8 विस्वास गांव सबेतरी, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

> ग्रार० बी० एल० प्रग्नवास सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्लो

तारीख 18-3-1981 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, विकास भवन,
एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-220002
नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1981

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०भ्रार०-111/7-80/ 805---भ्रतः मुझे भ्रार० बी० एल० श्रग्नवाल

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वरवात 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो गाँव राजकोरी, महरौली वेहलो में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिस्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1980

करे पूर्वांक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान पित्रकास के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जुधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती मर्टल सेठ, एस-15, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

 मैहर्स बालूजा प्रापर्टीज, ई-I, झन्डेवालान, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वाधित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित् ब्यारा है
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

कृषि फार्म 14 बीघा 9.5 विस्वास (खसरा नं० 543, 544, 545, 546/1, भीर 1/4 हिस्सा, खसरा नं० 548), गांव राजकोरी, महरौली, यूनियन टेरिटरी, भ्राफ दिल्ली।

श्चार० बी० एल० श्रग्नवाल सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख 13-3-1981 मोहर; प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, विकास भवन एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-220002 नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च, 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-/एस०ग्रार०-III/7-80/770—ग्रतः मुझे श्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की ग्रारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- ए० से ग्राधिक है

ग्रौर जिसको सं० कृषि भूमि है तथा जो रेवेन्यू इस्टेट, श्राफ गांव बिजवासन, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्लो में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक जुलाई, 1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिणत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया प्रतिकत, निम्निविधा उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

आतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण की भी, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीतः निम्नलिखित के क्यक्तियों, अर्थातः ——
4 —16GI/81

 श्रो मलू त चन्द पुत श्रो टोडर निवासो गांव बिजवासन, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. भैंसर्स देहली टावरस एण्ड इस्टेट्स प्रा० लि० 115, प्रन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गोधो मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह भूवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **ग्रजैन के लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसो व्यक्ति ब्रास्त ।
- (ख) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसो प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गड़दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त प्रधितियम' के ग्रष्ट्याय 20-क में प्रथा परिभाषिक है, वहां ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि 22 बोघा 17 विस्वास रेवेन्यू इस्टेट, श्राफ गांव बिजावसन, देहली ।

> श्चार० बी० एल० श्चग्रवाल सक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई विल्ली

तारीख 18-3-1981 मोहर: प्रकृष बाह्य, टी. एन्. एस्.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा, विकास भवन, एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट नई दिल्ली-220002

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च, 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एन्यू०-I/एस०श्रार०-III/7-80/ 639——यतः मुझे श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल एयकर अधिनियमः 1961 (1961 हा 42) (जिसे इसमें

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० सी-63 है, तथा जो एन० डी० एस० ई०-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबठ प्रनुसूची में प्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के प्रधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्पमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, एसे उत्पमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निविचित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त आभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अभ्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्न्तिबत व्यक्तियों, अर्थाद्ः— मैसर्स गलोब मैगनेट प्रा० लि० एन-10, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राज कुमार गोबिन्दन नारायन, पुत्र श्री गोबिन्द राम 301, संगम बिल्डिंग, III फ्लोर, पोद्दार रोड, बम्बर्ड ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पेष्क्रीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट, नं० 3 फर्स्ट फ्लोर, फ्रन्ट पोर्शन, सी-63, एन० डी० एस० ई० -II, नई दिल्ली।

> ग्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक, इस्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिस्ली

सारीख 18-3-1981 मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई विल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च, 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-]/एस०ग्रार०-]]]/7-80/ 842—यत: मुझे श्रार० बी० एल० ग्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भृमि है तथा जो गांव छत्तरपुर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक ज्लाई, 1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उत्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सुधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- 1. श्री जे० एस० लाल पुत्र पी० एस० लाल 83, जोर बाग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 मैंसर्स महाजन वूलन्स प्रा० लि० एन० डी० एस० ई०-II, नई दिल्ली ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पृत्ति के अर्जन के निष्

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (त) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, 15 बीघा 4 विस्वास गांव छत्तरपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> आर० बी० एल० श्रग्नवाल सक्षम श्रिष्ठिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोज-I, विकास भवन, एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख 18-3-1981 मोहर: प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

आयकर मधिनियन, 1961 (1961 का 43) है। धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

ं<mark>कीर्य</mark>ालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-I, विकास भवन

एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1981

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/ए०ग्रार०-III/ 7-80/634—प्रतः मझे श्रार० बो० एल० श्रग्रवाल, भायकंर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस हे पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की प्रारा 269-ख के प्रधीत मझप प्राधिकारों को यह विंश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्यनि जिसका उनित बाजार मृल्य 25,000/-

रुपए ने भ्रधिक है।

धौर जिलको सं० प्लाट नं० 626/1 है, सथा जो सत नगर, करौल गण, नई दिल्लो में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में धौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कर्ती अधिकारी के कार्यालय नई दिल्लो में रिजस्ट्रो करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के धिकार जिलाई, 1980

नो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का स्वद्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण ने हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधि-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में पुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अधित्:—

 श्रो चन्द्रनान पुत्र श्रो घासी राम, निवासी 5018 मैंन वाजार पहाइ गंज, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जगदीश लाल श्रशोक कुमार श्रीर प्रमोद कुमार श्री जगन नाथ निवासी 81/5728, रेगरपुरा, करोल वाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उन्त पंत्रति हे अर्जन ह सम्बन्ध में होई मा आक्षेप :---

- (क) इन पूजना के राजगत में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की नामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अ्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्वव्दी हरण :--इसमें प्रयुक्त शक्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस ग्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

 $2\frac{1}{8}$ मंजिला सकान 16/11648 कली, नं ा, 75 वर्ग-गज प्राट नं 626/1, ब्लाक नं यू या,-I, सत नगर फरौन बाग, इस्टेट वस्तो रेगरपुरा, नई दिल्ली।

> श्रार० बो० एकल० अग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त प्रायक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली

त(रोख 18-3-81 मोहर: प्रकप भाई• टी० एन• एस•---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वं(1) के घंघीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-I, विकास भवन

एभ ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 मार्च 1981

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०-ा/एससेंग्रार०- /7-80/ 747—स्रत: मुझे श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से प्रधिक है

ग्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव सतवेरी महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री क्रिता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्री करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन विनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृण्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझें यह विश्वास बरते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिनत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निखित में वास्तविक्र क्षिप से कथित नहीं हिथा गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, का धनकर यिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपद्वारा (1) के बाबीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— शी मनोहर सिंह पुत्र कर्मचन्द निवासी गांव सतबेरी, नई दिल्ली वाया जनरल एटानी, श्याम सिंह पुत्र कर्मचन्द निवासी गांव सतबेरी नई दिल्ली ।

(म्रन्तरक)

2. श्री ए० पी० सहगल पुत्र श्री राम सरन दास निवासी श्रार-75, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इत सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे

हराधी तरग:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो छक्त अधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्य होगा, जो उन अक्याय में विया गया है

ग्रनु**सूची**

कृषि भूमि, एरिया 18 बिस्वास ग्रौर 4 बिस्वास गांव सतर्वेरी, महरौली, नई दिल्ली ।

> ग्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली ।

तारीख 18-3-1981 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकतर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, विकास भवन,

एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्य इस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/-एक्यू०-I/एस०श्रार०-III/ 7-80/ 813—यतः मुझे श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसक मं० पी-30 है, तथा जो ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इर्यमान प्रतिफल से, ऐसे इर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- श्री मोतीलाल (एघ० यू० एफ०),
 ज-4, ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली-16

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) डा॰ म्रानन्द प्रकाश माथुर पुत्र श्री परमेश्वरी दास माथुर ।
 - (2) श्रीमती शशि भाषुर पत्नी डा० श्रानन्द प्रकाश माथुर, निवासी पी-II, ग्रीन पार्क, एस्क्सटेंशन, नर्ष दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

21 मंजिला प्रापर्टी, नं॰ पी-30, ग्रीन पार्क, एमसर्टेशन, नई दिल्ली ।

> भ्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ एस्टेप्ट, नई दिल्ली

तारीख: 18-3-81

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंजI-, विकास भवन

एच ब्लाक, इन्द्रप्र स्यइस्टेप्ट, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 18 भार्च 1981

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू०-1/एस०ाग्रार०-III/ 7-80/ 807--- अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० बी-2/13 है, तथा जो सफदरगंज, डव० रेसि॰ स्कीम, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनु-सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीनर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भीर अन्तरक (भ्रग्तरकों) भीर श्रम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ऋ) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

अत: ग्रव, उक्त मधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्वद्यीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों श्वर्यातु :---

- 1. श्री चिरंजीव बल्ला पुत्र लेट कर्नल के० ग्रार० बल्ला निवासी 105, मोन्टे मार ड्राइव सोसालिटो सान-फ्रान्सिसको, कैलिफोर्निया, यू० एस० ए० । (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती नीता गुमान पन्नी श्री सुखजीत सिंह ग्रीर श्रीमती राज किशोरी, देवी विडो ग्राफ श्री राव **ग्रानन्द सिंह दोनों निवासी साहनपुर इस्टे**ट, पो० म्राफिस साहनपुर, डिस्ट्बर बिजनौर, यू०पी०। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्वब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो एक्त श्रधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रम्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० बी-2/13, (500 वर्ग गज) में 8 सफदरजंग डवलपमेंट रेसिडेंशियल स्कीम, नई दिल्ली में स्थित है।

> श्रार० बी० एल० अग्रवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली ।

तारीख: 18-3-1981

प्रकप भाई • टी • एन • एस • - -----

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज, विकास भवन,

एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकपू०-।/एस० आर०- /7-80/659-ए—आतः मुझे आर० बी० एल० अप्रवाल आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के पश्चीन सम्भाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भौर जिसकी सं० ए-13/6 है, तथा जो बसन्त हिबार, नई दिल्ली-57 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली सें रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकृत से, ऐये दृष्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है प्रौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त स्रिध-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ध्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री देश बन्धु दत्ता,
 मेगेन्टा लेन, ई नाथ पोर्ट, न्यूयार्क-11731

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती तेज बेन कौर ए-13/6, बसन्त बिहार, नई दिस्ली-57

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की घविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत अपितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधीतृस्तान के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर, पदों का, बो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन<u>ु</u>सूची

प्रापर्टी, नं० ए-13/6, रेसिडेंन्शियल हाउस वसन्त बिहार, नई दिल्ली मेंह्स्थत है एरिया 400 वर्ग गज ।

> ग्रार० बी० एल० ग्रग्नवास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, विकास भवन एच ब्लाक, शन्द्रप्रस्य इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख 18-3-1981 मोहर:

प्ररूप आह. रही. एस. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर सायुक्त (जिरीक्ष्य) श्रजेंन रेंजा-, विकास भवन

एव ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई विल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 मार्च 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-पृष्सवद्यार०-I11/7-89/680--मतः मुझे, श्रार० बी० एल० श्रप्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उभित् बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव जोनाधुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्री-करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वा क्त सम्मित्त को उचित बाजार मृज्य से कम के स्वस्तान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और भूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों के संपरित का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जस, उस्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसर्भ में, में, उस्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिधित व्यक्तियों स्थात् :-- श्रो बल्लू पुत्र श्रो सतन निवासी गांव जोनापुर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

मैसर्स श्राईशर ट्रैक्टर इण्डिया लि०
 212, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली।
 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासु
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थल्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्तें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 बीघा और 10 विस्वा गांव जीनापुर में स्थित है।

श्चार० बी० एस० ग्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, विकास भवन एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली ।

तारीख: 19-3-1981

प्ररूप आइ. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्राजंन रेंज-I, विकास भवन
एच ब्लाक इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 मार्च 1981

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव छेरामण्डी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्लि में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वाक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :----

- 1. श्री रूप चन्द पुत्न श्री तोफा निवासी गांव डेरा मण्डी, तहसील महरौली, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री बी० एस० शाह फैमिली ट्रस्ट विरेन जे० शाह के द्वारा केयर श्राफ 226 बजाज भवन, द्वितीय तल नरीमन पाइन्ट, बम्बई।
 - (2) जादव देवी राजेश ट्रस्ट, राजेश वी० शाह के द्वारा और जादव देवी सुखुतू ट्रस्ट द्वारा सुखुतू ट्रस्ट,
 - ं द्वारा सुखुतू वी० शाह० केयर आफ 41 भुला भाई देसाई, रोष्ट, बम्बई ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यपाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 बीघा श्रीर 16 विस्वा जो डेरा मण्डी, तहसील महरीली में स्थित है।

> श्चार० बी० एल० **प्रग्नवाल,** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-^I, विकास भवन एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली।

तारीख: 19-3-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रर्जन रेंज-I, विकास भवन,
एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1981

निर्देश सं० म्राई० ए०सी० $_{l}$ एन्यू०- I_{l} एस०म्रार०- III_{l} 7- 80_{l} 681—-म्रतः मुक्षे, म्रार० बी० एन० म्रम्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो गाँव जोनापुर नई दिल्ली मं स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से यांजत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री बल्लू पु० श्री सतन निवासी गीव जोनापुर नई विल्ली।

(घ्रन्तरक)

2. मैंसर्स म्राईशर ट्रैक्टर इण्डिया लि० 212, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिस्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाकित
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्**स्**ची

कृषि योग्य भृमि जिसका क्षेत्रफल 3 बीघा श्रीर 10 विस्वा जोकि गाँव जोनापुर, नई दिल्ली में स्थित है।

> भ्रार० बी० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, विकास भवन एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई विल्ली।

तारीख 19-3-1981 मोहर :

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, विकास भवन
एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०आर०-1117-80/683/—-अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषिभूमि है तथा जो गांव जोतापुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रनारितियों) के बीत ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक का में हिया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिष्टितयम के अधीन कर देने के धन्तरक के वापित्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ब) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या ग्रम्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, म उक्त प्रधिनियम को धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थातः-- श्री बल्लू पुत्र सतन निवासी गांव जोनासुर, नई विल्ली

(भ्रन्तरक)

 मैसर्स श्राईशर ट्रैक्टर इण्डिया लिमिटेड
 212, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वीपत सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के ग्राज़न के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिमों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूजना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्स्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसम प्रयुक्त शब्दों धीर घदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बहीं अपै होंगा जो उस अख्याय में दिया गया है।

मनुसची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्र फल 3 बोघा जोकि गांव जोनापुर में स्थित है।

> श्रार० बी० एल० भ्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज,-I, विकास भवन एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली

तारीख 19-3-1981 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, विकास भवन
एवं ब्लाक, इन्द्रप्रस्था एस्टेट, नई विल्ली-110002

ृव क्याक, इन्द्रप्रस्थ एस्टट, नद्द ।दल्ला-110002 नई दिल्लो, दिनांक 19 मार्च 1981

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एसयू०-1/एस०म्रार०-111/7-80/682—मतः मुझे, स्रार० बी० एल० स्रग्नवाल प्रायकर स्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से स्रिधक है

श्रीर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो गांव जोनापुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि।कारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दूरयमान पिष्ठित के लिए प्रत्वरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रश्नपूर्वीका मंगित का उचित वाजार मूल्य, उसके दूरमान प्रतिकल से, ऐपे दृश्यमान प्रतिकत के पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक हैं और धन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रस्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्श्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण में हुई किमो याप की बाबत उक्त प्रधिनियम के श्रधीन कर तेने के प्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उमने बचने में मुर्विश्रा के लिए; मोर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी बन पा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए या खिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, मन, उन्त श्रिमित्यम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उन्त अधिनियम, की चारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्यान :-- श्री बल्लू पुत्र सतन
 निवासी गांव जोनापुर नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

 मसर्स ग्राईगर दैक्टर इण्डिया लि०
 212, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:-

- (क) इस तूकना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अवधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा; या
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शिक्षक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास निजित में किए जा नकीं।

स्वब्हीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उर्वतं श्रिष्ठितियम के पष्ट्याय 20 क में यथापरिभीषित हैं, बही अर्थ होगा, जी उस प्रध्याय में विया गया है।

घनुसूची

कृषिभूमि जिसका क्षेत्रफल और 10 विस्वा है जोकि गांव जोनापुर तहमील महरौली में नई दिल्ली में स्थित है।

> ग्नार० बी० एल० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-I, विकास भवन, एच बाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 19-3-1981

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म(1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, विकास भवन
एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली, दिनाक 19 मार्च, 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० प्रार०-III/ 7-80/697---श्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, सथा जो गांव जोनापुर नई विल्ली, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विल्ली में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिन्न बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिन्न बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत प्रधिक है भौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण किखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भींध-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर घिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :—

 श्री भूले पुत्र श्री जिना, बंगाली, प्रिती पुत्र श्री पूरन करतार सिंह पुत्र श्री नत्यू, रूप चन्द, पुत्र श्री पूरन निवासी जोनापुर, नई विल्ली

(प्रन्तरक)

 मैसर्स ग्राईसर ट्रैक्टर इण्डिया लि०
 212, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :- -

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पष्टोकरण: ---इसर्ने प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रषं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्र फल 2 बीघा और 8 विस्वा खसरा नं 16|11|1, जोकि गांव जोनापुर नई दिल्ली में स्थित है।

श्रार० बी० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, विकास भवन एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्लो

दिनांक: 19-3-1981

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, विकास भवन एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई विल्ली-110002 नई विल्ली, दिनांक 19 मार्च 1981

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव जोनापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है गौर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित भहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी, ग्राय की बाबत इक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या घनफर भ्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, मन, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रतृ-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-य की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीतः--- श्री बल्लू पुत्र श्री सतन निवासी गांव जोनापुर, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स घाईणर ट्रैक्टर इण्डिया लि० 212 दीन दयाल उपाध्याय मार्गे, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त धब्दों घोर पदों का, जो उकत अधि-नियम के धड़गाय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्थ होगा, जो उस धड़गाय में विया गया है।

मनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 बीघा श्रौर 10 विस्वा है जोकि गांव जोनापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

> श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, विकास भवन, एच ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली

सारीख: 19-3-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

काबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, विकास भवन एव बनाक इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०-I/एस०श्रार०-III/ 7-80/ 684--धतः मुझे, भार० बी० एल० अग्रवाल थायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,00०/-६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो गांव जोनापुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-भरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक ज्लाई, 1980

को नुर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का एचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रीधक है भीर बन्तरक (धन्तरकों)और अन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अभ्तरण से हुई किसो आय की बाबत खक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी हरने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसो श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर ग्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उन्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) स्रधीन, के निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री बल्लू पुत्र श्री सतन निवासी जोनापुर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स भ्राईसर दैक्टर इण्डिया लि० 212, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्मत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन भी अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की घविष, जो भी धविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 बीघा श्रौर 10 विस्वा जोकि गांव जोनापुर नई दिल्ली में स्थित है।

> भ्रार० बी० एल० भ्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज-I, विकास भवन एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली

तारीख 19-3-1981

प्ररूप् आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-I,

एच ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली-220002, दिनांक 19 मार्च, 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस०श्रार० 7-80/ 660---यतः मुझे श्रार० बी० एल० श्रायाल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

घौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव सतबडी, तह० महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास कर्म का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के द्विए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन विम्नृतिहिंद व्यक्तियों, अधितः —
6—16GI/81

- 1. श्री विरेन्द्र सिंह राणा पुत्र श्री साहिब सिंह राणा, निवासी जी-63, ईस्ट श्राफ कैलाण नगर, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्री कुल रतन चड्डा पुत्र श्री ग्रमर नाथ चड्डा निवासी 1/22, महारानी बाग, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जासकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विभा गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 बीघा खसरा नं० 573 (2-19) 574/2, (3-4), 574/1 (1-11), 575 (5-2), 584/1, (3-4), फार्म हाउस के साथ जोकि गांव सतबड़ी तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है।

श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, विकास भवन एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ ऐस्टेट, नई दिल्ली

तारीख 19-3-81 मोहर: प्ररूप आर्हे.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 19 मार्च, 1981

सं ० श्राई ० ए० सी ० /एक्यू ० / I/SR IV / 7-80 / 7961 — श्रासः मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भृषि है तथा जो गांव जोना पुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इमलिये उपाबद्ध ग्रन्भूची में पूर्व रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जुलाई 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए जन्नित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :--

- -----भूले, पुत्र श्री जिना बंगालं। प्रीर्थे।
 पुत्र श्रो पूरन निवासी गांव जोनापुर नई दिल्ली।
 (श्रन्तरक)
- 2. श्राइसर टरेकटर इण्डिया लि०, 212 दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तिरती)

क्ये यह सूचना पारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बीवा 16 विसवा खसरा नं० 16/10 जो कि गांव जोनापुर नई दिल्ली।

> भ्रार० बी० एल० भ्रम्रवाले सक्षम भ्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण), श्रुजैन रेंज-1, दिल्ली,

दिनांक 19 -3-1981 मोहर: प्ररूप आई^९.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज-1, दिल्ला-2

नई निल्लो-220002, दिनांक 19 मार्च, 1981

सं० श्राई० ए० सा० एक्यू०/1/SR III/7-80/686 य मुझेश्रार० वा० एत० ग्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रार जिसकी मं० सं० कूषि भूमि है तथा जो गांव जोनापुर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबड़ श्रनुभूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिकस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ला में भारतीय रिजस्ट्रोकर्सा श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधनि, तारीख जलाई, 1980

कां पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वाक्त गपतित का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री बल्लू पुत श्री सतन निवासी गांव जोनापुर नई दिल्ला।

(भ्रन्तरक)

2. म्राइसर ट्रेक्टर इण्डिया लि० 212 दीन दयाल उपाध्या भागं, नई दिल्लें।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा जो उस प्रथ्यार में दिया गया है।

भ्रनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 वीधा श्रो 10 बिस्वा जो कि गांव जोनापुर नई दिल्ला में स्थत है।

> ग्रार० बी० एक० अग्रवाल, सक्षम उपिकार सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (तिर्देशण) श्रर्जन रेज-1, दिल्ली।

नारीख: 19-3-1981

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

काय् लिय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निर्देक्षण)
प्रजीन रेंज-1, दिल्ली-2
नई दिल्ली-220002, दिनांक 19 मार्च, 1981
सं० प्राई० ए० सं१० एक्यू० है/SR III/7-80/721---ग्रात:

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

मुक्षे, ग्रार० बो० एल० ग्रग्नवाल,

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव डेरी त० महरीला नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता दिल्ली ग्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रिकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वांक्त संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्ष्म के लिए अन्तरित का गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एंसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के जुधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् धन-

 श्रो भीर सिंह, पुत्र श्रो जहारिया ग्रौर महीपाल पुत्र श्रो बहादुर गांव डेरा गांव तहसील महरौली नई दिल्लो।

(भ्रन्तरक)

2. श्री वी. जे० शाह फैमिली ट्रस्ट द्वारा ट्रस्टी वीर्रन जे शाह केयर श्राफ 226 बजाज भवन वित्तीय हाल नरीमन पाइन्ट बम्बई जादव देवी राजेंग ट्रस्ट द्वारा ट्रस्टी राजेंग वी० शाह श्रीर जादव देवी स्कूटर ट्रस्ट द्वारा सुरूकन वी शाह केयर श्राफ 41 भूलाभाई देसाई रोड बम्बई।

(ग्रन्तरितं:)

को यह सूचना जारी करके प्राॉक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बय्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची:

1/2 शोयर कृषि भूमि ने जिसका क्षेत्रफल 20 बिघा ग्रौर 2 बिस्वा जो कि गांव डेरा मण्डी तहसील महरौला नई विस्ली में स्थित है।

> ग्रार० की० एक० अग्रवाल, सक्षम प्रधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख 19-3-1981 मोहर: प्ररूप भाई। टी। एन० एम।---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-व (1) के प्रजार सुचरा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, दिल्ली-2

नई दिल्लं:-220002, दिनांक 19 मार्च, 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम कहा गया है), की घारा 269-ज के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्वति, जिसका उवित्र बाबार मृष्य 25,000/-क सं अधिक है

भीर जिसको मं० कृषि भूमि है तथा जो गांव हरीमण्डी नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध श्रमुर्ची में और पूण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कायलिय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जलाई, 1980

(1908 का 16) के अध्यान, तार्या जुलाई, 1980 को पूर्नीक्त सम्वित्ति के उचित बाजार मून्य से का के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्नास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्वित्ति का उचित बाजार पृस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्तल का पन्त्रह प्रनिस्त से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरितों (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कियत नहीं किया गया है।----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनयम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय म्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के जिए:

अतः, अत्रः, अन्त अधिनियम हा धारा 209-ए के धनुसरण में, में उन्त प्रक्षिनियम को धारा 209-ए का नपद्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. प्रमीतः—

 श्रं गोर सिंह पुत्र श्री जहारिया श्रीर महीपाल पुत्र श्री बहादुर गांव डेरा मण्डी तहसील महरौली नई दिल्ला।

(श्रन्तरक)

2. श्रां बां० जे० गाह फैमिला ट्रस्ट द्वारा बीरेन जे गाह केयर श्राफ 226 बजाज भवन दितीय तल नरीमन पाइन्ट बम्बई जादब देवी राजेश ट्रस्ट द्वारा द्रस्टी राजेग बां० गाह ग्रीर जादब देवी सुखूबु द्वारा मुखुतू ट्रस्ट, बा० गाह बायर ग्राफ फार्म्ला भाई देसाई रीड। बम्बई।

(भन्तरिती)

हो यह सूचना जारो करते पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविब, जो की
 अवधि वार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियां में से किनी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) हम सूचना के राजनत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन के किसी अन्य व्यक्ति ग्रास, प्रचीह-जाक्षारी के पास लिखिस में किए जा मर्कोंगे।

स्यक्तोकरण:----इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधि-निया के अध्याय 20- ह में परिमाधित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुस्ची

1/2 भेयर कृषि भूमि ने जिसका क्षेत्रफल 20 बीघा श्रीर 2 विस्वा गांव डेरा मण्डी तहसाल महरीला नई दिल्ली में स्थित है।

> ग्रार० बो० एल० श्रग्रवाल मक्षम श्रधिकारो महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) श्रजीन रेंज, दिल्लो।

नारीख: 19-3-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) हो अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोच।न-16, दिनांक 12 मार्च, 1981

सं० एल० सं10 192/80-81:—यतः मुझे बी० मोहन लाल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० धनुसुबी के धनुसार है जो द्रिच्चूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूबी में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्राकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय द्रिच्चूर में भारतीय रजिस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 11 जुलाई, 1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रोमतः मालतः।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सोनी हरिलाल एण्ड की०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

} right over 19\(\frac{1}{2}\) Cents of land with a building in Sy. No. 1166/4 of Trichur Village.

वी० मोहन लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राप्युक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज, एरणाकुलम ।

तारीख: 12-3-1981

प्ररूप भाइ . टी. एन. एस. ------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 16 मार्च, 1981

सं० एल० सी० 493/80-81-यतः मझे, मोहन लाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / र**ा. से अधिक है** श्रीर जिसकी मं० ग्रनुभुची के श्रनुमार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (प्रौर इसमें उपाबब्र अनुसूची में रूप से वर्णित है), रिजस्द्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रिजस्ट्रीकरम्र भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 7 जलाई, 1980 को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11) के अधीश निम्नलिखित व्यक्तियों वर्शात:-

(1) श्री के० ए० ग्रबद्लकादर

(श्रन्तरक)

(2) श्री टी० सुधाकर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन को अवधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त बाब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1.800 Cents of land with a part of the godowns and compound wall in Sy. No. 792/3 of Ernakulam Village.

बो॰ मोहन लाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

तारीख: 12-3-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाक्लम

कीबीन-16, दिनांक 16 मार्च, 1981

सं० एल० सो० 494/80-81:—यतः मुझे, बी० मोहन लाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार भूव्य 25,000/रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिस्ट्रिक्ती अधिकार। के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रिजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा ग्या प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नृष्टी किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधर्रा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रो के० ए० अन्दुलकादर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति लता एम० दास

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

6.1 Cents of land with a godown in Sy. No. 792/3 of Ernakulam Village vide Doc. No. 2076/80.

बी० मीहनलाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

सारीख: 16-3-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुव्ता

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्राजीज रेज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 12 मार्च, 1981

सं० एल० सी० 495/80-81:---यतः मुझे, बी० मोहन लाल,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० धनुमुखं के धनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 7 जुलाई, 1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रध्यमान प्रिष्णल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इद्यमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिक्षत व्यक्तिग्रें वर्धात् :——
7—16 GI/81

1. श्री के० ए० श्रब्दुलकादर

(भ्रन्तरक)

2. श्रा टा॰ राजाव

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोष्ठस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1.800 Cents of land with the godowns and compound wall in Sy. No. 792/3 of Ernakulam Village.

बंंः मोहन लाल, सक्षम प्राधिकारीः, सहायक धायकर शायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, एरणाकृलम

तारीख 12-3-1981 मोहर: प्ररूप आइ.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जनरेंज, एरणाकुलम कोचीन-15 दिनोक 16 मार्च, 1981

निदेश सं० एल० सी० 497/80-81—-श्रतः मुझे वी० मोहनलाल

धायकर ध्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रवित्यम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ध्रधिक है

भीर जिसकी सं० भ्रनुसूची के भ्रनुसार है, जो पूजियुरा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय पूजि-त्युरा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 16) के भ्रधीन 29-7-1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूल्य से कम के दृश्यमान प्रित्तिक के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण सिकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त प्रश्चित्यम के श्रप्तीन कर देने के श्रम्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: भन, उक्तं मिविनयम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अधीत ः— (1) श्रीमति राधम्मा

(अन्तरक)

(2) श्रीपी० तोमस

(भ्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजनज में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुजना के राजपत्र में प्रकाशन जो तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्प®दीकरगः ----इसमें प्रगुक्त गर्क्यों ग्रीर पदों का, जी उक्त श्रीधनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

14 Cents of land in Sy. No. 959/3 of Poomithura Village vide Doc No. 2842/80 dated 29-7-1980.

वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 16-3-1981।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कोचीन कोचीन दिनांक 16 मार्च 1981

निदेश सं० एल० सी० 496/80—81—अतः मुझे वी० मोहनलाल

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सञ्जन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है, जो पूणित्थुरा में में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय तृष्पूणिलुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 28-7-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत : अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थाक् :---

(1) श्रीमति राधम्मा

(अन्तरक)

(2) श्रीमति रोसम्मा जेकव

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी
 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी
 भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

10 Cents of land with a building in Sy. No. 959/3 of Poomithura Village vide Doc. No. 2833/80 dated 28-7-1980.

वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, एरणाकुलम

तारीख: 16-3-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कोचीन

कोचीन-15 दिनांक 19 मार्च 1981

निदेश सं० एल० सी० 498/80—81—प्रतः मुझे वी० मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो श्रालप्पी में श्रस्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रालप्पी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-7-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण कि कि से वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीमति रोसम्मा श्रीर तोमस

(अन्तरक)

(2) श्री के० पी० हरिलाल श्रीर श्रीमित सुवर्णा हरिलाल (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्नों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हुँ।

वन्स्ची

23 Cents of land with a building as per Schedule attached to Doc. No. 2504/80 dated 15-7-1980.

वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) की अधीन निम्नसिक्ति व्यक्तियों अर्थात्:--

तारीख: 19-3-1981

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज कलकत्ता कलकत्ता दिनांक 28 फरवरी 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० ग्रार० एस० नं० 7306, 731 है तथा जो एम० एन० साहा रोड ग्रासानमोल, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्णाक्ष्प से वर्णित है, राजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय ग्रासान सोल में, राजस्ट्रीकरण ग्रिक्ष नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राघीन तारीख 25-9-1980

का पूर्वोंक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरगान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरगान प्रतिफल से एसे दूरगान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थातुः-- (1) श्रीमित राम राशि देवी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चितरन्जन डानाजि

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एम० एन० साहा रोड, ग्रासानसीत, वर्धमन में 2के-1 मीएव 16 फूट जमीन साथ मकान का सब कुछ जैसे 1980 का सेलडीड सं० 4936 का 1980 में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है ।

> कें० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV कलकत्ता-1 6

सारीख: 28-2-1981

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रोंज, कलकत्ता कलकत्ता,दिनांक 18मार्च 1981

निर्देण सं० ए० सी०/रेंज टी० श्रार०/338/80—81/ ए०सी०क्यू० श्रार० आई० 1/स० नं० 570/611——श्रतः मुझे श्राई० बी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी मं० 68 है तथा जो सारपन टाईन लेन कल० स्थित में है (स्रोर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण ध्य से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, राजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 2-7-1980

को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-णं को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269- धं की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री भ्रनिल कुमार मित्र

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मानिक लाल दे

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

यनुसूची

2-7-1980 तारीख में डीड नं० श्राई०3912 श्रनुसार रिजिस्ट्री श्राफ एन्ब्युरेंस का दफ्तर में 68 सारपेन्टाईन, लेन, कलकत्ता में 3 कट्टा 6 छटांक 20 वर्गफिट जमीन पर टी० सी श्रीर सी० श्राई० रूफ का मकान ।

श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, 54 रफीअहमद किववाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक: 18-3-1981

प्ररूप ग्राई० टी॰ एन० एस०-

मायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रिष्ठीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16 मार्च 1981

निदेश सं० 15/जुलै/80---अतः मुझे आर० रविचन्द्रन

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंग्में इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 46-ए, चेयरमेन मृत्तु रामय्यर रोड मदुरै है, जो मदुरै में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचित में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सदुरै (डाकुमेंट सं० 3562/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रधीन 15-7-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, उक्त ध्रिधिनियम के ध्रधीन कर वेने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त धिवियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त धिवियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के धिधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात:---

- (1) श्रीमती ऐ० ऐस० एस० ग्रार० क्कमित श्रममाल (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ए० श्रार० रत्तिनम (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्वित्त के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 मूबना की तामील से 30 दिन की श्रविध, को
 भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजराज में जकाणन की नारीच से
 45 दिन के भीतर उनन स्थावर सम्मत्ति में
 हितबद्ध किसी ध्रय्य स्थक्ति द्वारा, श्रधीहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

ह्वव्हीकरण:--इनमें प्रयुक्त णब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिवियम, के ग्रद्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रषं होगा, नो उन ग्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

(भ्भि ग्रार निरमान 46-ए, चेयरमेन मृत्तुरामय्यर रोड, मदुरें (डाकुमेंट सं० 3562/80)।

श्चार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

नारीख: 16-3-1981।

प्ररूप भाई • दी • एग • एस • • • • • • स्वयं भायं भारं विश्व मा स्वयं । प्रति का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रमीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-I, मदास 600006

मद्रास-600006, दिनांक 16 मार्च 1981

निदेश सं० 37/जुलै/80—अत: मुझे आर० रविचन्द्रन आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'छक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चिवत बाजार पूल्प 25,000/- वप्प से अधिक है

मौर जिसकी सं० 33, नारायन मुदलि स्ट्रीट, है मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय सीकारपेड, मद्रास (डाकुमेंट सं० 437/1980) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31-7-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये पन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से शिवक है और अन्तरक (यम्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्नित हो से कथित नहीं किया गा। है :—

- (क) अन्तरण से इर्द किती आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधोन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उपने बचने में सुविधा के निए; और या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिन्हें भारतीय आयकर दक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उम्स अिबनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के ध्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा पंकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिवाने में सुनिधा के लिए;

क्षतः स्रम, उका अविनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त सिधिनियम की घारा 269-च की उपप्रारा (।) के अधीन निम्नणिक्षित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्रीमति सुबद्राबाय बालदास
- (अन्तरक)
- (2) श्री राजकुमा महेसवरि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के सिए कार्यग्रहिमां करता हूं।

उना सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आयोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 विज की संबंधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की संबंधि, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर सन्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवड किसी जन्म श्यक्ति द्वारा, बन्नोहस्ताश्वरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

न्यव्होक्तरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो छक्त पश्चिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बढ़ी अर्थ होगा, जो उम प्रध्याग में दिया गया है

मनुसूची

भूमि श्रौर सिरमान सं० 33, नारायण मुदलि स्ट्रीट, मद्रास । (इाकुमेंट सं० 437/1980) ।

> श्चार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोज-1, मद्रास

तारीख: 16-3-1981

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 मार्च 1981

निदेश सं० 38/जुलै/80—अतः मुझे, आर० रविचन्द्रन लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं।

प्रौर जिसकी सं० 2, श्रय्या मुदलि स्ट्रीट, मब्रास-1 है, जो मब्रास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोकारपेट, मद्रास (डाकुमेंट सं० 447/1980) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिंतियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31-7-1980 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य को कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- 8—16 GI/81

(1) श्री ई० तरनिपति भौर भदरस

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमति मनार नाथ कोतारि

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि श्रौर निरमान, सं० 2, श्रय्याल मुदलि स्ट्रीट, मद्रास-1 (डाकुमेंट सं० 447/1980)।

> ग्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

नारीख: 16-3-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, मदास

मद्रास, दिनांक 16 मार्च 1981

निदेश सं० 53/जूलै/80—अतः मुझे ग्रार० रिवचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसाती डाकुमेन्ट संख्या 3775/80 है तथा जो सं० 19, ताजप्य मृदलि श्रग्रहारम,

मर्रै-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मदुरै में भारतीय रजिस्ट्री करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 31-7-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथा नहीं किया गया है'--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) एक एस० रामसामी भ्रय्यर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० जगनादम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि और निरमाण--19, तानप्प मुदलि अग्रहारम, मबुरे ।

(डाकुमेंट सं० 3775/80) ।

ग्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

नारीख : 16-3-1981।

प्ररूप आई॰ टी॰ एन० एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16 मार्च 1981

निदेश सं० /54/जुलै/80—अतः, मुझे, आर० रिवचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका प्रचित बाजार मृत्य 25,000/- क्पये से अधिक है, और जिसकी सं० 19, धानप्प मुदलि अग्रहारम (डाकुमेंट सं० 3779/80) है, जो मदुरै-1 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; अर्थिया
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिक्षित्रयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिबिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्री एम० एस० रामसामी ग्रय्यर (ग्रन्तरक)
- (2) एन० जगन्तादन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों ५र सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो सम्बन्ध अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमुसूची

भूमि ग्रौर निरमाण सं० 19, तानप्प मुदलि श्रग्रहारम, मदुरै-1।

(डाकुमेंट सं० 3779/80) ।

ग्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 16-3-1981

प्ररूप आइ . टी . एन . एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मब्रास, दिनांक 16 मार्च 1981

निदेश सं० 66/जुलै/80—श्रतः मुझे, ग्रार० रिवचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 46ए, (पलाट सं० 12) चेयरमेन मृत्तु-रामय्यर रोड, मदुरै है, जो मदुरै (डाकुमेंट सं० 3825/80) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचि में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्था अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :-- (1) श्री बी० सुन्दरम ग्रीर ग्रवरस

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री टी० एस० बालकृष्न

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निरमाण 46-ए, चेयरमेंन मृतुरामय्यर रोड विरुद्धनगर, प्राकुमेंट सं० 3826/80)।

ग्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख: 16-3-1981

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ इस॰----

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16 मार्च 1981

निदेश सं० 60/जुलै/80——ग्रतः मुझे, आर० रविचन्द्रन, आयकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 34, तान्ठवराय ग्रामजी स्ट्रीट मद्रास-21 है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रायपुरम, मद्रास, (डाकुमेंट सं० 1263/1980) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 31-7-1980

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसा आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ूरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों,
 को जिन्हें भारतीय आयकर श्रवितियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त श्रवितियम, या धनकर श्रवितियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ शन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (11) के अधीन निम्निलिखित व्यन्तित्यों, अर्थात् :---

- (1) श्री एस॰ पी॰ राजेन्द्रन और एस॰ पी॰ महेन्द्रन (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एे० दनम ग्रौर ग्रंदरस

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्वन के संबंध में कोई भी प्रार्क्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूबोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा सधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों मोर पर्दो का, बो उक्त प्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिमाखित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन् सूची

भूमि ग्रौर निरमाण 34, तान्ठवराय ग्रामजी स्ट्रीट मद्रास । (डाकुमेंट सं० 1263/1980)।

ग्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 16-3-1981।

प्राक्ष भाई । ही । एन । एस ----

प्रायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व(1) के धंधीन सूचना

गारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मदास-600006

मद्रास, विनांक 16 मार्च 1981

निदेश सं० 73/जुलै/80—अतः मुझे, आर० रिवचन्द्रन आयकर यिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त यिविनयम' कहा गया है), को धारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जितका छिचत बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7, उमधाल रोड, श्रलगप्पा नगर, है, जो मदास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नारत मद्रास (डाकुमेंट सं० 2789/1980) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिकिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्द प्रतिगत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया योजनल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरक लिखित में शक्त कि असे से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त ग्रिश्वनियम के भन्नीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अग्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामें में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उक्तारा (1) के अधीन, निस्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् ।--- (1) श्रीमती एस० देस बेगम इसाडरी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रशोक कुमार जैन भीर भदरस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी श्र से 45 विन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी से 30 विन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, पधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाबित है, वही अधं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(भूमि श्रीर निरमान-7, उमयाल रोड, ग्रलगप्पा नगर मद्रास--डाकुमेंट सं० 2789/1980)।

> श्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 16-3-1981

प्ररूष अवर्ध. टी. एव. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास 600 006 दिनांक 16 मार्च 1981

निदेश सं० 15/जुलै/80—अतः मुझे स्रार० रविचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 11/3-ए श्रौर टी० एस० सं० 818 ए०ए० रोड, विस्तुनगर है, जो में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय विस्तुनगर (डाकुमेंट सं० 1748/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 15-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री एम॰ मुजियप्प नाडार ग्रौर॰ एम॰ सुब्रमनियन (ग्रन्तरक)
- (2) श्री चोक्कर पाली बेगस

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(टी० एस० सं० 11/3-ए श्रीर टी० एस० सं० 818, ए० ए० रोड—विरुदुनगर डाकुमेंट सं० 1748/80)।

ग्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 16-3-1981

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

पाप हर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास-600006, विनांक 16 मार्च 1981

निदेश सं० 96/जुलै—-ग्रतः मुझे, श्रार० रिवचन्द्रन, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त यिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अगीत मक्षम प्राधिकारी को यह विण्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय मे श्रीधक है

भौर जिसकी संव टीव एसव संव 11/3-ए और टीव एसव संव 818 एवं एवं रोड विरुद्धनगर है, जो विरुद्धनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विरुद्धनगर (डाकुमेंट संव 1749/ 80 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पत्वह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उकत अन्तरण लिखित में वास्नविक रूप से कथिन नहीं किए गया है:

- (क) अस्तरण से हुई किसी प्राप की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

द्यतः श्रव, उदन पश्चितियम की द्यारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधितियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थीतृ !—

- (1) श्री एम॰ मुनिय्यप्प जाडार श्रीर एम॰ सुन्नमनियन (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रार० चोक्कर

(भ्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंत के लिए</mark> नार्यवाहियां शुरू करता हुं :

उना समाति के ब्रार्गन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में पकाशन की नारील में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूत्रना के राजपत में प्रशासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त स्रवि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रक्षाय में दिया गया है।

अनु सूची

(भूमि—टी० एस० सं० 11/3-ए श्रीर टी० एस० सं० 818, ए० ए० रोड, विरूदुनगर डाकुमेंट सं० 1749/80)।

> श्रार० रविधन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीखा: 16-3-1981

प्ररूप बाइ टी: एन. एस.----

आप्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण) ग्रजैन रेंज-II, मद्रास

मद्रास विनांक 10 मार्च 1981

निवेश सं० 9049—पतः मुझे, राघा बालकृष्मं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राध्यकारी का, यह विववस करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उन्तित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

बीर जिसकी संज मारियम्मन कीयिल स्ट्रीट है, तथा जो पांडिचेरी में स्थित है (बीर इसके उपाध्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, पांडिचेरी (डाकुमेंट संज 1400/80) में भग्रहीम रिजस्ट्रीकरण अधियनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन क्लाई, 1980 । को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्विषय से उचत अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उन्नते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति द्वारती द्वारत प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अत, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
9—16GI/81

(1) श्री घनेसन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शनमुहम

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काहे भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्कोकरणः--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वमुस्ची

भूमि ग्रौर निर्माण—मारियम्मन कोयिल स्ट्रीट, पांडिवेरी (डाकुमेंट सं० 1400/80) ।

> राघा बालकृष्टनं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज-II, मद्राख

तारीखा: 10-3-1981।

प्ररूप बाई० ही० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन, सूचना

मारत सरकार

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-II, मदास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० 9059—अतः मुझे, राघा बालकृष्नं, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इति पश्वास् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गथा है), की बारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सारम औजगारंट है, जो पांडिचेरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पांडिचेरी (डाकुमेंट सं० 1402/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई 80

को पूर्वीकत सम्पत्ति के जिंदत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त को निए अन्तरित को गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पति का जिंदत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त को एस्ट्रेड प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के भीष ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिपत्तन, निम्निनिश्वत छहेश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया नया है

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रष्टिनियम के श्रष्टीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; ग्रीर/ग्रा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उपन प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उपन अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों स्थित्ः-- (1) बी० कागैयन

(अन्तरक)

(2) श्री जुबैठाम्माल

(म्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद किसी प्रभ्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उनत प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उन प्रध्याय में विया गया है ।

अनुसूची

भूमि सारम ग्राम भौलगारट (डाकुमेंट सं० 1402/80)।

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 10-3-1981;

प्रक्ष भाई • टी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के अधीन मूचनां

षारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-,मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० 10915—श्रतः मुझे राधा बालकृष्नं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- द० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० तनगमनी तियेट्टर है, जो घूठलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूचि में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, घूठलूर (डाकुमेंट सं० 991/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उबत अधिनियम के प्रश्नोन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या घण्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर घिंचियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिंचियम, या धन-कर घोंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शनमुह्सुन्वरम

(मन्तरक)

(2) श्री दुरै राज

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के विधः कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप !--

- (क) इस सूत्रता के राजपत में प्रकाशन की वारी ख से 45 विन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामी ल से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन का तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राध्दोकरग: -- इसनें प्रमुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रह्माय 20-क में यथा-परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि म्रौर निर्माण—तनगमनी तियेट्टर घूंठजूर (डाकुमेंट सं० 991/80)।

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 10-3-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च 1981

निवेश सं० 10892—- प्रतः मुझे, राधा बालकृष्नं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 88-के 4, है, जो पोल्लाचीराजा मिल रोड में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचि में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता झिंधकारी के कार्यालय पोल्लाची (डाकु-मेंट सं० 1970/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण झिंधनियम, 1908 (1908 का 16) के झिंधीन जुलाई 1980

को पूर्वो कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) रामकुष्नं ऐंड कम्पनी

(ग्रन्तरक)

(2) भी मनियन ग्रीरभ्यवरस

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ृद्ध विन की विषयिं। तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि काद में समझल क्रोती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में अकावान की तारीस से 45 विम कॉओतर अवत स्वावर सम्परितः में हित्यव्ध किसी बन्य क्योंक्त स्वावर सम्परितः में हित्यव्ध किसी बन्य क्योंक्त स्वावर स्वावर स्वावर स्वावर के पास लिखित में किए जा सकतें ।

स्पद्धविकरणः -- इसमें अयुक्त काव्यों और पयों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ ग्रेगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

भूमि श्रौर निर्माण ग्रौर मशीनरी 88 के 4, राज मिल रोड पोल्लाची (डाकुमेंट सं॰ 1970/80)।

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, मत्रास

तारीखा: 10-3-1981

माई० टी•ःएन०ःएस•----

अधिकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० 10874—श्रतः, मुझे, राधा बालकृष्न, ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके परवान् 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 25/22, है जो हनुमंतरायन कोयिल लेन, कोयम्बट्टर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाकुमेंट सं० 3867/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जुलाई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्नके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरह (अन्तरहा) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरंग के निर् तर पारा गरा प्रतिफल निम्नलिखित उद्धा से उन्त अन्तरंग विश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण के हुई किसी भाष की बाबत आयकर प्रीधिनियम 1961 (1981 का 43) के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के को अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों अर्थानु≟-- (1) शनमूहम चेट्टीयार

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति ललिता

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्न सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के तम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इ.उ. पूचना के न्याजनक में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन की ज्याविक या तस्संबंधी व्यक्तिक्रमों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की प्रविध, जो भी क्याविक में समाप्त होती हो, के भीतर, पूर्वोक्त स्थाविक में किसी क्यावित क्यावित क्यावित.
- (ख) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन को तसरीखास, 45 चिन के भीतर उपत स्थावर सम्मित में क्रिकाट क्षिणी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अफ्रोहस्ताक्षरीत्के प्रम क्षिकित में किए जा सकेंगे।

स्कडीकरण---इसमें प्रयुक्त मध्यों श्रीर सर्वोत्कात के तक्त वित्र नियम के प्रध्याय 20-रूमें स्विधालक हैं हरी प्रयोहीयां, जो उत्त अध्यय में विद्यालगया है।

प्र**नुसू**ची

भूमि श्रौर निर्माण--- 25/22 हनुमंतरायन कोयि**ल लेन,** कोयम्बटूर

(डाकुमेंट सं० 3867/80)।

राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 10-3-1981। मोहर*ं* प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री शनमुहम चेट्टियार

(ग्रन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अधीन सुचना

2. श्रीमती एम० रागिनी

(भ्रन्सरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० 10874—यतः मुझ राधा बालकृष्मं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उकत अधिनियम्' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 25/22 है जो हनुमम्तरायन, कोयिल लेन, कोयम्बदूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बदूर ((डाकुमेन्ट सं० 3868/80) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 80 को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-षद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनसूची

भूमि श्रौर निर्माण 25/22, हनुमंतरायन कोयिल लेन, कोयम्बटर (डाकुमेंटसं० 3868/80)।

> राधा बाल कृष्णन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अबः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

तारीख 10-3-81 मोहर: प्ररूप बार्ह.टी.एन.एस.------

1. श्री सिदिबीययमन

(ग्रन्तरक)

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री रनगम्माल

(धन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, मदास मद्रास, विनांक 10 मार्च 1981

निर्वेश सं॰ 10869—थतः, मुझे, राधा बालकृष्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 2411/, है तथा जो टालाकार स्ट्रीट, कोयम्बदूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है) रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधकारी के कार्यालय कोयम्बदूर (डाकुमेंट सं० 3998/80) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्नारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

🌃 अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण 29/11, टालाकार रोड, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं \circ 3798/80)

राधा क्षालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-II, मदास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

तारीख: 10-3-81

प्ररूप आई. टी. एनः एस . -----

1. श्री सुद्रमनियम श्रीर श्रदर्भ

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का: 43) की

2. श्री भ्रमिरदम

(भ्रन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च 1981

निर्देश सं० 10886--यतः, मुझे, राधा बालकृष्न, अप्रमन्तर अभिनिक्स, 1961 (1961) का 43) (जिसे इत्सर्मे इक्काले परकात 'उक्त अधिपियम[े] कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० 9ए/1, चिन्नाय घोंडर स्ट्रीट है, तथा जो कोयम्बर्ट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्र (डाकुमेंट सं० 2563/80) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन जुलाई, 1981 कारे पूर्वांक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यक्तन प्रतिकृत के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकें ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दानिभारक में कमी करने या उससे असने में स्विधा के लिए; बर/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन~कर अभिनियम, 1957 (1957 का 2**7**) को प्रयोजनार्थअन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना पारी करके पूर्वों क्ल सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इसुसूचना केराजपत्र भेप्रकाशन की तारीचासे 45 दिन की अविभियातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए पा सकेंगे।

स्यव्यक्रियाः - इसमें प्रयुक्तः शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

भूमि श्रोर निर्माण 9ए 1/, सायबाबा कालोनी, कोयम्बुर (डाकुमेंट सं० 373/80)

> राधा बाल कृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-II, मद्रास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनिमय की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

तारीख: 10-3-81

प्ररूप बार्ड ॰ टी॰ एम्॰ एस॰

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मदास्कृ

मद्रास, दिनांक 10 मार्च, 1981

निदेश सं० 10867—यतः मुझे राधा बाल कृष्न आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसक सं० 16/33 है, जो लिंगप्प चेट्टिटी स्ट्रीट, कोय-मबटूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के क्यालय को कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 3681/80) में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् धु—— 10—16GI/81 1. श्रीमती लक्ष्मी

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मल्ली चेट्टी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भिम ग्रौर निर्माण 16/33, लिंगप्प, चेट्टी स्ट्रीट, कोयम्बट्टर (डाक् मेंट सं० 3681/30)

राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I^I, मद्रास

नारीख 10-3-81 मोहर :

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्ज रेंज-U, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च, 1981

निदेश सं० 10896- यतः मुझे राधा बाल कृहन ध्रायकर ध्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सञ्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है श्रौर जिसकी मं० 178 है जो बलिमवीट ऊटी में स्थित है (श्रौर इससे उपाह्मद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिगारी के कार्यालय, ऊटी (डाकुमेंट सं० 1046/80) में रजिस्ट्रीकरण ग्रंधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भीर प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) **ग्रौ**र प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के ब्रंभीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा का लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः--

1. श्री पी० रा० जानसन ग्रौर ग्रदरस

(भ्रन्तरक)

2. श्री सेनतिल कुमार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मिति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त भव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण 178., विलयवीट ु ऊटी, (डाकुमेंट 60 1046/80) ।

राधा बालकृष्त सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 10-3-1981

प्ररूप आई. टी. एन<u>.</u> एस<u>.</u>----

_____ 1. श्री वासुदेव ग्रय्यर ग्रौर ग्रदर्स

(ग्रन्तरक)

आयुक्र अधित्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज़ (1) के अधीन स्वाना 2. श्री न्यायामबाल भाम्य

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च, 1981

निवेश सं० 9057—यतः मुझे राधा बालकृष्न आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 05-9, II, लेन, श्ररनाचलाम चेट्टीयार स्ट्रीट हैं जो कारेकुटी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है)रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कारेकुटी (डाकुमेंट सं 0 720/80) में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक जुलाई, 1980

का प्रायत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 [(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि अदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण] 5-9, Π लेन, ग्रहनाचलम, चेट्टीयार, स्ट्रीट, कार्रकुटी-2, (डाकुमेंट सं० 720/80)।

राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, मद्रास

तारीख 10-3-81 मोहर: प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

श्रायकर धर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा, 269-थ (1) के धर्षीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च 1980

निदेश सं० 9048:—यतः, मुझे, राधा बाल कृष्न, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

श्रीर जिसको सं० 15 ए,15 बी, 15 सी है, जो महल स्ट्रंट कुमब होनम में स्थित है(श्रीर इससे उपाबह अनुसूची में ग्रीर जो पूण का से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कामलिय कुमब होनम (डाकुमेंट सं० 1234/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जलाई 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उनत प्रिष्ठ-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या भ्रम-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सन, उन्त सिधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, छक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्मिक्षित व्यक्तियों, अर्थातु:--- 1. श्रो योगामबाल

(ग्रन्तरक)

 श्री: राधा कृष्मं, ग्रमाविका

(भ्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजप्रका में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाप सिवित में किए जा सकते।

स्पन्तोकरण:-इसमें प्रयुक्त सम्दों घीर पर्वोका, जो उनत धिक्षि-नियम, के अध्याय 20क में परिभावित है. वही धर्थ होगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

भूमि और निर्माण 15 ए,15 15बी, 15सी, मठल स्ट्रीट कुमबकीनम (डाकुमेंट सं 12234/80)।

> राधा बाल कृष्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, मद्रास।

तारीख : 10-3-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269प(1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, मद्रास

मद्राम, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० 9052---यतः मुझे, राधा बाल कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 / रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० मनवनलूर है जो नलम में स्थित है और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रधिकारी के कार्यालय श्रीरंगम (डाकुमेंट सं० 1632/80) मे रजिस्टीकरण श्रधिनियम 1908 (1908वा 16) के श्रर्धन दिनांक मार्च, 1980

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री पेरूमाल ग्रीर ग्रन्य

(ग्रन्तरक)

2. में सर्स रेसे भिल कृष्णन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की सामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

ग्रनुसूची

भृमि ग्रीर निर्माण⊸-पनचनल्र सं० 1632/80)।

> राधा बाल हुप्न प्राधिकारी सक्षम (निरीक्षण) महायक श्रायकर श्रायुक्त ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख 10-3-1981 मोहर:

प्रकप धाई। ही। एतः एस ---

भाषकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के भन्नीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 10 मार्च, 1981

सं० 9118--यतः मुझे, राधा बाल कृष्न षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त श्रक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से धिष भौर जिसकी सं० 78 है, तथा जी मदुरै रोड, द्रिची में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूच) में भीर जो पूर्ण रूप से वॉजत है) रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय दिची में (डाकुमेंट सं० 1969/80) में रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन दिनांक जुलाई, 1980 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की नई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि य**यापूर्वीस्त सम्प**त्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से पधिक है और पन्तरक (मन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिबिन में बास्तविक रूप से कविन नहीं किया गया है:--

- (क) सन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्वा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या बन्य धास्तियों को, जिम्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब, उक्त प्रसिनियम की भारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रसिनियम की बारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री ठोरै स्वामी नाठार श्रीर ग्रन्य

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती राम पलनी, श्रांठी पिल्ल

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीना मध्यति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्यत्ति के प्रार्वत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस म्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों घीर पर्वो का, को उकत प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचाबित है, वही प्रयोहीना जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण—78, मदुरै रोड, द्रिचi (डाकुमेंट सं० 1969/80) ।

राधा बाल कृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 10-3-1981

प्ररूप बार्ड . टी., एन् , एस .-----

बायुकर बृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च, 1981

निवेश सं० 15601—यतः मुझे, राधा बाल कृष्न आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपृत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रौर जिसको सं० 26, सेनतीम रोड, मद्रास है जो मद्रास-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रुजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय मैंलापूर में (डाकुमेंट सं० 1381/80) में रिजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का

16) के श्रधोन दिनांक जुलाई, 1980 को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथात नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों अधीत ६---

1. दि महालक्ष्मी टैक्सटाइल मिल्स

(अन्तरक)

2. फेरठुम एस्टेटस

(श्रन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्धु में कोई भी आक्षेप् ६--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्यकिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि श्रीर निर्माण—26 सेनतीम रोड, मद्रास-4 है (डाक्मेंट सं० 1381/80)।

राधा बाल कृष्त सक्षम ग्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजीन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख : 10-3-81

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च, 1981

निदेश स० 15601—यतः मुझे राधा बाल हुप्न आयार अधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजीत सञ्जान प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 27 है, जोसेनतीम है रोड, मद्रास-4 में स्थित है (श्रीर इम उपाबद्ध ग्रनुमुचा में ग्रीर जो पूर्णरूप से विश्वत है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मैलापुर में (डाकुमेंट सं० 1382/80) मेंरिजस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई, 1980 का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करे पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्म से कथित नहीं किया ग्या है :--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त पिध-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भ्रय भ्रास्सियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत ग्रीविनयम वा धनकर ग्रीविनयम वा धनकर ग्रीविनयम वा धनकर ग्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, धवः, उक्त धिवियम की धारा 269-च के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निखिकित व्यक्तियों, धर्यात्:—- दि महालक्ष्मो टैक्सटाइल मिल्स (ग्रन्तरक)

2. श्री मोहम्मद हुनीफा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मिन के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तरप्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की प्रविधि जो भी भ्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोका व्यक्तियों में से किसी अपकृत बारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबह किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का जो जक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्वे होगा, मा उस श्रध्यात में दिया गया है।

मन्सूची

भूमि श्रौर निर्माण 27 सेनतोम है रोड, मद्रास-4 (डाकुमेंट स॰ 1382/80) ।

> राधा बाल कृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक स्राद्धार आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-11, महास

तारीख: 10-3-81

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जैन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 473/80-81—यतः मृझे एस० गोबिन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 403 है तथा जो चौथो मंजिल, दक्कन टबर्स, बिशरक्षाग, हैदराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्था अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए प

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
11—16GI/81

- मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-59, बिशीरबाग, हैदराबाद, ।
 - (2) बैं॰ सी॰ गैंमुद्दीन बाबुखान, पिता लेट ऐ॰ के॰ बाबू खान, निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगूडा, हैंसराबाद

(भ्रन्तरक)

डा० ईसमत सिद्दीकी 5-7-368
 भ्रागापरूटा हैयराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

प्लाट नं० 403, चौथी मंजल मिनार श्रपार्टमेंट नं० 5-9-59 बशीरनाग, हैदराबाद (दक्कन टर्वस) जैसे कि विस्तींण 1020 एस० एफ० टि जैसे कि रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 7896/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-3-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आधार प्रश्नितियम, 1961 (1961 हा 43) की धारा 269 घ (1) के सधीन पूचना

भारत सरकार

कार्यां नव, सहायक ब्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निदेश सं० धार० ए० सी० नं० 474/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन आयकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ह० से

अधिक हैं
श्रीर जिसकी संहैं, जो चौथी मंजिल
दक्कन टक्सें, बणीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे
उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता
श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम
1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 19 जुलाई, 1980
को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का
पन्द्रत् प्रतिकास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितिगाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक
कण से किंथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए। भीर/भा
- (ख) ऐसी जिसी अप या किसी पत पा अस्य आहितयों को जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम सा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-अनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः धन, उनन पश्चिनियम की धारा 269-ग के धनुनरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपसारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स 5-9-59, अशीरबाग, हैदराबाद ।
 - (2) श्री बैं॰ सी॰ गोसुद्दीन बाबूखान, पिता लेंट ए॰ के॰ बाब् लाल, निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगूड़ा हैवराबाद

(भ्रन्तरक)

2. डा॰ जयप्रकाश सोफी, 11-2-553 सलताना नाज जंग देवडी, ओल्ड, आगापुरा, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वींक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति ने प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखः से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी प्रभ्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शक्दों और पढों का, को छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

प्लाट नं० चौथी मंजिल मिनार भ्रपार्टमेंटस नं० 5-9-59 बशीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टर्वेस) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एस० एफ टि जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7897 /80 रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस. गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** : 3-3-1981

मोहरः

प्ररूप आई. डी. धनः एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

सं० म्नार० ए० सी० नं० 475/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 604 है, तथा जो छठी मंजिल दक्कन टवर्स, बिशरबाग, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रेधीन दिनांक 19 जुलाई,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-59, बशीरबाग, हैदराबाद बै० सी० गैसुद्दीन, बाबूखान पितः लेट ए० के० बाबूखान, निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगूडा, हैदराबाद ।
 - (ग्रन्तरक)
- 2. श्री महमद रशिदरक्कीन काटेरी, 22-1-579 नारुखान बाजार, हैदराबाद ।

(ग्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जुक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षोप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो . उकत अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 604, छठी मंजिल मिनार ग्रपार्टमेंट नं० 5-9-59 बशीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टर्बस) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एह० एफ० टि० जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7898 80 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदरादाद में है ।

एस० गोविन्द राजन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: .3-3-1981

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 476/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 606 है तथा जो छठी मंजिल दक्कन टवर्स, बणीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता म्रिधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के म्रिधीन दिनोक 19 जुलाई, 1980

कां पुका कित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की नावत उक्त किय-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्षे अन्तरिती ब्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-59, बशीरबाग, हैदराबाद बै० सी० गौसुद्दीन बाबूखान, पिता लेट ऐ० के० बाबूखान निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिग्डा, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री महमद बलिवरक्का 23-1-291 कोटला ग्रिफजाल, हैदराबाद ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्त्र्या

प्लाट नं० 606 छठा मंजिल मिनार ग्रपार्टमेंट नं० 5-9-59 बशीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टवर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एस० एफ० टि० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7899/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्दराजन (सक्षम प्राधिकारी) सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीखः: 3-3-1981

प्रारूप बाई• टी• एन• एस•-----

अध्यकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के मधीन सुचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

> > श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 477/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन,

श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अभोग तक्षन प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थागर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रुपए से श्रीक है

श्रौर जिसको सं० प्लाट नं० 607 है तथा जो छटी मंजिल दक्कन टवर्स, बगीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाखद अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप सं वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृत्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके वृत्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निखित में वास्त्रविक कम ने कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भवीन कर देने के घन्तरक क वाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए खौर/या;
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में मुबिका के लिए;

मतः, अव, उक्त धिवियम की धारा 269-व के धनुसरण में, में, उक्त धिवियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

- 1. मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स, 5 9-59 बगारबाग, हैदराबाद। बै० मो० गौसुद्दोन बाबुखान, पिता लेट ऐ० के० बाबुखान निगात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगूडा, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्रोमतो रेहना बेगम जि०पि० ये० मिटना प्रवान 17-9-157 कारूमागूडा, हैदराबाद । (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजान के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सर्नेंगे।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भौर पर्वो का, जो उनत श्रिक्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

प्लाट नं 607 छटी मंजिल मिनार ग्रपाटमेंट नं 5-9-59 बकारबाग, हैदराबाद (दक्कन दबर्स,) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एस० एफ० टि॰ जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 7900/80 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी हैदराबाद में है।

एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-3-1981

प्ररूप **आई**• टी• ए**न०** एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) धारा की 269-व (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायक्त (निरीक्षण) सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 478/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिवत बाजार मृश्य 25,000/- के सिधक है

श्रीर जिसकी सं ज्लाट नं 608 है जो छठी मंजिल दक्कन टक्सं, बशीर वाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण 1908 (1908 का 16) के श्रधान 19 जुलाई, 1980 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान श्रतिफ के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वीकन सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान श्रतिफ को प्रतिफ की प्रतिफ की स्थाप्र श्रीर श्

- (क) ग्रन्तरण मे दुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रीसिनयम के अधीन कर देने के ग्रम्तरण के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जनत प्रधिनियम की धारा 269-च की छपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :-~

- मैतर्स हैदराबाद बिल्डर्स 5-9-659, बशीरबाग, बै०सी० गौसुद्दीन, बाबुखान, पिता लेट ऐ० के० बाबु खान निशातमंजिल, 6-3-1111 सोमजिगूझा, हैदराबाद । (ग्रन्तरक)
- श्री ईकबाल शमा, 21-4-199 हुसैनो श्रासाम, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :---(क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि मा तस्सम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी म्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितश्रक्ष किसी भग्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नतिकरण: - इसमें प्रयुक्त कार्को घीर पर्को का, जो छक्त पश्चित्तियम के घड्याय 20क में परिभाषित है, वहीं घर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गगा है।

अनुसूची

ण्लाट नं० 608, छठी मंजिल मिनार श्रपार्टमेंट नं० 5-9-59 बशोरबाग, हैदराबाद (दक्कन टबर्स) जैसे कि विस्तीर्ण एस० एफ० टि० जैसे कि रिजस्ट्रोकृत विलेख नं० 7901/80 रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी हैदराबाव में है ।

> एस० गोविन्द राज्न सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-3-1981

प्रकप आईं• टी• एन• एस•----

धायकर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ब्रारा 269-म (1) के ब्राधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीकण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निवेश सं श्रार० ए० सो० नं० 479/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त भिष्टितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कपए से भिष्ठक है और जिसकी संब्ध्यान ने. है जो 7वी मंजिल दक्कन टबर्स, बिशरबाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच: में और जो पूर्ण रूप से बिणत है) रजिस्ट्रीकरण अधिकार। के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 19 जलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरधमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथावर्वोक्त सम्मत्ति का छित्र बाजार मूल्य, उसके दूरधमान प्रतिफल से, ऐसे दूरधमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित छहेश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तिबक इप से कथित नहीं किया गया है:—~

- (क) प्रस्तरण से दुई किसी ग्राय की बाबत उक्त भ्रष्टि-नियम, के अधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायिस्य मैं कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए: ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरसी द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में मुविधा के लिए;

प्रत: प्रथ, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

- मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9ब59 बशीरबाग, हैदराबाद बैं० सी० गौसुदीन, बाबूखान, पिता लेट ऐ० के० बाबूखान निणात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगुडा, हैदराबाद। (अन्तरक)
 - 2. श्रामितो वि० पदमजा रेड्डी, 4-1-211 ईंडेन बाग, किंग कोती रोड, हैंदराबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की धविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूजना के राजात्र में प्रकाश की तारीख से 45 दिन के भीतर जनन स्थातर अम्यत्ति में हितक किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त प्रक्षि-नियम के श्रष्टयाय 20 के में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ दोगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया हैं।

अनुसूची

ण्लाट नं० 7 वी मंज्ञ्लि मिनार श्रपार्टमेंट नं० 5-9-59 बगीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टवर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एस ० एफ० टिजैसे कि रिजस्ट्रोक्टत विलेख नं० 7902, /80 रिजस्ट्रोक्तति अधिकारो हैदराबाद में है ।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-3-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कामकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्णन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निवेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 480/80-81—यतः मुझे, एम० गोविन्द राजन

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1006 है, तथा जो 10वां मंजिल दक्कन टबर्स बगोरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधोन 19 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रविक है और भग्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे भ्रग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उसते बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की छपधारा (1) के अधीन निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मैसर्ज हैदराबाद, बिल्ह्स, 5-9-59 बशीरबाग, हैदराबाद बै० सी० गौसुद्दीन, बाबूखान, पिता लेट ऐ० के० बाबूखान निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगूडा, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्रो राम मोहन रेड्डी, विलेज पोस्ट, तामेनचेरफा महबूबाबाद, तालूक घटगल जिल्ला । (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्म क्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

प्लाट नं 1006, 10वां मंजिल मिनार श्रपार्टमेंट नं 5-9 5-9 क्योरवाग, हैदराबाद (दक्कन टवर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एस० एफ० टि० जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 7903/80 रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी हैदराबाद में है ।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-3-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) सहा कर श्रायुक्त रीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंबराबाद, दिनांक 3 मार्च, 1981 निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 481/80-8

निवेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 481/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1007 है, जो 10 वां मंजिल दक्कन टवर्स, बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में शौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वित संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-12—16GI/81

- गंसिसं हैदराबाद बिल्डर्स 5-9-59 बणीरबाग, हैदराबाद। बैं० सी० गौसुद्दीन बाबूखान पिता लेट ऐ० के० बाबुखान निणात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगुडा, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. कुमारी के० संदया वानी सुपुत्नी कोप्पूला नागमय्या, गोल्लाप्रोल्, ईस्ट गोदवारी, जिला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाग लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

प्लाट नं० 1007, 10 वां मंजिल मिनार भ्रपार्टमेंट नं० 5-9-59 बागीरक्षाग, हैदराबाद (दक्कन टबर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एस० एफ० टि॰ जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7904/80 रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी हैदराबाद में है ।

एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-3-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च, 1981

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 482/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ज्लाट नं है तथा जो 10 या मंजिल दक्कन टक्स बणीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19 जुलाई, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकृत से, एसे इश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत कि नम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिकित व्यक्तियाँ अर्थाकः--

- मैसर्स हैदराबाद, बिल्डर्स 5-9-59 बशीरबाग, हैदराबाद बै० सी० गौसुद्दीन बाब्खान पिता लेट ऐ० के० बाबुखान निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगूडा, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मुमताज श्रहमद, बाकस नं० 20723, श्रगेडिविया लिबिया 3-2-355 काचिग्डा, हैदराबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्तीकरणः -- इसमें प्रमुक्त सक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 10वां मंजिल मिनार श्रपार्टमेंट नं 5-9-59 बगीरबाग, हैदराबाद (क्ष्मन टबर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एस० एफ० टि० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 7905/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुख्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 3-3-1981 मोहर : प्ररूप आहूर.टी.एर.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1979

निदेश मं० श्रार० ए० सी० नं० 487/80-81—-यतः मुझे, एस. गोविन्दराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु से अधिक है

धीर जिसकी सं० प्लाट नं० 703 है जो 7वी मंजिल दक्कन टबर्स, बबीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण क्ष्म से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 जुलाई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उब्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लात् में वास्तविक स्था से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूजिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थातः--

- मैंसर्स हैदराबाद बिडर्ल्स 5-9-59, बणीरबाग, हैदराबाद बै० सी० गौसुद्दीन बाबुखान पिता ऐ० के० बाबुखान निशात मंजिल. 6-3-1111, सीमाजिगुडा, है⁷ राबाद। (अन्तरक)
- श्री हसूमल राम चन्द सनतैन
 703, भोगल श्रपार्टमेंट्स, दक्कन प्रवर्स, बशीरबाग, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्ति सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा तकींगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

प्ताट तं 703, 7 वीं मंजिल मोगल अपार्टमेंट्स नं० 5-9-59 समीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टबर्म) जैसे कि विस्तीर्ण 1340 एस० एफ०टि० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7974/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, हैदराबाद में है ।

एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-3-1981

प्ररूप आइ⁵.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च, 1981

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 484/80-81--यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1101 है जो 11 वां मंजिल, दक्कन टैवर्स बशीरवाग, हैंदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 जुलाई, 1980 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का प्रत्यु प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के वायित्व मीं कमी करने या उससे अचने मीं सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनिमय की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- मैसर्स हैवराबाद बिल्डर्स 5-9-59, बशीरबाग, हैदराबाद बैं० सी० गौसुद्दीन बाब्खान, पिता लेट ए० के० बाबुखान निशात मंजिल 6-3-1111, सोमाजिगुडा, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- श्री सैयद महमद श्रव्यास श्रौर जलिदा सुलताना,
 1101 मिनार ध्रपार्टमेंट, वदक्कन टवर्स,
 हैवराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुभाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविधित ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1101, 11 वां मंजिल मिनार भ्रपार्टमेंट नं०5-9-59 बगीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टक्सें) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एस० एफ० टि० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7907/80 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी हैदराबाद में हैं ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहाय क ध्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-3-1981

प्रकृष भाई• टी० एन• एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के पधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैइराबाद, दिनांक 3 मार्च, 1981

निदेश मं० म्रार० ए० मी० नं० 485/80-81—यतः मुझे, एस० गोदिन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गा है, की घारा 269-ख के बदोन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर न्यस्ति जिमका छिचत बाजार मूख्य 25,000/-रू० से अधिक है

ग्नीर जिसकी मं० प्लाट नं० 502 हैं, जो 5वीं मंजिल दक्कन टबर्स बशीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जी पूर्ग का मे विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 19 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य में कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रनारित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिसस बाजार मूक्य छसके बृश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रविक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निखित में बास्तिक कप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई कियो प्राय की वावत खबत अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के घण्तरक के दायिश्व में कमी करने या उपसे दवने में स्विधा के सिए। घौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर धिष्ठानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना माहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उ*त अधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उस्त अधिनियम की भारा 269-वृकी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् ा—

- 1. मैंसर्स हैदराबाद, बिल्डर्स, 5-9-59 बसीरबाग, हैदराबाद बै॰ सी॰ गीसुद्दीन बाबुखान, पिता लेट ऐ॰के॰ बाबुखान, निमात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजियूडा, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- पि० बै० सरमा एण्ड श्रदर्स,
 प्लाट नं० 502, मिनार श्रपार्टमेंट दक्कन टबर्स,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचन। के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील में 30 दिन की प्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होंसो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सहेंगे।

स्यव्हीकरण।—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त अधिनियम के धाव्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 502, 5वीं मंजिल मोगल अपार्टमेंट नं० 5-9-59 बशीरबाग, हैदराबाद (दनकन टवर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1980 एस० एफ० टि० जैसे कि रिजस्ट्रीम्नल विलेख नं० 7972/80 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख** 3-3-1981 मोहर: प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 486/80-81---यतः मुझे, एस० गोविन्दराजन, रे

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य' 25,000/~ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 304 है, जो उसरी, मंजिल दक्कन टबर्स, बशीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससं उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19 जुलाई, 1980

कां पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वां कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिक्षित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियं का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्ठिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, मूर्शन्ध--

- में सर्स हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-59 बशीरवाग, हैदराबाद वै० सी० गौसुद्दीन बाबुखान पिता लेट ऐ०के० बाबुखान निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगुडा, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- श्री मनगल सिंह सरमा
 304, मोगल श्रपार्टमेंट्स दक्कन टवर्स, हैदराबाद ।
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इता;
- (स) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के गस निस्ति में किए गर सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन सची

प्लाट नं० 304, 3सरी मंजिल, मोगल श्रपार्टमेंट्स नं० 5-9-59 बगीरबाग, हैदराबाद (दक्तन टबर्म) जैसे कि विस्तीर्ण 1410 एस० पफ० टि० जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7973 /80 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, हैदराबाद

तारीख: 3-3-81

प्रस्प पर्िटी॰ एउ० एस०──

आयकर गणितियम, 1)6। (1961 का 43) की बारा 269 घ(1) के भटीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर <mark>धायुक्त (निरोक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक, 3 मार्च, 1981

निदेश सं० भ्रार० ए० सी॰ नं० 483/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1104 है तथा जो 11 वां मंजिल, दक्कन टवसं बिशीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 19 जुलाई, 1980 को

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उका प्रनारण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत खकत अग्निनयम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी आप या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अशीन, निम्नितिका व्यक्तियों श्रथीत :---

- 1. मैंसर्स हैदराबाद बिल्डर्स 5-9-59, बशीरवाग, हैदराबाद बै॰ सी॰ गौसुद्दीन, बाबूखान पिता लेट ए॰ के॰ बाबूखान निशात मंजिल, 6-3-111, सोमाजिगूडा, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मिटजा श्रनवर बेग 16-7-424, श्रामापूरा, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर हे पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकागन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में मवाप्त होती हो, के भीतर प्रवक्त जंबनणें में से किसी स्थक्ति स्थक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इमर्ने प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1104, 11 वां मंजिल, मिनार श्रपार्टमेंट नं० 5-9-59 बशीरबाग, हैदराबाद में (दक्कन टवर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एस० एफ० टि० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7906 /80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है ।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायटर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ज**: 3-3-1981

प्ररूप आह्र .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 488/80-81—यत: मुझे एस० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थादर सम्पित, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी संव प्लाट नंव 403 है, जो 4थी मंजिल दक्कन टबर्स बशीरबाग, हैदराबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रृतुस्ची में श्रीर पूर्ण प्य मे विश्वत हैं) राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिना । 19 जुलाई, 1980 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे वह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरिती

(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेय से उक्त अन्तरण लिखित मे

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-59, बशीरबाग, हैदराबाद बै० सी० गौसुद्दीन बाबुखान पिता लेट ऐ० के० बाबुखान निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगुडा, हैदराबाद। (अन्तरक)
- श्री के० जान चेट्टीयन,
 पो०बाक्स नं० 24354 सफात कुवैत श्रटेबिया।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनु**सूची**

ण्लाट नं० 403, 4थी मंजिल मोगल श्रपार्टमेंट्स नं० 5-9-59 वगीरवाग, हैदराबाद (दक्तन टवर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1340 ए.स० एक० टि० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7975/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीखा: 3-3-1981

मोहरः

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) म्पर्जन रेंज हैदराबाद

हैवराबाद दिनांक 3 मार्च 1981

निर्देश सं० धार० ये० सी० नं० 489/80-81--यतः मुझे एस० गोविन्दराजन

*बायकर अ*धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इ**समें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ब के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण **है** कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/~ रु. से अधिक हैं

और जिसका नं० 404 है, जो 4वीं मंजिल दक्कन टावर्स, बशीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 19 जुलाई, 1980

क्ये पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पति का उचित क्षाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से एेसे इदयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--13-16GI/81

- (1) मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-69, बशीरबाग, हैदराबाद, बै० श्री गौसुद्दीन बाबुखान, पिता: लेट ए० के० नियात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगुष्टा, हैदराबाद (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती इन्दिरा जे० कृपलानी प्लाट नं० 404 मोगल ग्रपार्टमेटस, दक्कन टावर्स, हैयराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त अ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक गे।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भग्स्ची

प्लाट न० 404 4वीं मिजल मोगल ग्रपार्टमेटस नं० 5-9-59 बशीरबाग हैदराबाद (दक्कन टवर्स) विस्तीर्ण 1410 एस० एफ० टी० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7976/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

मोहर:

तारीख: 3-3-1981

प्ररूप आइ. टी. एन्., एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैयराबाद दिनांक 3 मार्च 1981

निर्देश सं० प्रार० ये० सी० न० 490/80-81--यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी

स० व्लाट न० 804 है जो मिजल 8 दक्कन टवर्स बग्नीरबाग हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण-रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्याक्षय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 19 जुलाई 1980

को पूर्वोकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अम का अन्य अवस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्त्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:--

(1) मैसर्स हैवराबाद बिल्डर्स है 5-9-59 बक्तीरबाग हैदराबाद बै० श्री गौसुद्दीन बाबुखान पिताः लेट ऐ० के० बाबुखान निशात मजिल 6-3-1111 सोमाजिगूडा हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री फरीक सैंफावकीन 20-4-559 हिलाल मंजिल मिलवाल हैदराबाद।

(क्शन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उपस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्लाट नं० 804 8वीं मंजिल मोगल प्रपार्टमेंटस नं० 5-9-69 बशीरबाग हैदराबाद (दक्कन टबर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1410 एस० एफ० टी० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7977 /80 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम स्रिधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 3-3-1981

प्ररूप आर्षे.टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीम स्वमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जम रेंज हैंचराबाद

हैदराबाघ दिनांक 3 मार्च 1981

निर्वेश सं० नं० 491/80-81—म्यतः मुझे एस० गोविस्द-राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

प्लाट नं० 803 है जो 4वीं मंजिल दक्कन टबर्स बशीरबाग हैदराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबस अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19 जुलाई 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/था
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति द्वारा प्रकार पहीं विकास गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः --

(1) मं सर्स हैदराबाद बिल्डर्स 5-9-59 बगीरबाग, हैदराबाद बै० श्री गौसुद्दीन बाबुखान पिताः लेट ए० के० बाबुखान निगात मंजिल 6-3-1111 सोमाजियूडा हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री फरीक सैफूद्दीन 20-4-55 हिलिल मंजिल किलबात हैंदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराह
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिहित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 803 8वीं मंजिल मोगल ग्रपार्टमेंटस नं० 5-9-59 बशीरबाग हैदराबाद (वक्कन टबर्स) जैसे कि विस्तीण 1340 एस० एफ० टी० जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7978 /80 रिजस्ट्रीकृती ग्रिविकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 3-3-1981

मोहरः

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृ**ष**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 3 मार्च 1981

निर्देश सं० भ्रार० ये० सी० नं० 492/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 908 है जो 9वीं मंजिल दक्कन टवर्स बगीरबाग हैदराबाद में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्णरूप से वींणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 19 जुलाई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स 5-9-80 बशीरबाग हैदराबाद बै०श्री गौसुद्दीन बाबुखान पिता : लेट ऐ० के० बाबुखान निशात मंजिल 6-3-1111 सोमाजिगूडा हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रफसर रजवी प्लाट नं० 908 मिनार श्रपारटमेंटस दक्कन टवरस हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 908 9थी मंजिल मिनार श्रपार्टमेंटस नं० 5-9-59 बगीरबाग हैदराबाद (धक्कन टवर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एस० एफ०टी० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7979 /80 रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविज्दराजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज हैदराबाद

सारीख: 3-3-1981

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13फरवरी, 1981

निर्देश सं० नं० 426/80-81---यतः मुझे एस० गोविन्द-राजन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रापये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 25/179 है, जो संजीवननगर कालोनी नंदयाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नदयाल में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1980

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में जास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के किए; औदर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

कृतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नृलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—-

(1) श्री गोपाल्ला पेड्डा रेड्डी पिता के० नागीरेड्डी 69, मछलीपटनम, हैवराबाद जि०पि० ये० के सत्यावती रेड्डी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती नस्यम महबूब चन्द बेगम पति नस्यम महमद फरूक साहेब, नन्दयाल गांव, नन्दयाल तालुक, करनूल जिला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीक^रणः – इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

घर नं० 25/179 संजीवनगर कलोनी, नंदयाल, करनूल जिला विस्तीर्ण 1240 चतुर गज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2903/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी नंदयाल में है ।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाव

तारीख: 13-2-1981

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एनं.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रार्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 23 फरवरी 1981

निर्देश स० ये० सी० न० 427/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 21-1-1130 है, जो पत्तरगट्टी, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कूदबौली, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के परमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पर्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्ता रितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आर्रि/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री ध्ररजनलाल पिता तोलाराम न० 21-1-824 रिकाबगंज हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

- (2) (1) प्रताप लाल पिता तोलाराम
 - (2) हरेशकुमार पिता तोलाराम
 - (3) मालाती देवी पति श्रमरलाल 21-1-824 रिकाबगज हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मण्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 -क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुक्ता हैं।

अन्स्ची

दो मंजिल भवन शाप न० 21-1-1130 पत्तरगट्ठी, हैद-राजाप में जैसे कि विस्तीर्न 61.33 चतुर गज जैसे कि रजिस्ट्री-कृत विलेख न० 757/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कूदबौली हैदराजाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 23-2-1981

प्रकल काहरं.टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आग्रकर आग्रकत (नित्रीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 फरवरी 1981

निर्देश सं० म्नार० ये० सी० नं० 428/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्दराजन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचाद 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० वार्ड न० 22-3 है, जो पुराना हवेली हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबश्च श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्याक्षय श्रजानपूरा, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई, 1980

को पुर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रसि-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः --

(1) श्रीती वटिदूश्लीसा बेगम पिता सयद शाह डयासिन शुत्तारी 17-6-424 दिबरपुरा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महमव लायक ग्रली पिता महमद बनके ग्रली 17-4-619 याकतपुरा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्तित सम्मिति के वर्जन के लिए कार्यचाहियां करता हूं।

उक्त सम्प्रित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी स्थानितयों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्त्रव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाटन० 22-3 पुराना हवेली करना साद बनी हैदराबाद विस्तीर्न 400 चतुर गज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1758/80 रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी श्रजाम पुरा हैदराबाद में है।

एस० गोविन्दराजन सक्षम श्रधिकारी सहायक ध्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीचाः 27-2-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि स्रीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 फरवरी 1981

निर्वेश सं० ध्रार० ये० सी० नं० 429/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरुवास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 406 है, जो गाजहना ग्रपार्टमेंटस कैरताबाद, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- (1) मैसर्स भाजहान भ्रपारटमेंटस रजिस्टर्ड भ्राफिस 6-2-974 कैरताबाद हैक्राबाद एडमिनिस्ट्रेटिय भ्राफिस 5-9-60 बग्गीरबाग-हैक्साबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती फरहाना खान परनी मीर मुस्तफा ग्रली खान 5-10-188/4 कोहसार नैबत पहाड़ हैवराबाद।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ ह्मेगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगुसूची

प्लाट नं० 406 4थी मंजिल शाजहान ध्रपार्टमेंटस 6-2-974 कैरलाबाद, हैवराबाद जैसे कि विस्तीन 1057 चतुर पिट जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7709/80 रजिस्ट्री-कर्ता ध्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज हैदराबाद ।

तारीख: 27:2-81

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

मायकर मधिनियम, 1561 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 फरवरी, 1981

निर्देश सं० भार० ये० सी० नं० 430/80-81—यतः मझे एस० गोविन्द राजन

धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 505 है, जो शाजहान ग्रपार्ट मेंटस कैरताबाद स्थित है (ग्रीर इससे उपावस ग्रमुस्पी में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकाी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई 1980

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी भ्राय या किसी भ्रन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर प्रिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में मुविधा के लिए।

म्रतः अम्, उक्त मिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत:—— 14—16GI/81 (1) मैसर्स भाजहान मापट मेंटस रिजस्ट्री माफिस 6-2-974 फैरताबाद, हैदराबाद एडमिनिस्ट्रेटिथ भ्राफिस 5-9-70 बशीरबाग, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री फहिम सिद्दीकी पिता एम० ए० करीम सिद्दीकी 16-9-406/4 मूसा मंजिल ग्र**रूड**मस्कपेट, हैदराबाद।

(ध्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्रत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दी हरग:--इतनें त्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, बही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

यनुसूची

प्लाट नं० 505 5वीं मंजिल शाजहान ग्रपार्टमेंटस 6-2-974 कैरताबाद, हैदराबाद विस्तीने 976 चतुर फिट जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7710/80 रजिस्ट्रीकृत ग्रधिकारी हैदराबाद में हैं।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 27-2-1981

प्ररूप प्राई० टी॰ एनं० एस० -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराक्षाद

हैदराबाद, दिनांक 27 फरवरी 1981

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 431/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 107 है, जो शाजहान श्रपार्टमेंट्स कैरताबाद हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1980

को पूर्वेक्त संपर्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवांक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण मों, मां, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थोत्:⊸ (1) मैसर्स भाजहान भ्रपार्टमेंट्स 6-2-974 कैरताबाद हैदराबाद श्राफिस 5-9-60 बशीरवाग, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री अहमद मोहियूद्दीन श्रारिफ मुपुत्र गुलाम दस्तागिर 848 बी० मल्लेपल्ली हैदराबाद 500001

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिस्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सरसंची

प्लाट नं० 107 1ली मंजिल शाजहान श्रपार्टमेंट्स 6-2-974 कैरताबाद हैदराबाद विस्तीर्ण 1106 चतुरिफट जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7711/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 27-2-1981

मोहरः

प्ररूप भाइ . टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैक्साबाद, दिनांक 28 फरवरी 1981

निर्देश सं० श्रार० ये० सी० नं० 432/80-81---यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 106 है, जो शाजहान भ्रपारटमेंटस कैरताबाद, हैदराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथ्त नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के बुधीन निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, बुधीन्:— (1) मैसर्स भाजहान भ्रपारटमेंटस 6-2-974 करैरताबाद, हैदराबाद ग्राफिस 5-9-60 बशीरवाग हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मेहर ग्रनजूम पति ग्रहमद मोहियुद्दीन ग्ररिफ 848बी, मल्लेपल्ली, हैदराबाद

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मित्त के अर्जन् के लिए कार्यवाहिया क्रता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सपस्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

मनुसूची

प्लाट नं० 106 पहली मंभिल शाजहान भ्रापरटमेंटस 6-2-974 कैरताबाव, हैदराबाद जैसे कि विस्तीन 1057 चतुर फिट जैसे कि रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 7712/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 28-2-1981

प्रकृष वादः दी. पुन्, पुन्.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 फुरवरी, 1981

निर्देश सं० म्रार० ये० सी० नं० 433/80-81-यत मुझे एस० गोविन्य राजन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 203 है, जो शाजहान श्रपारटमेंटस करताबाव, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1098 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1980

को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तकरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् !!——

- (1) मसर्स गाजहान भ्रेपारटमेंटस 6-2-974 कैरताबाद, हैदराबाद ग्राफिस 5-9-60 बशीरवाग, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री महमद प्रम्डुल खालिक मार्फत रशिक 5-6-507 दरगा शाल खामुरा नामपरुली, हैदराबाद।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अन्य क्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक एण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 203 2री मंजिल शाजहान श्रपारटमेंटस 6-2-974 कैरताबाद, हैदराबाद जैसे कि विस्तीने 1057 चतुर फिट जैसे कि रजिस्द्वीकृत विलेख नं० 7713/80्रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्य राजन सक्षम श्रिष्टिकारी सहायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाव

तारीख: 27-2-1981

प्रकृप आई०टी०एन०एस०---

भागुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 फरवरी 1981

निदेश सं० म्नार० ए० सी० नं० 434/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 307 है, जो माहजहां श्रपार्टमेंट्स हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित को गृह हैं और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रष्ट प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्युने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हुं भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निचित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) मैसर्स शाहजहां श्रपार्टमेंट्स 6-2-974 कैरताबाद हैदराबाद श्राफिस 5-9-60 बशीरबाग हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

- (2) (1) बी० टी० रघुराम रेड्डी
 - (2) सूहासिनी रघुराम रेड्डी 7-1-28/2 ग्रमीरपेट हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खरे 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतूर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त काब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लाट नं० 307 3री मंजिल शाजहान श्रापर्टमेंट्स 6-2-974 करताबाद हैदराबाघ जैसे कि विस्तीर्ण नं० 1106 चतुर फिट जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7714/80 रजिस्ट्री-कर्ता श्रिष्ठकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 27-2-1981

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, हैवराबाध

हैदराबाद, दिनांक 27 फरवरी 1981

निर्वेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 435/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 301 है, जो शाहजहां श्रपारटमेंटस खेरताबाद, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1980

को पूर्वों कत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का प्रकृ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिबक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा का ज़िए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैसर्स भाक्षणहां भ्रयारटमेंटस
6-2-974 खैरताबाव हैदराबाद
श्राफिस: 5-9-60 बशीरबाग
हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती खुर्शीव माजिद परनी एम० ए० माजिद 16-9-406/4 मूसा मनजार पूराना मलकपेट हैदराबाद-500036

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० 301 3री मंजिल शाहजहां ग्रपारटमेंटस 6-2-974 खैरताबाद हैदराबाद जैसे कि विस्तीने 1022 स्कवेयर फिट जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7715/80 रजिस्ट्रीकृत ग्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रिघिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद ।

तारीख: 27-2-1981

प्रकप आह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 फरवरी 1981

निर्देश सं० श्रार० ये० सी० नं० 436/80-81—यत: मुझे एस० गोविन्व राजम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 303 है, जो शाहजहां भ्रपारटमेंटस हैसराबाद में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जुलाई 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी क्षाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स गाहजहां भ्रपारटमेंटस
6-2-974 कैरताबाद हैवराबाद
श्राफिस 5-9-60 बशीरबाग
हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी सिबहा डाटर ग्राफ मीर महमद इफतकासुद्दीन ग्रहमद 445 स्पेशल 'ए' क्लास श्रगापुरा हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 303 3री मंजिल शाह्जहां भ्रपारटमेंटम 6-2-974 कैरताबाद हैदराबाद जैसे कि विस्तीनं 1057 कियेयर फिट जैसे कि र्जिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7716/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 27-2-1981

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 फरवरी 1981

निर्देश सं० आर० ये० सी० नं० 437/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 306 है, जो शाहजहां श्रपारटमेंटस हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णेरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जलाई 1980

को पृथों कत संपत्ति को उचित बाजार मृल्य से कस के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निर्ण तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्विषय से उसत अन्तरण निखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त काँध-नियम को अधीन कर बेने को अन्तरक के दायित्व में अभी करने था उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृजारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

कृत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अगुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

(1) मैसर्स शाहजहां भ्रपारटमेंटस
6-2-974 कैरताबाद हैदराबाद
श्राफिस 5-9-60 बशीरबाग,
हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मीरजा फिरासत बेग सुपुद्र मिरजा राफत बेग 6-3-865/ए, बेगमपेट हैदराबाद

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बधी किंगिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में विया सवा है।

प्रमुस्पी

प्लाट नं० 306 3री मंजिल शाहजहां प्रपारटमेंटस 6-2-974 कैरताबाद हैदराबाद में जैसे कि विस्तीने 1057 स्कवेयर फिट जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8236/80 रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधि-कारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रविकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज, हैदराबाइ

तारीख: 27-2-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 27 फरवरी 1981

निर्देश सं० आर०ये०सी० नं० 438/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, विसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 108 है, जो शाहजहाँ अपारटमेंटस हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में भौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ज्लाई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थातः --

15-16GI/81

(1) मैसर्स शाहुजहाँ श्रपारटमेंटस 6-2-974 कैरताबाद हैवराबाद ग्राफिस 5-9-60 बगीरवाग हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) सैयद हमीद माबू तालिब भीर डा० श्रीमती प्रकसारी विगम मचान नं० 49 बी' टाईप 4 बी० एच० ई० एल० टाउनशिप रामचन्द्रापुरम हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिसणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 108 1ली मंजिल शाहजहां स्रापरटमेंटस 6-2-974 कैरताबाद हैदराबाद जैसे कि थिस्तीने 1022 स्कवेयर फिट जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7132/80 रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रविकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 27-2-1981

प्रकृषः आहें . दी . एन . एस . ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण) प्रजीन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 मार्च 1981

स्० म्रार० ये० सी० नं० 439/80-81—स्तः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सक्षेतं० 110 है, जो नारायन गूडा हैदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत् श्रुधिकृति के कार्यालय हैदराबाद में जिस्ट्रकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रितिष्क्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास कर्ति का कारण है कि यथाप्यों क्त संप्रीति का उचित बाजार मूल्य, उसके दह्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से बास्त्रिक का का कि लिए तम पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से का कि ता नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या.
- (का) एँसी किसी आस या किसी धम या अन्य आस्तियों का जिन्ही भारतीय आयं-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उनक अधिनियस, गाउट, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की किए;

गतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मन, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की, उपधारा, (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) (1) श्रीमती नागवरम देवकी देवी पति नागवरम धरमा राव
 - (2) श्रीमती मूनगाला मालाती पति मूनागला वेंकेट राव 3-4-695 नारायनगूडा हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जागरती प्रकाशम ट्रस्ट 3-4-705/4 नारायनगृष्टा हैदराबाद-500029

(भ्रन्तरिती)

क्री यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्म:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की व्यक्ति यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत प्रविद्या में से किसी क्ष्मित द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजमत्र में प्रकाशत की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास-जिल्लित में किए या सकेंगे।

स्पष्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

खुनी जमीन सर्वे नं० 110 प्लाट नं० 10 पारट प्राफ 3-4-695 नारायनगुडा हैदराबाद जैसे कि विस्तीने 404 चतुर गज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7971/80 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैकराबाद में है-।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 2-3-1981

प्ररूप आहे. टी. एन. एसं. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयंकर बीयुर्वत (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 मार्च 1981

निवर्ग मं० ग्रार० ये० सी० नं० 440/80-81---यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसको उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

भीर जिसकी सर्वे नं० 38 है, जो मनसूरीबाद गांव धार० धार०

में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई 1980

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कि संवैत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके इच्यमान प्रतिकास से, ऐसे इच्यमान प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिशित उद्वेदिय से उचेत अन्तरिण लिशित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) यो उच्के अधिनियम, या धनेकर अधिनियम, या धनेकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुस्तिण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत:—

- (1) (1) एम० बी०० एस चौंदरी
 - (2) एम० सीतारामय्या
 - (3) एमें रीधा हुप्त मूर्ती
 - (4) एम० सुरेश

सब का पिता एम० वेंकटेस्वर राव

10-3-7 ईस्ट मारेडनल्ली सिकन्दराबाद

(5) सूरें बुडी सूर्यमोहन मोरिसपेट तेनाली

(6) सूरेज्डी वेंकटरतनम,

पति सितारामय्या सोबनापाटम विलेख

नूजवीड तालुक कृष्णा जिला

- (7) वेजन नैगियवर राव पुत्र संबंधेया
- (8) वेश्रम शयानल राव पेट्टागह्यीलावारू होनाली तालुक

(भन्तरकः)

(2) मैसर्स विजया श्री कोग्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी

मनसूराबाद टी बी० 206 तारीख 24-3-80 ह्यतनगर तालुक भार० भार० जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करिक पूर्विक्त सैंपेर्सि के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं ।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई काक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनों की तामिल से 30 दिन की अवधि, भी भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजी के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की द्वारी है से 45 दिन के भीतर उन्देत स्थानर सम्पत्ति में हिंत के परि किसी नन्य व्यक्ति द्वारा निभाई स्ताकरी के परि लिखत में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसुची

खुली जमीन 1 एकर 65 सेंट्स सर्वे नं० 38/प्रौर 40 मनसूराबाद गांव हयतनगर तालुक प्रार० प्रार० जिला जैसे कि रिजल्ड्री इत विलेख नं० 7490/80 रिजल्ड्रीकर्ता प्रधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 2-3-81

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन०एस०----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सृथना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 2 मार्च 1981

निवेश सं० म्रार० ये० सी० नं० 441/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्व राजन

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं पूकी जमीन है, जो हयतनगर तालुक श्रारं श्रीर जिला स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण- रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन जुलाई 1980

को पूर्वा क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि युथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निक्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तृविक रूप से कृषित नहीं किया ग्या है:—

- (क्क) अन्तरण से हुक्ष किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के काशित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में म⁴, अक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) (1) श्री एम० बी० एस० चौधरी
 - (2) एम० सितारामय्या
 - (3) एम० राधाकृष्ना मुर्ती
 - (4) एम० सुरेश

पिता एम० वेंकटस्वराराव 10-3-7 ईस्ट मारेडपल्ली सिकन्दराबाद

- (5) सूरेड्डी सूर्य मोहन पिता लेट चिन्ना अनजय्या मोरिस पेट तेनाली
- (6) सूरेड्डी वेंकटरतनम्मा पित लेट सितारामय्या सोमनापुरम गांव नूजरीड तालुक कृष्ना जिला।
- (7) वैन्नम नागेस्वरराव पिता रामवय्या
- (8) बेन्नम डायामलराव पेड्डागाडेलवारू तेनाली तालुक

(ग्रन्सरक)

(2) मैसर्स विजया श्री को॰ श्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी

मनसूराबाद टि० बी० 206 दिनांक 24-3-80 हयतनगर तालुक भार० घार० जिला

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भूजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोद्य से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्पी

सूकी जमीन 1 याकर 67 सेंट्स सर्वे नं० 38 श्रीर 40 मनसूराबाद गांव ह्यतनगर तालुक श्रार० श्रार० जिला जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7531/80 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैवराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 2-3-1981

मोहर 🚶

प्ररूप आर्इ.टो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 2 मार्च 1981

निर्देश सं० ये० सी० नं० 442/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सूकी जमीन है, जो मनसूराबाद हयतनगर जिला में स्थित है (भौर इस से उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्र-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्था अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्निसिखत व्यक्तियों अर्थातः--

- (1) (1) श्री एम० वी० एस० चौदरी
 - (2) एम सितारामय्या
 - (3) एम० राधा कृष्नाभृतीं
 - (4) एम० सुरेश 10-3-7 ईस्ट मारेडपल्ली सिकन्दराबाद
 - (5) सुरेन्द्र सूर्यभोहन पिता लेट चिन्ना श्रनसय्या मोरीसपेट तेनाली (6) सुरेड्डी वेंकटारतनमा पत्नी लेट सितारामय्या सोभनापूरम गांव नूजवीजू तालुक कृष्ना जिला (7) बेगम नागस्वर राव पिता राघवय्या (8) बेगम भयामलाराव पेड्डा मादेलबाद तेनाली तालुक

(भ्रन्तरिती)

(2) मैसर्स विजया श्री कोग्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी मनसूराबाद टि०बी० नं० 206 दिनांक 24-3-80 हयतनगर तालुक श्रार ०श्रार० जिला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धाः
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्यक्रिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20 क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

सूकी जमीन 1 एकंड 60 सेंट्स सर्वे नं० 38 मनसूराबाद गांव हयतनगर तालुक ग्रार० ग्रार० जिला जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7564/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्रधिकारी सहायक धायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 2-3-81

प्रस्थ आ**र्ड०** टी**० एल**० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 मार्च 1981

निर्देश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 443/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसंकी सं० सूंकी जमीन हैं, जो मनसूराबाद हयतनगर स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्णं रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय हैवराबाद में भारतीय रजिस्ट्र-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई 1980

को पूर्विस संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का आरण है कि गथाम्बेक्त मपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके क्याजान प्रतिफल से, ऐसे हर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गंवा प्रति-फल जिन्निकित कह्वेक्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिवक हम्म से कि बिस्त से बास्तिवक हम्म से कि बिस्त से बास्तिवक

- (क्क) अन्तरण से हुंकों किसी अध्य की बाबत उबत अधि-निम्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/ण
- (सं) एसी किसी आयं या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय वायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मंके, अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन निम्निचिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) (1) श्री एम० वी० एस० चौदरी
 - (2) एन० सीतारामय्या
 - (3) एम० राधाकृष्ण मूर्ती
 - (4) एम० सुदेश पिता एम० कोटेस्वराराव 10-3-7 ईस्तमाटेडपलि सिङ्ग्वराबाद
 - (5) सारेड्डी सूर्यमोहन मार्फ सुपुत्र लेट चिना श्रनजय्या मोरीस पेट तेनाली
 - (6) सूर्यरेड्डी वेंकटारतनम्मा पिता लेट सितारामय्या सेमंनायूम गाँव गजवींशं तालुक
 - (7) वेनम नागेस्वर राव पिता राधवया
 - (8) वेन्नम क्यामलराव रेड्डी गार्डकावासू तेनाली तालुक (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स विजया श्री कीश्रापरेंटिव हार्फ्ससग सोसाईटी मनसूराबाद टी० बी० नं० 206 दिनांक 24-3-80 ध्यतनगर तालुह श्रीर० श्रार० जिल्ला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी बेर्सिक प्वांक्त सम्पस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

प्रनुसूधी

सुकी जमीन 1 बाकर 62 सेंटस सर्वे नं० 40 मनसूराबाद गांव हयतनगर तालुह ग्रार० श्रार० जिला जैसे कि रजिस्ट्रीइत विलेख नं० 7566/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम प्रधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख: 2-3-81**

प्ररूप नाइ ं. टी. एम. एस. ------

अन्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनां 5 2 मार्च 1981

निर्देश सं० 444/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मूकी जमीन है, जो मलकानगीरी सिकन्द-राबाद में स्थित है (श्रीर इससे उमाबद्ध अनुभूची में ग्रीर पूर्णक्ष्प से वर्षित हैं), रजिस्ट्रीकर्का ग्रीधकारी के कार्यालय उप्पाल में भारतीय रजिस्ट्रकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन जुलाई 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफलः से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उग्रसे कुचने में सृविधा के लिये; और/या
- (च) एति किसी आयः या किसी धन या अन्य अहित्याँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धाः या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (क): के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) (1) पी० वी० ए० तिम्माराज् सेलक भीर जी० पी० ए० यनरामंडिगांव मीमवरम वेस्ट गोदावरी जिला

(ग्रन्तरक)

(2) मैर्स दि मोडरन को-श्रापरेटिव हार्क्समा बिल्ङिंग सोसाईटी, 4-1-624 टपबनार हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 विनः ना अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पृक्षेत्र व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकरो।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

सूकी जमीन सर्वे नं० 303/1 विस्तीर्वे 1 याकर 22 गंटास महानगिरी सिकन्दराबाद में जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 340/80 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी ऊष्पाल में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 2-3-81

प्ररूप आईं • टी० एन • एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 मार्च 1981

निर्देश सं० म्रार० ये० सी० नं० 445/80-81---यतः म्भे, एस. गोविन्द राजन,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षत्र पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ए॰ से प्रधिक है

शौर जिसकी सं० कृषि जमीन है। जो मलकाजिंगरी सिकन्दराबाद में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में शौर पूर्ण रूप से
बिजत है), रिजस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उप्पल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
अतिफन के लिए अन्तरित की गई है शौर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन्न से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह
प्रतिगत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) शौर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफन निमानिकात उद्देश्य ने उका अन्तरण निधित में वास्तिक क्ष्म से कियत नहीं किया गया है:—-

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनने बनने में मुनिधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त ग्रिधिनियम, को श्वारा 269-ग के प्रनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपग्रारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) श्री (1) पि. वि. एेल तिम्माराज् (2) सूब्बाराज् (2) रामकृष्णाराज् (4) रामचन्द्राराज् (5)जयकुमार 1/191 किंगोजीगुडा सिकन्दराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स दि मोडरन कोआपरोटिय हाउन्स बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड 4-1-624 ट्राप-बाजार होदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इप मूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी अपिकतयों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बार्द में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी अपित द्वारा;
- (ख) इ.स. स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों गीर पदों का, जो उक्त ग्रिश्रनियम, के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि जमीन सर्वे नं. 303/1 विस्तीर्ण 1 याकर 10 गृदास मलकाणिगरी सिकन्दराबाद औसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 154/80 रिजस्ट्रीकृत अधिकारी हैदराबाद में हैं।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 2-3-1981

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निर्देश सं० श्रार० ये० सी० नं० 446/80-81---यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 15-1-503/बी/14 भौर 15 है, जो सिकन्दरा-बाद बाजार हैदराबाद स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बरूवबौली में भारतीय रजिस्ट्रकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवोंक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--16—16GI/81

- (1) मैसर्स भारत कन्स्ट्रक्शन कम्पनी
 15-1-503 सिद्दीयमबर बाजार
 हैदराबाद।
 मैनेजिंग पार्टेनर
 श्री बाबूलाल जैन (श्रन्तरक)
- (2) श्री एम० डी० केडिया चारितिस म्कितियार गंज हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसुची

शाप नं० 15-1-503/बी/14 श्रीर 15 किलखाना सिव्दीयंबर बाजार हैवराबाद जैसे कि विस्तीनं 39686 चनुर गज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 780/80 रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी दुवावैली हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रघिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, हैक्पराबाद ।

तारीख: 3-3-1981

प्रारूप आहें. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैपराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निर्देश सं० 447/80-81—यत: मुझे, एस० गोविन्द राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रापए से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 1 से 115 है, जो नागाराम गांव श्रार० श्रार० जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नल प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिथितियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के विथित्य में कभी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्रीमती (1) ग्रासीली बालम्मा पत्नी लेट बालय्या
 - (2) ग्रसीकी पेटय्या (3) ग्रसीली जानेस्वर
 - (4) श्रत्तीली शाकन्तला 4-2-80 ओलड भाईमगूडा सिकन्दराबाद

(भन्तरक)

- (2) (1) श्री एमम कमाल पत्नी राममोहना राव 2-2-647/185 सेंद्रल एक्साईज कालोनी हैदराबाद
 - (2) वी पट्टामीरावम्मा पत्नी श्रनजनेयालू वराहपटनम पी भो केंकलूर तालुक कृष्ना जिला
 - (3) बालूसू भारती पत्नी नागेस्वर राव तिरवूर कृष्ना जिला
 - (4) बी० सीतामहालक्ष्मी पत्नी विस्वेस्वर राव वल्लाक्टा हैदराबाद
 - (5) काजा सरस्वतम्मा पत्नी वेंकटा रतनम सीतानपल्लि कैकालूर
 - (6) बेजेलला प्रसाद रामबापेट सम्मम जिला
 - (7) सैमागयम भद्राला
 - (8) भ्रमेरस्वरराव

(प्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन न० 1 से 115 सर्वे नं० 575, 576, 578, 579 और 582 नगरम गांव मेडचल तालुक म्रार० म्रार० जिला जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 7504/80 रजिस्ट्रीकृत म्रिधकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम मधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 3-**3-**1981

प्ररूप भाई० टी० एन०एस०--

ग्रायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निर्देश सं० भ्रार० ये० सी० न० 448/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिलका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी स० 333/एल०आई/2 आर० टी० है, जो संजीय रेड्डी नगर कोलनी में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिश्व है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक स्था से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रधीन कर देते के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रविनियम, की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, में, उक्त श्रविनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन्, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थास् १(1) श्री जी० नारासिहा राव 250/3 भारटी संजीवा रेड्डी पगर हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बी० लकशमी जयाप्रादा रेडी 5-9-110 पब्लिक गारडेन रोड नामपल्ली हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना,की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्तक्दीकरण: - इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, जो उक्त स्रधि-नियम, के सञ्याय 20क में परिभाषित है, वही सर्थ होगा जो उस स्रुगाय में विया गया है।

प्रनुसूची

घर न० 333/4/2 श्रार०टी० संजीव रेडडी नगर कोलनी हैदराबाद विस्तीर्न 26721 चतुर गण जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 7975/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 3-3-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निर्वेश सं० भ्रार० ये० सी० नं० 449/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० प्लाट नं० 302 है, जो 1-1-58/1, एस० की० रोड सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; अपुर/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) मैसर्स श्री नाघ कंस्ट्रक्शन कम्पनी 5-8-612 ग्रबिद रोड हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सैयद कृत्ब्द्तिन 16-4-512 यंचलगूंडा हैदराबाद

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों करा सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्या हैं।

अन सची

प्लाट नं० 302 3री मंजिल 1-1-58/1 से 58/11 एस० डी० रोड सिकन्दराबाव विस्तीन 1000 चतुर फिट जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1854/80 रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी सिकन्दराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 3-3-81

प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च, 1981

निर्देश सं० भार० ये० सी० नं० 450/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० व्लाट नं० 304 है, जो 1-1-58/1 से 58/11 एस० डी० रोड सिकन्दराबाद स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन जुलाई 1980

करं पूर्वांक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अधने में सूनिधा के लिए; और/या
- ृष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) मैसर्स श्रीमाध कंस्ट्रक्शन कम्पनी 5-8-612 श्रविव रोड हैवराबाव

(अन्तरिती)

(2) श्री महमद निसमूहीन श्रहमद केश्वर शाफ एम० एफ० श्रहमद 16-11-20/1/4 सलिमनगर कोलनी नं० 2 मलाकपेट हैदराबाद

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पृत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग्रे
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिलात में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

प्लाट नं० 304 3री मंजिल 1-1-58/1 से 58/11 एस० डी० रोज सिकन्बराबाद विस्तीनं 1302 चतुर फिट जसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1853/80 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी सिकन्दराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रॅज, हैदराबाद ।

तारीख: 3-3-1981

प्ररूप आहै. टी. एन. एस ------

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निर्वेश १४० म्रार० ए० सी० नं० 495/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्दराजन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० प्लाटनं० 601 है, जो 6ठी मंजिल दक्कन टबर्स, बशीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 19 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कम्बित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के रिसए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मुधीन निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् [—— (1) मैं/एस० हैदराबाद बिल्डर्स 5-9-59, बशीरबाग, हैदराबाद, बैं० सी० गौसुध्दीन बाबुखान पिता लेट ए० के० बाबुखान निशात मंजिल 6-3-1111 सोमा जुगुडा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० प्रेमकुमार रेड्डी डाइरेक्टर धानम इलैक्ट्रिकल मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी कडियम-533126 ईस्ट गोदाबरी जिला

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :—इसमें प्रयुक्त धन्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्सूची

प्लाट नं० 601, 6ठी मंजिल मोगल श्रपार्टमेंटस नं० 5-9-59 बगीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टवर्स) जैसे कि विस्तीर्ग 1410 एस० एफ० टी० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6677/80 रजिस्टीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 3-3-1981

प्ररूप आहं. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 ष (1) के घडीन स्थना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च, 1981

निर्देश संम ग्रार० ए० सी० नं० 496/80-81—यतः
मुझे एस० गोविन्द राजन
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परचात् 'उक्त ग्रिशिनयम' कहा गया है), की घारा 269-क के अधीन
सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारच है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है
ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 103 है, जो 1ली मंजिल दक्कन
टवर्स, बगीरबाग हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन-

टवस, बशारवान हदराबाद में स्थित है (आर इससे उपाबद्ध अनु-मूची में भ्रौर पूर्णे रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रक्षिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण भ्रक्षिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रभीन 19 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाआर मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिश्वन के सिए प्रान्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजरर मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिश्वन से, ऐसे वृश्यमान प्रतिश्वन का परवह प्रतिज्ञत से प्रविक है और प्रश्तरक (अन्तरकों) और प्रश्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रश्वरण के लिए तय पाया गया प्रतिश्वन निम्मसिखित उद्देश्य से उच्य बन्तरण विखित में बास्तिक कप से कियत नहीं किया गया है।——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त घषि-नियम के घषीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य प्रास्तियों की, जिम्हें भारतीय आयंकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के निए;

बतः, अब, उन्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, धनत अविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्।— (1) मैं ० हैवराबाद बिल्डर्स, बशीरबाग, हैदराबाद, बैं० श्री गौसुद्दीन बाबुखान, पिताः लेट ए० के० बाबुखान, निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगुडा, हैवराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री (1) सी० एच० ब्रह्मानन्द रेड्डी
 (2) सी० एच० रतनामानिकयम्मा
 3-4-421/4
 लगमपल्ली, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंने।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त प्रवित्यम के प्रद्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियागया है।

बनुसूची

प्लाट नं० 103, 1ली मंजिल मोगल ग्रपार्टमेंटस नं० 5-9-59 बलीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टवर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1340 एस० एफ० टी० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6676/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 3-3-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस, ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिमांक 3 मार्च, 1981

निर्देश सं० भार० ए० सी० नं० 497/80-81---यतः मुझे एस० गोविन्दराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

मौर जिसकी प्लाट नं० 501 है, जो 5वीं मंजिल दक्कन टबर्स, क्यारिकाग, हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्णंख्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिश्वकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रिधनियम, 198 (1908 का 16) के ग्रधीन 19 जुलाई 1980

को पूर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

मं० हैदराबाद बिल्डर्स,
 5-9-59, बशीरवाग,
 हैदराबाद,
 बै० श्री गौसुद्दीन,
 पिताः लेट ऐ० के० बाबुखान,
 निशात मंजिल,
 6-3-1111, सीमाजिगूडा, हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुरेश कुमार गर्ग प्लाट नं० 50 मीगल अपार्टमेंटस दक्कन टबर्स हैदराबाद

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः ही, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया ग्या ही।

धनुसूची

प्लाट नं० 501, 5वीं मंजिल मोगल धापार्टमेंटस नं० 5-9-59 बगीरवाग हैदराबाद (दक्कन टवर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 141डी एस० एफ० टी० जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 6675 80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 3-3-1981

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च, 1981

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 498/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 603 है, जो 6ठी मंजिल, दक्कन टवर्स, बशीर-बाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचीर श्रीर में पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19 जुलाई, 1980

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण में हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य ब्राह्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन कर श्रधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मै० हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-59, हैदराबाद वै० श्री गौमुद्दीन बाबुखान, पिताः लेट ए० के० वाबुखान, निशात मंजिल, 6-3-1111, सीमाजिगूडा, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० कृष्ना राजू केश्वर श्राफ एम० एस० राज् श्रसिस्टेंट इंजीयिर एस० डी० श्रापरेशन रूरल, मिट कामपाउन्ड, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दित की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संनित में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वही भ्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 603, 6ठी मंजिल मोगल श्रापर्टमैंटस नं० 5-9-59 बशीरवाग, हैदराबाद (दक्कन टबर्स) जैसे कि विस्तीर्ण, 1340 एस० एफ०टी० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6674/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राज सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-3-1981

प्ररूप आई°० टी० एन० एस० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 4 मार्च 1981

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 451/80-81—यतः मझे एस० गोविन्द राजन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सूखी जमीन है, जो बोयनपल्ली सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद-वेस्ट में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19 जुलाई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुजिधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिया अर्थात्:——

- (1) श्री (1) के० नागीरेड्डी पिता लेट सामिरेड्डी
 - (2) के० ईस्वर रेड्डी
 - (3) के० लक्षमारेड्डी

हुसैनी बाग 2-66 श्रोल्ड बोइनपल्ली सिकन्दराबाद (श्रन्तरक)

(4) मैंसर्स केम भ्रशोक राव 3-5-1141 रामकोट हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

(2) सेयीत मेरी कोम्रापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाईटी प्रेसिडेंट स्टानीस लानस सेंटमेरी हाई स्कूल, सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सूखो जमीन सर्वे नं० 69 विस्तीनं 39 गृंटास बोयनपल्ली गांव सिकन्दराबाद जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1831/80 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोबिन्द राजन सक्षम ग्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 4-3-81

मोहरः

प्रकप शहि टी एन एस ---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 4 मार्च, 1981

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 452/80-81—यतः मुझ एस० गोविन्द राजन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पप्रचात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- हपये से प्रधिक है

और जिसकी सं 1-10-125 और 125/1 है, जो श्रणोकनगर हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण- रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19 जुलाई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल के प्रमुख्यमान प्रतिफल के बीत प्रमुख्यमान (अन्तरकों) भ्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीत ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रत्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत जन्त ग्रीध-नियम के ग्रीधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/पा
- (बा) ऐसो किसी प्राप या कियो घत या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धनकर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

प्रतः, प्रयः, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269ना के प्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269न्य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रेथीतः—

- (1) श्री (1) म्नीसेट्टी द्वोपती देवी पत्नी चलापती राव
 - (2) जी० बी० जगदीश
 - (3) जी॰ मुरलीकृष्ना 1-10-25 श्रशोकनगर हैदराबाद
 - (4) लोकनाथन 1-1-781 गांधीनगर हैदराबाद
 - (5) जी० रामाकृष्ना साई सुपुत्र चलापती राव H384 गांधीनगर हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री (1) पोटैल विमालम्मा यादव
 - (2) पोटेल कृष्नायादव
 - (3) पोटेल गोपाल यादव 23-6-748 चन्द्रलाल वेला हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इप मूत्रता कं राजगत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रीर वदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम क ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

श्रनु**सू**ची

घर 1-10-125 श्रीर 125/1 श्रशोकनगर हैदराबाद विस्तीर्न 585.75 चतुर गज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7044/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम स्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-3-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च, 1981

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 493/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्दराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विष्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उन्ति बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 106 है, जो 1ली मंजिल दक्कन टबर्स, बशीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्णरूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1980

को पूर्वोक्स संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमें यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिक को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपा रा (1) के मधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) मैंस० हैदराबाद बिल्डर्स,
5-9-59, बशीरबाग, हैदराबाद
बै० श्री गौसुद्दीन बाबुखान,
पिताः लेट ए० के० बाबुलाल
निशात मंजिल,
6-3-1111, सोमाजिगूडा,
हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सैयद मोइनूदीन हुसैन 11-5-255 लाल टेकड़ी हैसराबाद

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पृष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20 -क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 106, 1ली मंजिल मिनार श्रपार्टमेंटस नं० 5-9-59 बगीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टर्क्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1120 एस० एफ० टी० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7981/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-3-1981

प्ररूप आहु . टी. एन. एस -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निर्देश सं० श्रार० ये० सी० नं० 494/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

मौर जिसकी सं० है, जो 3री मंजिल दनकन टवर्स, बशीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीरणकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन 19 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वर्ष से उक्त अन्तरण जिल्ला में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्रे/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य क्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मै० हैवराबाद बिल्डर्स, 5-9-59, बशीरबाग, हैदराबाद, बै० श्री गौसुद्दीन बाबुखान, पिताः लेट ए० के० बाबुखान, निशात मंजिल, 6-3-1111, सीमाजिगुडा, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) जी० लक्ष्णमी देवी 202 मोगल भ्रपार्टमेंटस दक्कन टावर्स हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

प्लाट नं० 3री मंजिल मोगल श्रापर्टमेंटस नं० 5-9-59 बशीरबाग, हैदराश्चाद (दक्कन टवर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1980 एम० एफ० टी० जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6679/80 रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी हैदराश्चाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 3-3-1981

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 499/80-81--यत: मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 303 है, जो 3री मंजिल दक्कन टवर्स, बिशर-बाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णेरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा269-ग के अनुसारण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्रे अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थास् :-- (1) मैं० हैदराबाद बिल्डर्स,
5-9-59, बशीरबाग,
हैदराबाद,
बै० श्री गौसुद्दीन बाबुखान,
पिताः लेट ए० के० बाबुखान
निशात मंजिल,
6-3-1111, सीमाजिगूडा,
हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती काजा हमीयूदीन 303 मोगल श्रापर्टमेंटस दक्कन टबर्स हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 303, 3री मंजिल मोगल श्रापर्टमेंटस नं० 5-9-59, बशीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टवर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1340 एस०, एफ० टी० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6673/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 3-3-1981

प्ररूप आहाँ. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निर्देश सं० श्रार० ये० सी० नं० 500/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुप्त में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 601 है, जो 6टी मंजिल दक्कन टबर्स बशीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान पितफल के लिए अन्तरित को गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्र) एेनी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधः के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत १--

(1) मैं/एस० हैदराबाद विल्डर्स,
5-9-59, बशीरबाग,
हैदराबाद,
वै० श्री गौमुद्दीन बाबुखान,
पिता लेट ए० के० बाबुखान,
निणात मंजिल,
6-3-1111, सोमाजिगूडा, हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रजिजूशीसा बेगम 11-1-268 श्रजाम पुरा हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरमम्बन्धी व्यक्तियों एर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिश्लिल हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नम्त्रची

प्लाट नं० 601, 6टी मंजिल मिनार श्रपार्टमेंटस नं० 5-9-59 बणीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टबर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1264 एस० एफ० टी० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6671/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम म्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रॅज, हैदराबाद ।

तारीख: 3-3-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निर्देश सं० म्रार० ये० सी० नं० 501/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्दराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 402 है, जो 4थी मंजिल दक्कन टवर्स बशीरबाग में हैदराबाद स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1980

कर पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल कि निम्निसित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों अधीतः—

(1) मैं/एस० हैदराबाद बिल्डर्स,
5-9-59, बशीरबाग,
हैदराबाद, बैं० श्री गौमुहीन,
पिताः लेट ए० के० बाबुखान,
निशात मंजिल,
6-3-1111,
सोमाजिगुडा, हैदराबाद,

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जेहरा बातुल बेगम प्लाटनं० 402 मिनार श्रपार्टमेंटस दक्कन टवरस, हैदराबाद

(म्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 402, 4थी मंजिल मिनार भ्रपार्टमेंटस नं० 5-9-59 बशीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टवर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1284 एस० एफ०टी० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6670 /80 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाव ।

तारीख: 3-3-1981

नहीं किया गया है:---

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, हैवराबाद

निवेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 502/80-81--यतः मुझे,

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

एस० गोविन्ध राजन ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियन' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम ग्रिधिकारी को, यह विश्वास करने

का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- छपये से अधिक है और जिसकी सं प्लाप्ट नं 905 है, तथा जो 9 वी मंजिल दक्कन टवर्स, बशीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुस्त्री में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 19 जुलाई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और मन्तरिक (मन्तरिक) और प्रनिरित्ती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तिकल रूप में किन

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे करने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अप्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं मन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रव, उक्त श्रीविनियम की धारा 269-ग के प्रमु-सरण में, में, उक्त श्रीविनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. ग्रयीद् :-- -18---16GJ/81

- 1. मैसर्न हैदराबाद बिल्डर्स 5-9-59, बशीरवाग, हैदराबाद बैं० सी० गौसुद्दीन बाधुखान, पिता लेट ऐ.० के० बाबुखान निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगुडा, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- 2 (1) श्री के० स्वरुप रामी रेड्डी
 - (2) श्री० के० सुनील रेड्डी. 905, मिनार श्रपार्टमट्स दक्कन टबर्स, हैदराबाद ।

(म्रन्तरिती)

को महस्चना जारी करके पृत्रावित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दों का, को उक्त अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रष्ट होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

प्लाठ नं० 905, 9वीं मंजिल मिनार अपार्टमेंटस नं० 6-0-59 वशीरवाग, हैदराबाद (दक्चन टर्वस) जैसे कि विस्तींणें 1020 एस०एफ० टि जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6669/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन, सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-3-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 503/80-81—यतः मुझे, एस० गीवन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 707 है, तथा जो 7 वीं मंजिल दक्कन टवर्स बशीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण ध्य से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 19 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने भें सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. मैसर्स हैदराबाद, बिल्डर्स 5-9-59 बशीरबाग, हैदराबाद बै० सी०गौमुद्दीन बाबुखान, पिता लेट ए० के० बाबुखान निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगुडा, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- श्री एम० ए० कलिमी,
 707, मिनार श्रपार्टमेंट्स दक्कन टक्क्स, बिशरबागड हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मृत्सूची

प्लाप्ट नं० 707, 7 वी मंजिल, मिनार भ्रपार्टमेंट्स नं० 5-9-59 बशीरवाग, हैदराबाद (दक्कन टबर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एस० एफ० टि० जैसे कि रजिस्ट्री कृत विलेख नं० 6668/80 रजिस्टीकर्ती श्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 3-3-1981

प्ररूप आहं. टी. एन. एस.----

नायकर भौधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 3 मार्च, 1981

निदेश सं० श्रार०ए० सी० नं० 504/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार जिस्ते अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य कि, 000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 906 है, जो 9 वा मंजिल दक्कन टवर्स, वशीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19 जुलाई, 1980 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का चिम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्नुलिबित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-59, बशीरबाग, हैदराबाद बै॰ सी॰ गौसुद्दीन, बाबुखान पिता लेट ऐ॰ के॰ बाबुखान निशास मंजिल, 6-3-1111 सीमाजुगुडा, हैदराबाद। (अन्तरक)
- श्री मास्टर नीरम राज, केग्रर प्राफ ध्याम राज, 5-9-713, सैफाबाद, हैवराबाद।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्रके पूर्वांक्त सम्मृत्ति के क्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उत्स्तु अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हाँ।

नन्स्यो

प्लाट नं० 906, 9 वां मंजिल मिनार श्रपार्टमेंट्स नं० 5-9-59 बशीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टबर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एस० एफ० टि० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6667/ 80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्तप् (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

प्ररूप आहुर . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

काम्लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिका)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 505/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हूं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाप्ट नं० 506 है जो 5 वा मंजिल दक्कन टवर्स, बशीरबाग, हैवराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद प्रमुस्ची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैवराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 19 जुलाई, 1980 को पृथें कत संपर्तित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का से किए तर नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्अ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात्:--

- 1. मैसर्स हैदराबाद, विल्डर्स 5-9-59, बशीरबाग, हैदराबाद बै॰ सी॰ गौसुद्दीन बाबुखान, पिता लेट ए०के॰ बाबुखान, निशात मंजिल, 6-3-1111, सीमाजिगूडा, हैदराबाद (अन्तरक)
- श्रीमती लाजबंती, रोन, मायूरजानी,
 506, मिनार ग्रपार्टमेंट्स दक्कन टबर्स,
 हैवराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथां कत् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर के सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनसूची

प्लाप्ट नं० 506, 5 वां मंजिल भिनार श्रपाटमट्स उं० 5-9-59 वशीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टावर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एस० एफ० टि० जैसे कि विलेख नं० 6666/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायरकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

प्रकप माई • टी • एन • एस •---

आयकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 प(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैबराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निवेश स० ग्रार० ए० सी० न० 506/60-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त पश्चिनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पनि, जिसका उचित नाजार मूख्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट न० 503 है जो 5 वां मजिल दक्कन टबर्स, विशारवाद, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद भ्रमुसूची में भौर जो पूर्णा रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिकियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19 जुलाई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफ का कापन्द्रह प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और पन्नरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ध्रधि-नियम के ध्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के जिए; ध्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाका काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्तअधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्तितिक व्यक्तियों, अर्थात्:—

- ग मैंसर्स हैवराबाद बिल्डर्स, 5-9-59 बशीरबाग, हैदराबाद बै०सी० गौसुद्दीन बाबूखानिपता लेट ऐ०के० बाबुखान, नियात मिजल, 6-3-1111, सोमाजिगुडा, हैवराबाद (श्रन्तरक)
 - 2 श्री के० जे सि० बोस, कनसरबेटर ग्राफ फारेन्स्ट, अंनतपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी जरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धालेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशम की तारीचा से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, को की भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, घन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्च होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

अनुसूची

्लाट न० 503. 5 वां मजिल, मिनार ग्रपार्टमेंट्स न० 5-9-59 बशीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टर्वस) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एस० एफ०टि 2 जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 6665 /80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में है ।

एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, हैदराबाद

प्ररूप आहु⁵. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च, 1981

निदेश स० श्रार० ए० सी० न० 507/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 706 है तथा जो 7वां मंजिल पक्का टवर्स बिगरबाग हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्याभय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 19 जुलाई 1980

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; अरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियम अधीत के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियम अधीत के

- मसर्सं हैवराबाद बिल्डर्स, 5-9-59 बशोरबाग, हैदराबाद बै०क्षी० गौसुद्दीन बाबुखान, पिता लेट ऐ०के० बाबुखान, निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगूडा, हैघराबाद। (म्रन्तरक)
- 2 श्री प्रभाकाण जि० कामन जानी केयरमाफ हैमसन ईन्डस्ट्रीज राजमपेट रोड, श्रनंत पूर ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

(प्लाट न० 706, 7 वां मजिल, मिनार ग्रपार्टमट्स न० 5-9-59 बशीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टवर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एस० एफ० टि० जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 6664/80 रिजस्ट्रीकृती ग्रधिकारी हैदराबाद म है ।

एस० गोविन्दराजन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निदेश सं० म्रार० ए० मी० न० 508/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिं, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से श्रिधिक है,

सौर जिसकी मं० प्लाट नं० 705 है जो 7यां मजिल दक्कन टवर्स, बिशरबाग हैदराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 जुलाई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया यया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खबत प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्मलिखित व्यक्तियों. ग्रथीत:—

- मैसर्स हैषराबाद बिरुडर्स, 5-9-59 बशोरकाग, हैदराबाद बै० श्री गौसुद्दीन बाबुखान, पिता लेट ऐ०के० बाबुखान, निशात मजिल, 6-3-1111 मोमाजिगुडा, हैदराबाद। (अन्तरक)
- श्री गुम्मन मल लालचन्द केयर श्राफ: करीम वाच कंपनी, हैदराबाद, 705, मिनार श्रपार्ट मट्स, बशीरबाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
 हितबद किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पव्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 705, 7वां मंजिल, मिनार श्रपार्टमेंट्स नं० 5-9-59 बणीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टवर्स) जैसे कि वि० 1020 एस० एफ० टि० जैसे कि रजिस्ट्रोकृत विलेख न० 6663 6663/80 रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी हैदराबाद महै।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-3-1981

प्ररुप भाई - ही - एन - एव ----

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1981

निवेश सं श्रार ए० सी० नं ० 509/80-81:--यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत ग्रंबिनियम' कहा गया है), जी भारा 269-ख के प्रधीत सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं अधि जमीन है जो कुकट पल्ली हैदराबाद म स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद वेस्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई 1980

को पृथानित संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फेल निम्नसिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ⁴ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2**7) के प्रयोजनार्थअन्तरिती व्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वत: ब्रम, उक्त व्यविधियम की कारा 26 अ-न के प्रमुक्तरण में, में, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-व की स्पनारा (1) के वधीन निम्मविद्यास व्यक्तियों, वर्षात:---

- (1) श्री पी० प्रताप रेड्डी मुपुत रागव रेड्डी 6-16, कुकट पर्ल्ला, हैदराबाद ।
 - (2) श्रीपी० नरसिंहारेड्डी 6-17 करकट पल्ली, हैदराबाद

(अन्तरक)

2. मसर्स प्रभू स्टील इंडस्ट्रीज प्रा० लिमिटेड, बै० डायरेकटर एम०के० श्रग्रवाल े2/142, पेंडरगास्ट रोड, सिकन्दराबाद

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्वेवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन ने सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (अप) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य यक्ति द्वारा अधीहस्ताकारी मे पास लिखित में फिए जासकोंने।

स्पच्छीकरण :---इसमं पगुनत शब्दों घीर पदों का, को उनत घडि-नियम के अध्याय 20-क में परिवादित है, बही धर्य होगा, को उस धन्याय में विया गया है ।

अनुसूची

मुखी जमीन प्लाट नं० 87, 88, 89,90, 91 तथा 92 सर्वे नं० 166 विस्तीर्ण 345 चतुर गज, क्कट पल्ली, हैदराबाध जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2073/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद वेस्ट में है।

> एस० गोबिन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

सारीख: 5-3-1981

प्ररूप ग्राई∙ टी• एन• एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्कण)

म्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाष, दिनांक 5 मार्च 1981

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 510/80-81--यत: मुझे एस० गोविन्द राजन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख ने अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित 25,000/-पश्चिक है म्ल्य रुपए से ग्रौर जिसकी सं० प्लाट ग्राफ लंन्ड है जो तोकट्टो गांव सिकन्दराबाध, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1909 का 16) के प्रधीन दिनांक जुलाई, 1980

16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिंचत बाजार मूल्य, छसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेयय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किया नहीं किया गा है:—

- (क) अन्तरण से दुई किमी आप की बाबन उक्त आंध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ ग्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में मुक्किश के लिए;

अतः ग्रब, उनत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाता— 19—16GI/81 (1) श्री बी० वी० सुरेश रेड्डी, सुपुत्र बी० एम० रामा रेड्डी जि० पि० ए० बि० एम० रामा रेड्डी 10-2-320 वेस्ट मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. वि० संजिनस्य नगर कोग्रापरेटिव हार्जिसग बिस्डिंग सोसायटी लिमिटेड, टि० बि० सि० 55, सिमन्दराबाद ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता है।

जनत सम्पत्ति ने प्रजैन ने सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

प्लाट भ्राफ लैन्ड सर्बे नं० 199 एकड 1 तोकट्टा गांव बोनपल्ली, सिकन्दराबाद जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1909/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सिकन्दराबाद में है ।

> एस० गोविन्व राजन सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** 5-3-1981 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीकन)

श्चर्णन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1981

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 511/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन आगकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-छ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० खुला प्लाट है जो दिलसूक नगर, गांव हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद म रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टममान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुक्षे यह बिण्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थात् :--

 मैसर्स है फेड पोलटरी एण्ड काटेल फिड्स बिशरबाग, हैदराबाद पार्टनर: मुनिरुद्दीन शेक ईमाम सुपुत्र मोइनुद्दीन शेक ईमाम 16-8-243/2 मलकपेट हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

 मैसर्स है स्के बिल्डर्स बगीरबाग, हैवराबाद । पार्टनर : विकारूहीन शेक 16-8-244 मलकपेट हैदराबाद ।

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

वे प्लाट दिलसुक नगर गांव गड्डी भ्रन्नारम नं० 9-14 विस्तीर्ण 731 चतुर गज भैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7391/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद में है ।

एस० गोविन्ध राजन सक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त [(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-3-1981

प्रकप आई• टी॰ एन• एत•-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के घंषीन सूचना

मारत संरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1981

निवेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 512/80-81---यतः मुझे, एस० गोविन्य राजन

आयकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० भूमि है जो साहेबनगर कूरद गांव म स्थित है (शौर इससे उपाबस धनुसूची में ष्मौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैवराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से शुई किसी धार्य की बाबत उक्त प्रिविनयम, के अधीन कर देने के झन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रमः, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्द्र श्रीधिनियम की घारा 269०म की सपक्षारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- श्री राविपाती बलरामय्या, सुपुझ धार० नागय्या, वेटपालेम गांव तेनाली ताल्लुक, गन्दूर, जिला 6/13 व्रक्षिपेट, गन्दूर-2

(भन्तरक)

 श्री कोनडबोलु, किशनप्रसाध, सुपुत्र कें बेसव पुनन्य्या, रिंग रोड, गान्टूर-6

(अन्तरिती)

कों यह सूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मुर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी कि से 45 दिल की शवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि; को भी शवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रकोहस्ता- क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंग।

इपस्क्रीकरण:---इसर्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं। वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

ग्रनुसूची

जमीन सर्वे नं० 51 साहेब नगर कूर्व गांव ह्यतनगर तालुक भ्रार० भ्रार० जिल्ला विस्तीणें 2 पाकट 40 सेंटस जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7908/80 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रिधकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रीवकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5 मार्च, 1981

प्ररूप भाई। टी। एन। एस।---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के घषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्णन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1981

निदेश सं आर थे० सी० नं ० 513/80-81--- भतः मुझे, एस० गोविन्द राजन मायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रुपए से बाजार म्ल्य ग्रीर जिसकी सं० 1-10-47/1 है, जो श्रशोक नगर, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध धनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन धिनांक जुलाई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐस दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर प्रस्तरक (भ्रग्तरकों) भ्रौर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबस उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसे किसी प्राय या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रवं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रवीत् :-- शि देवनीनी वॅकटराव सुपुत्त सिता रामस्या, 2789 जी०, शालो फोरङ रोड, एन० ई० चारूबली, जि० ए० 30341 यू० एस० ए० । जि० पि० ए० डि० सिशारेका पत्सी डि० सितारामस्या सि० ए० तिलक रोड, हैवराबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बि॰ नरसिंह रेड्डी सुपुत्र सि॰ माफ रेड्डी पेड्डूर गांव नागर करनूल तालुक महबूब नगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धार्कप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी श्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत श्यक्तियों में में किसी श्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भवि-नियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भध्याय में विया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-10-47/1 ग्रा उन्ड क्लोर, विस्तीनं 571, चतुर गण ध्रमोक नगर हैंबराबाद जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7006/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैंबराबाद में है। एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंबराबाद

तारीख: 5-3-1981

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निदे सं श्रार थे ० सी० नं. 453/80-81—यतः मुझे, एस० गोनिन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 901 है, जो 9 वां मंजिल तमसें, बणीरबाण, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 19 जुलाई, 1980

को पृष्टोंक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य में कम के इश्यमान प्रिएफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक इप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबस उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्स अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्धात् ः---

- मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स 5-9-59, बशीरबाग, हैदराबाद बै०सी०गौसुद्दीन बाबुखान, पिता लेट ए०के० बाबुखान, निशात मंजिल 6-3-1111, सोमाजिगुडा, हैदराबाद। (अन्तरक)
- श्री नीकरेट, कादरी,
 प्लाट नं० 901, मिनार भ्रपार्टमेंट्स विशारवाग,
 हैदराबाद । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक ग।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अ**नुसूची**

प्लाष्ट नं० 901, 9 वां मीजल मिनार श्रपार्टमेंट नं० 5-9-59 वशीरवाग, हैवराबाद (दक्कन ध्वसं) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 फीट एस० एफ० टिजैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7781/80 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद में है ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक ष्प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-3-1981

प्रकृप भाई • दी • एन • एस • -----

आयकर मिंजनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च, 1981

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 454/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जनत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अबीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विषयाम करने का कारण है कि स्थावर मंपति जिनका उत्था आजार मूच्य 25,000/- ४० में ग्रधिक है

भ्रधिक है। भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० है जो 3र्ड फ्लोर, दक्कन टवर्स, बगीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम प्रतिकल के लिए ग्रन्तरित की गई के दश्यभान है प्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार दुश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दूश्यमान प्रतिफल के पन्वह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फत निम्नलिबिन उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबिक ह्य से हिन्यनहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आर की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के लिए;

अतः, भवः, छनः प्रिधिनियम को बारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थातः --

- 1. मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-59, बशीरबाग, हैदराबाद श्री वियासुद्दीन बाबुखान, पिता लेट ए० के० बाबुखान, निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगुडा, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- श्रीमती धनून ग्रार० रूपानी,
 3-4-863 बरकतपुरा, हैदराबाद (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जग्सकोंगे।

स्वक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस सम्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाप्ट नं० 3सरा, मंजिल मुगल भ्रापार्टमेंट्स नं० 5-9-59 बगीरकाग, हैदराबाद (दक्कन टवर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1410 वर्ग फीट, जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०7782,/80 रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी हैदराबाद में है ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्रधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख**: 3-3-1981

प्ररूप आर्इ.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निदेश सं० म्रार० ए० सी०455/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 201 है जो दूसरी मंजिल दक्कन टवर्स, बणीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध सनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक ज्लाई, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिन्त स्यक्तियों अर्थातः--

- 1. मैसर्स हैवराबाद बिल्डर्स 5-9-59, बशीरबाग, हैदराबाद श्री वियासुदीन बाबुखान पिना ए० के० बाबुखान, निणात मंजिल, 6-3-1111, मोमाजिगुडा, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती पुष्पा सदेकार 2-1-454 लक्ष्मी विलास, नालाक्तुंटा, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इताराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 201, दूसरी मंजिल, मिनार श्रपार्टमेंट्स नं० 5-9-59 बशीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टबर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1284 एस० एफ० टि० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7783/80 रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख** 3-3-1981 मोहर: अरूप आर्इ.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च, 1981

निवेश सं० घार०ए०सी० नं० 456/80-81--यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 602 है, जो 6टा मंजिल दक्कन टवर्स बशीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 जुलाई, 1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिखिल व्यक्तियों, मुर्थात् :—

- मैसर्स हैदराबाद, बिल्डर्स 5-9-59 बशीरक्षाग, हैदराबाद बै० सी० गौसुद्दीन बाबुखान पिता लेप्ट ए०के० बाबुखान, निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगूङा, हैदराबाद (भ्रन्तरक)
- श्री सूरजीत मारवा
 प्लाट नं 602, मिनार अपार्टमेंट्स दक्कन टवर्स,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के हिल्ए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसुची

प्लाट नं० 602, 6टा मंजिल मिनार श्रपार्टमेंट्स नं० 5-9-59 वणीरवाग, हैदराबाद (दक्कन टवर्स) जैसे कि विस्तोर्ण 1284 एस०एफ० टि० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7784/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रघिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 3-3-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 457/80-81/—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 308 है तथा जो 3 मंजिल दक्कन टवर्स बिशरबाग, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 19 ज्लाई, 1980

की पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- 20-16GI/81

- मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-59, बशीरबाग हैदराबाद
 श्री घियासुद्दीन बाबुखान पिता लेट ए० के० बाबुखान, निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगूडा, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- कुमारी रिजवाना बेगम मिनार ग्रपार्टमेंट्स 308, 3 मंजिल दक्कन टवर्स, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों आरै पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिसाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में <u>दिया</u> गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 308 3सरी मंजिल, मिनार ग्रपार्टमेंट्स नं० 5-9-59 बशीरबाग, हैदरावाद, (दक्कन टवर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1284 एस० एफ० टि० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7785/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-3-1081

प्रस्प आइ. टी. एन्. एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निवेश सं० म्रार० ए० सी० मं० 458/80-81—यतः, मुझे एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिस्की सं० प्लाट नं० है जो 2 मंजिल दक्कन टवर्स, बशीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 19 जुलाई, 1908

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्न्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् धि--

- मैसर्स हैक्राबाद बिरुडर्स, 5-9-59 बशीरबाग, हैदराबाद घियासुद्दीन बाबुखान, पिता लेट ए० के० बाबुखान, निशात मंजिल 6-3-1111 सोमाजिगूडा, हैदराबाद। (अन्तरक)
- श्री मोहमद वाहद शरीफ
 2री मंजिल मुगल श्रपार्टमेंट्स हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वों क्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए या सकोंगे।

स्युष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त क्षम्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पृरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2 मंजिल, मिनार ग्रपार्टमेंट्स नं० 5-9-59 बणीरबाग, हैदराबाद (दक्तन टर्वस) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एस० एफ टी जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 7786/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-3-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरबाद, दिनां 🛪 3 मार्च 1981

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 459/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 504 है जो 5वीं मंजिल दक्कन टवर्स, वशीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 19 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए!

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निमनलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

- मैसर्स हैदराबाद, बिल्डर्स 5-9-59, बशीरबाग, हैदराबाद बै० सी० गौसुद्दीन बाबुखान, पिता लेट ए० के० बाबुखान, निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगूडा, हैदराबाद। (अन्तरक)
- कुमारी राम लाल
 101 सिटाडल, नेपीयान रोड,
 बम्बई-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 504, 5वीं मंजिल मिनार स्रपार्टमेंट्स नं० 5-9-59 बशीरवाग, हैदराबाद (दनकन टवर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एस० एफ० टि० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7787/80 रजिस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी हैदराबाद में है ।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-3-1981

प्ररूप बाई . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्नर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3-3-1981

निवेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 460/80-81---यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रह से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 508 है जो 8वीं मंजिल दक्कन टवर्स बगीरखाग, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 19 जुलाई, 1980

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिमनिलिख्त व्यक्तियों अधित्ः--

- मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स 5-9-59 बशीरबाग, हैदराबाद बै०सी०गोसुद्दीन बाबुखान पिता लेट ऐ० के० बाबुखान, निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगूडा, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- मैसर्स किशन चन्द सन्स
 पलाट नं० 508 मिनार श्रपार्टमेंट्स दक्कन टावर्स,
 हैवराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे 1

स्पच्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

सहस्र की

प्लाट नं० 508, 5वीं मंजिल मिनार अपार्टेमेंट्स नं० 5-9-59 बशीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टबर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एस० एफ० टि० जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7788/80 रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-3-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैंदराबाद

हैदराबाद दिनांक 3 मार्च 1981

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 461/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित नाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिस की सं० है जो 8वीं मंजिल दक्कन टवर्स बिशरबाग हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1980

को पूर्वावत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्रिवा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन निम्निलिखिस स्थितियों स्थिति :--

(1) मैं० हैदराबाद बिल्डर्स 5-9-59 **बशीरबाग** हैदराबाद श्री घियासुद्दीन बाबुखान पिता लेट ए० के० बाबुखान निशात मंजिल 6-3-1111 सोमाजिगूडा हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) मास्टर भ्रजय एस० देशमुख 8वीं मंजिल मिनार भ्रपार्टमेंट्स दक्कन टावर्स, हैंदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

ण्लाट नं० 8वीं मंजिल मिनार श्रपार्टमेंट्स नं० 5-9-59 बशीरबाग हैवराबाद (दक्कन टर्बस) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एस० एफ० टि० जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7789 /80 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 3 मार्च 1981

प्रकप आई॰ ही॰ एत॰ एड॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 462/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं 0 105 है जो 1 मंजिल वक्कन टक्सें, जिशारवाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक खुलाई 1980

को पूर्वोक्त भम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दूश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल है और अस्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर घिष्टिनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर पश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, भ्रव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-करण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान:— (1) मै० हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-59 बशीरबाग, हैदराबाद श्री चियासुदीन बाबुखान, पिता लेट ए० के० बाबुखान निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगुडा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रबदुल खादरी हुसैन 11-5-255, लाल तेकडी, हैंदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवर्जन के जिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बग्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इप सूत्रका के रावरत में प्रकाशत की तारी आप से 45 विन भी भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन मूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त भग्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम के प्रश्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 105, 1ली मंजिल मिनार ग्रगर्टमेंट्स नं० 5-9-59 बगीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टर्वस) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एस० एफ० टि० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7790/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद में हैं।

एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, द्वैदराबाद

दिनांक: 3 मार्च 1981

प्ररूप पाई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनोक 3 मार्च 1981

निदेश सं० भार० ए० सी० नं० 463/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1 मंजिल है, जो वक्कन टावर्स, बिशरबाग, हैदराबाद में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बिणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जुलाई, 1980 को

पूर्वोक्त सम्यक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्यक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गथा प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर /या
- (व) ऐसी कि तो आव या किसी अन या प्रत्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रंथिनियम, 1922 (1)32 का 11) रा उन्त अधिनियम, या धन-कर भ्रंथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्।— (1) मै० हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-59, बशीरबाग, हैदराबाद, बै० क्षी गैसुद्धीन बाबुखान, पिता लेट ए० के० बाबु-खान निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगुडा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रवदुल खादर हुसैन 11-5-255 लाल टेकडी, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी
 भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वच्छीत्ररण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो छक्त श्रिष्ठिनियम के घ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

घमुसूची

प्लाट नं० 1 मंजिल मिनार भ्रपार्टमेंट्स नं० 5-9-59 विशासकान, हैदराबाद (दक्कन टवर्स) जैसे कि विस्तीर्ण नं० 1020 एस० एफ० टी० जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7791/80 रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी हैंदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक ायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 3 मार्च 1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

नियंग सं० धार० ए० सी० नं० 464/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

भायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के बंधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- ए॰ से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 102 है, जो मंजिल 1 दक्कन ट्रावर्स, बिशरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनिय 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1980

को पूर्वोत्रम संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का भारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से मिषक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) सौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तय पाया गया ऐसे प्रतिफल, निम्नलिक्त छहेश्य से उन्त मन्तरण लिखित में बालाबिक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त आसीक्ष-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्प आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्तः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सुधीन निम्नृतिष्ति, अ्युनित्यों अर्थात् :--

(1) मैं ० हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-59, बशीरबाग, हैदराबाद। श्री घियासुद्धीन बाबुखान पिता लेट ए० के० बाबुखान निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगुडा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मलका बेगम 2-2-222, श्रजिज बाग बाग श्रम्बेरपेट, हैक्साबाद।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की शारी का से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पब्दी करण ।—इसमें प्रयुक्त शब्दों थीर पवीं का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 102 1 मंजिल भोगल श्रपार्टमेंट्स नं० 5-9-59 बगीरबाग, हैंदराबाद (दक्कन ट्रावर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1988 एस० एफ० टि० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7887/80 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी हैंदराबाद में हैं।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 3 मार्च 1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 465/80-81--यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परमात् उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिस की सं० प्लाट नं० 801 है, जो 8वीं मंजिल दक्कन टबर्स, बिभारबाग, हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनु-सूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, जुलाई, 1980

को प्यों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षियामें में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत:--21---16 GI/81

- (1) मैं० हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-59, बशीरवाग, हैदराबाद।
- बै॰ श्री घियासुद्दीन बाबुखान पिता लेट ए० के० बाबुखान, निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगुडा, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती खेरों बी/1, एफ-3 पूनम भ्रपार्टमेंटस हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के िल्यू कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरणः-इसमें प्रयुक्त कर्को और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाट न० 801, 8वीं मंजिल मिनार प्रपार्टमेंटस न० 5-9-59 बार्शीरबाग, हदराबाद (दक्कन टवर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1284 एस० एफ० टि० जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7888/80 रिजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी हैवराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हदराबाद

विनांक: 3 मार्च 1981

प्रकृष प्राई॰ डी॰ एन० एस॰----

अराय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निदेश सं० म्रार०ए०सी०नं० 466/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

बामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारग है कि स्थावर पर्शात, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

भीर जिस की सं० प्लाट नं० 704 है जो 7वीं मजिल दक्कन टबर्स बिशरबाग हैदराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि ययापूर्वीक्त सम्पत्ति का एजित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और सन्तरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितियों उद्देश्य से एकत अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कियान नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, खक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने वा खससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एमा िक्सी आय या किमी धन या अण्य मास्तिमों की, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत भिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 ना 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िछपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अपीड़:—

(1) मैं हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-69, बसीरबाग, हैदराबाद। श्री घियासुद्धीन बाबुखान, पिता ए० के० बाबुखान निशात मेजिल, 6-3-1111, सोमाजिगूडा, हैदराबाद।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री श्रिरिफ श्रबदुल रशिवखान मार्फत ए० ए० लतीफ खान 16-9-419/सी० ओल्ड मलकपेट, हैंदराबाद

(धस्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिर की संवित्य तत्वन्यकों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी संवित्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के मीनर उक्त स्थावर सम्मति में हिसवब
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दी तरग--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो जनत मधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विना गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 704, 7वीं मंजिल मिनार श्रपार्टमेंट्स नं० 5-9-59 बशीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टक्से) जैंसे कि विस्तीर्ण 1020 एस० एफ० टि० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 7889/ 80 रिजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक: 3 मार्च 1981

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

निवेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 467/80-81---यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिस की सं० प्लाट नं० हैं, जो प्लोट नं० 11 दक्कन टबर्स, बिशरबाग, हैंदराबाद में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई, 1980

करे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथ्न नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था क्रियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिकित व्यक्तियों, स्थित् ध--

(1) मै हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-59, बशीरबाग, हैदराबाद। श्री घियासुद्धीन बाबुखान पिता लेट ए० के० बाबुखान निशात मिलल, 6-3-1111, सोमाजिगूडा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्रीमती शिरजू कुमार 2. सुरेण्द्र कुमार, 20 कारलटन रोड़, वालान **धान** टोनस सूररे यू० के०

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में मकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पध्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा ग्या हैं।

नन्त्रची

प्लाट नं० 11वीं मजिल मिनार ग्रपार्टमेंट्स नं० 5-9-59 बग्गीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टबर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1020 एस० एफ० टि० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7890/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोनिन्द राजन सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 3 मार्च 1981

प्ररूप नाइ हो. एन., एस.-----

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

श्रार० ए० सी० नं० 468/80-81—यतः मुझे, एस. गोविन्द राजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- क. से अधिक है

श्रीर जिस की सं० प्लाट नं० हैं, जो तीसरी मंजिल दक्कन टवर्स, बिशारबाग, हैंदराबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रकृत विलिज के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूषयमान प्रतिफल से ऐसे दूष्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिकत से पश्चिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्वरित्यों) के बीच ऐसे बग्नरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश मे उना अन्तरा लिखा में नास्नविक का से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः--

- (1) मै॰ हैदराबाद विल्डर्स, 5-9-59, बशीरखाग, हैदराबाद।
 - बै॰ श्री गीयासुद्धीन बाबुखान, पिता लेट ए० के० बाबुखान निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगूडा, हदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती हुसन श्रारा बेगम 5-9-7/1ए रोशन मंजिल, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं० तीसरी मंजिल मिनार श्रपार्टमेंट्स नं० 5-9-59 बशीरबाग, हैदराबाद (दन्कन टबर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1284 एस० एफ० टि० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7891/80 रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदर,बाद में हैं।

> एस० गोविन्द राजन सक्षय प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 3 मार्च 1981

प्रकृप बाई० टो० एन०एड०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रोज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

भ्रारः ए० सी० नं० 469/80-81---यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-क के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मूल्य 25,000/- स्पये से अधिक है

ग्रीर जिस की संव प्लाट नंव है, जो 4थी मंजिल दक्कन टबर्स, क्रीपरवाल, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे जिपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णक्य से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनिय 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृबयमान प्रिक्षल के लिए अन्तरिन को गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) धन्तरव से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिजिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए। और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी कन या कन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्वे अस्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के निए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के भनुसरण म , में में, इक्त आधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नुनिषित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैसर्स हैदराबाद बिल्डर्स, 5-9-59, बशीरबाग, हैदराबाद। बै०श्री गौसुद्धीन बाबुखान, पिता लेट ए० के० बाबुखान निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगूडा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सयद ममूद ग्रहमद 49 याकत पूरा कालोनी हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त ेसम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी के से 45 दिन की प्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को प्रविधि, जो भी प्रविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित्तवढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त भव्यों भीर पर्दी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, तहीं भये होता, जा उस भव्याय में विया नया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 4थी मंजिल मिनार प्रपार्टमेंटस नं० 5-9-59 बणीरबाग, हैदराबाद (दनकन टबर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1284 एस० एफ० टि० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7892/80 रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी हैदराबाद में ै।

एस० गोविन्द राजन सक्षय प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 3 मार्च 1981

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

श्राप्र ए० सी० नं० 470/80-81---थतः मुझे, एस० गोविन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका जिन्त बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रौर जिस की सं० प्लाट नं० 502 है, जो 5वी मंजिल दक्कन टबर्स, बिशरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण का से बिजत है), रजिस्ट्री कर्ता श्रिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ख्रय से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर बचने में सुविधा के लिए; आर्ड/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) को अधीन निम्नुलिखित अपिक्तयों अर्थान:--

(1) मैं ० हैंदराबाद बिल्डर्स, 5-9-59, बशीरबाग, हैंदराबाद, बैं ० श्री० गासुद्दीन बाबुखान, पिता लेष्ट ए० के० बाबुखान निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगडा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० उशा देवी माथुर 23-1-54/3 प्रताप विल्ला चारमिनार, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्याराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं!

अनुसूची

प्लाट नं० 502, 5वीं मंजिल मिनार श्रपार्टमेंटस नं० 5-9-59 बगीरबाग, हैदराबाद (दम्कन टवर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1284 एस० एफ० टि० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7893/80 रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम,प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक: 3 मार्च 1981

प्रकाश्वाई । यो । एन । एस । ---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ्रा के प्रधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

ग्रार० ए० मी० नं० 471/80-81---यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजिन वाजार मूल्य 25,000'-रु• से अधिक है और जिस

की सं० प्लाट नं० 701 है, जो 7वीं मंजिल दक्कन टबर्स, बिशरबाग, हें दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और धन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या असे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या खना अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधितियम की धारा 269-ग के धनुसरण मे, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीत. निम्निमिसित व्यक्तियों, प्रणीत :—

(1) मैं० हैयराबाद बिल्डर्स, 5-9-59, बशीरबाग, हैदराबाद बै० सी० गौसुद्धीन वाबुखान, पिता लेट ए० के० बाबुखान निजात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगृहा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मृहमद श्रबदुल वासे पोस्ट वाक्स नं० 4233 जेहा साउदी श्ररेबिया

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना बारो करके प्वांक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामीन से 30 दिन की प्रविध, जो भी धरिध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वाका व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खासे 45 विन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ब किसी अन्य व्यक्ति शरा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पन्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त एप्रिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट नं ० 701, 7वीं मंजिल मिनार ग्रपार्टमेंटस नं ० 5-9-59 बशीरबाग, हैदराबाद (दनका टवर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1284 एस० एफ० टि० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 7894/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी हैदराबाद में हैं।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनां रु: 3 मार्च 1981

मौहर :

प्रहरप आई० टो० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्र**र्जन** रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 मार्च 1981

न्नार० ए० सी० नं० 472/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

प्रायक्तर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का फरण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपण में प्रक्रिक है

ष्ट्रीर जिस की सं० प्लाट नं० 501 है, जो 5वीं मंजिल दक्कन प्रवर्स, बिणरबाग, हैदराबाद स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णक्ष से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जुलाई 1980 को

पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल का पन्द्रह पतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कार्य नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त धार्बिनियम के अधीन कर वेने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी श्रम या धान्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः ग्रब, उत्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उत्तन अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पक्तियों, अर्थातः —— (1) मैसमं एस० हैदराबाद जिल्डमं, 5-9-59, वशीरबाग, हैदराबाद । बैं० क्षी० गौसुद्धीन बाबुखान, पिता लेट ए० के० बाबुखान निशात मंजिल, 6-3-1111, सोमाजिगूडा, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री साकत ग्रली खान 5-9-209/1 चिराग श्राली लेन हैंदराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्बन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूबना के राज्यत्र में प्रकाशन को तारीख, से 45 दिन की प्रकृष्टि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्रन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूचना के राजपद्ध में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वदा किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताजरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण:--इनमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त पछिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहो अर्थ दीगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्लाट नं० 501, 5वीं मंजिल मिनार प्रपार्टमेंटस नं० 5-9-59 बगीरबाग, हैदराबाद (दक्कन टबर्स) जैसे कि विस्तीर्ण 1284 एस० एफ० दी० जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7895/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षय ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 3 भार्च 1981

में छिद्धिक है

সক্তৰ আৰ্থ্য টোঙক্ষত গ্ৰত----

आयक्तर अधिनिषम, 1961 (1981 का 43) की घारा 269-व (1) के घटीन यूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 मार्च 1981

ष्रार० ए० सी० नं० 1118/KKD Squad—यतः
मुझे एस० गोविन्द राजन
श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति वाजार मृष्य 25,000/- व०

श्रौर जिसकी सं० घर नं० 5/ए हैं, जो गंदूर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिम्ट्रीवर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गंदूर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 31-7-80

को पृथीकत सम्यक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रति-फल के लियं अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वाम्तिक हम से कथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अस्य आरित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृजिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अभीन, निम्मलिकित व्यक्तियों सभातः—— 22—16GI/81 (1) श्री पुरुषोत्तम गुक्ता चित्तरंजन दास गुप्ता पिताः नारायण मूर्ति वृन्दावन गार्डन्स, गंटूर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती दासरि ग्रनासूयम्मा पति : दासरि बुच्चरया चंद्र मीली नगर, गंट्रर ।

(भ्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सक्रपरित के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की अवधि या तत्स्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पृत्रांकत व्यक्तियों में संविक्ती व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्ते स्थावर संपरित में द्वित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा तकांगे।

क्वकित्य:- "इसमें अयुक्त कर्यों कौर क्वें का, को क्वत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

गंदूर रिजिस्ट्री प्रधिकारी से पाक्षिक प्रंत 31-7-80 में पंजीकृत वस्तावेज नं ० 5395/80 में निगमिस प्रमुसुचि संपरिः।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, हैदराबाद

विनांक 2 मार्च 1981 मोहर: प्ररूप आहुरे. टी. एन्. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 2 मार्च 1981

म्रार० ए० सी०नं० 1119/ KKD Squad—यतः मझे, एस० गोविन्द राजन

नायकर विधिनियम, 1961 (196६ का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- व को अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000.' रा. से निधिक है

स्रोर जिसकी सं० घर नं० 8-3-11 हैं, जो स्रमलापुरम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाधद्ध स्रनुसूची में भीर पूर्णकृप से वर्णित हैं),रजिस्ट्री-कर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, स्रमलापुरम में भारतीय रजिस्ट्री-करण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 11-7-80 स्रौर 28-8-80

को पूर्वोक्त संपित को उचित बाजार मुख्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया ग्या प्रति-फल निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मुलियित व्यक्तियमों अर्थात् है--

- (1) श्री गोडे जगन्नाथाराव पिता श्रीनिवासा राव गोडे पार्वती देवी पति : श्रीनिवासाराव, गुनडु गल्ली, श्रमलापुरम । (श्रन्तरकः)
- (2) श्री गंडु धर्माराजू पिताः गक्तिकी राजु गंडु गल्ली, श्रमलापुरम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होरा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगतची

श्रमलापुरम रजिस्ट्री से पाक्षिक श्रंत 15-7-80 में पंजी हत वस्तावेज नं० 3126/80 में निगमित श्रनुसूची संपत्ती ।

> एस० गोविन्दराजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

विनांक: 2 मार्च 1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 2 मार्च 1981

म्रार० ए० सी० नं० 1120/KKd/Squed--यतः मुम्रो, एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

भीर जिस की सं० है, जो विशाखापटनम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीजर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विशाखापटनम में भारती रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम, के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री कूचिबोटला वेंकट सूरया नारायण, पिता के० वी० रमनय्या विशाखापटनम

(भन्तरक)

(2) श्री वल्लूरुपल्ली प्रभुकिगोर पिता वि० केणव राव चौधरी विजयावाडा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्याक्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम<u>ु</u>स्**चीं**

विशाखापटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-7-80 में पंजी हुन नं० 5001/80 में निगमित अनुसूची संपंती

> एस० गोविन्दा राजन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाव

दिनांक: 2 मार्च 1981

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराक्यद, दिनांक 2 मार्च 1981

म्रार० ए० सी० नं० 1121/KKd/Squed-पतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

मायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रंग से अधिक हैं

श्रीर जिस की सं० घर नं० 18-2/ए हैं, जो विजयनगरम-3 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय, विजयनगरम में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रीक्षनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 14-7-1980

का पृत्रा कर समिति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वा वस संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितियों नहीं किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिम्मिनयम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अजूने में सुविधा के लिए; ज़र्रि/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी धून या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में संविक्त के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण वें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थानः— (1) श्री पूसपति म्रानम्द गजपति नं. ७, वन्मलो, विजयनगरम ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पूसवित सुचेरिता जगपति राज, विजयनगरम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वों कत् सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्बक्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की राष्ट्रीक से 4:5 विक की अवधि या तत्सक्वप्त ध्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिता में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिल द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनसभी

विजयनगरम रजिस्ट्री श्रधि ारी से पाक्षिक श्रंत 15-7-80 में पंजी कृत दस्तावेज नं० 2896/80 में निगमित श्रनुसूचि संपत्ती

> एस गोविन्दराजन, सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनां कः 2 मार्च 1981

प्रकप भार्• टी॰ एन॰ एस॰----

धायकर मिश्रनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 मार्च 1981

न्नार० ए० सी० नं० 1122/KKd/Squed—यतः मुक्षे, एस० गोविन्द राजन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिस की सं० घर नं० 19-2-6 हैं, जो विजयानगरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णकृप से विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, विजयानगरम में भारतीय रिजस्ट्रकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 28-7-1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्तरक (प्रत्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बोब ऐसे प्रत्तरण के लिए तप पाया मया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरक ने हुई किसो आप की बाबत, उकन प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दापित्व में कभी करने या उससे बचन में मुखिधा के निए, प्रौर/या;
 - (क) ऐसी किसो प्राय या किसो धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रीधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 239-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम को जारा 269-व की उपधारा (।) अधीन, निमनिकित कासिनथां, पर्यात्:---

- (1) 1. श्री मस्मिल्ला स्यामाला, पिता राम जग्गराव
 - 2 गरिमेल्ला स्रन्नापूर्णस्या पिता राम जग्गराव
 - 3 गरिमेल्ला भारकर राव, पिता राम जग्मरात्र
 - 4. गरिमेल्ला सुन्नहमन्यम, पिता राम जन्नगराव गॅवराबरम (श्रन्सरक)
- (2) श्री द्वाराका, भैमिडिक्कि वेंकट महदेव देशाय, पिका रामा दीक्षितुलु, विजयानगरम

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचका आरी करके पूर्वोक्त सम्पति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई को ब्राह्मेश्रक्त

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासत की तासीचा से 45 दिन की ग्रवधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी खन्नश्चि बाद्र में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिंबबड़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा धाधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सर्केंगे।

स्राव्हो कर म:--इसमें प्रमुक्त सच्चों श्रीर पद्यों का, जो उद्धा प्रस्कित नियम के ग्रष्टवाय 20-क में परिशासित हैं, हुनी अर्थ होगा जो उस श्रद्धाम में दिया गुरुग है।

वनुसूची

त्रिजधानगरम रिजिस्ट्री श्रिविकारी से पाक्षिक भंत 31-7-81 में गंजीकृत दस्तावेज नं० 3088/80 में निगयित श्रनुसूची संपत्ती ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक: 2 मार्च 1981।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 23rd March 1981

No. F. 6/81-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri P. Bhujanga Rao, Assistant Editor, Supreme Court Reports as officiating Editor, Supreme Court Reports in the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of March 23, 1981 to April 16, 1981, in the leave vacancy of Shri S. Ramachandran, Offg. Editor, Supreme Court Reports, until further orders.

MAHESH PRASAD, Dy. Registrar (Admn.) (J)

(Admn. BRANCH I) New Delhi, the 18th March 1981

No. F. 6/81-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Mrs. Krishna Bala Sood, Stenographer (at present officiating as P.A. to Registrar, Supreme Court of India) as an officiating Private Secretary to Hon'ble Judge with effect from the forenoon of March 18, 1981 to April 30, 1981 vice Shri Prem Sushil Sharma, offig. Private Secretary to Hon'ble Judge, granted leave, until further orders.

NIKO RAM, Assistant Registrar (Admn.).

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 26th February 1981

No. A. 32014/1/80-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. L. Dhawan, a permanent Superintendent (Holl.) to officiate on *ud-hoc* basis as Deputy Controller (DP) in the office of Union Public Service Commission for the period from 1-3-81 to 31-5-81-, or until further orders, whichever is earlier.

The 27th February 1981

No. A. 32014/2/80-Admn.lI.—The Chalrman, Union Public Service Commission hereby appoints the following Officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate on ad-hoc basis as Assistant Controller (DP) in the Commission's office for the period from 1-3-81 to 31-5-81, or until further orders whichever is earlier.

- 1. Shri J. L. Kapur.
- 2. Miss Santosh Handa.
- 3. Shri S. P. Bansal.

The 11th March 1981

No. P/578-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Dr. I. Panduranga Rao, an officiating Officer on Special Duty of this office to the post of Director (Hindi) in the office of Union Public Service Commission in the scale of Rs. 1500-60-1800-100-2000 with effect from 2-3-1981, until further orders.

P. S. RANA, Section Officer, for Chairman, Union Public Service Commission.

New Delhi-11, the 9th March 1981

No. A. 32014/3/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following officiating Senior Personal Assistants (Gd B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Private Secretary (Gd A of CSSS) in the same cadre on a purely provisional, temporary and adhoc basis with effect the dates mentioned against their names or until further orders, whichever is earlier.

- S. No.
- Name
- Period
- 1. Shri Joginder Singh, 2-3-81 to 1-5-81.
- 2. Shri R. L. Thakur 24-2-81 to 23-4-81.

S. BALACHANDRAN, Dy. Secy. Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS,

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND AR

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION,

New Delhi, the 18th March 1981

No. A-19021/1/81-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri H. K. Chakraborty, IPS (SPS-A&M) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 9-3-1981.

The 19th March 1981

No. A-22015/2/81/AD.V.—The President is pleased to appoint the following officers as Dy. Legal Advisers in the Central Bureau of Investigation in a substantive capacity with effect from 1-7-79:—

- 1. Shri Anand Sarup.
- 2. Shri J. G. Alamchandani.
- 3. Shri R. G. Gulabani.
- 4. Shri P. N. Nambisan.
- 5. Shri M. P. Singh.
- 6. Shri Rajinder Lal.

Q. L. GROVER, Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation.

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE New Delhi-110001, the 16th March 1981

No. F.2/11/80-Estt(CRPF).—Shri B. Varma, Inspector General of Police, Sector-III, CRPF New Delhi is appointed to hold additional charge of the post of Director, ISA, Mount Abu w.e.f., 27-10-79 till the appointment of a regular incumbent.

The 18th March 1981

No. O.II-1571/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Hampapur Rangaswamy Raghavan as General Duty Officer Grade-II (Dy. SP/Coy Commander) in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 5th March 1981 subject to his being medically fit.

A. K. SURI, Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 13th March 1981

No. 11/50/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint, on deputation, Shri M. M. Dua, Dy. Director of Census Operations in the office of the Registrar General, India, New Delhi to the post of Senior Research Officer (Social Studies) in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600 in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of the 23rd Feb., 1981, or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

- 2. The headquarters of Shri Dua will be at New Delhi.
- 3. The appointment, on deputation, of Shri Dua to the post of Senior Research Officer (SS) in this office will be governed under the terms and conditions of deputation as contained in the Ministry of Finance O.M. No. F. 10(24) E.III(B)/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

No. 10/4/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Shri Himakar, Assistant Director (Data Processing) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Director (Data Processing) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 18th February, 1981 or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shrl Himakar will be at New Delhi.

3. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon Shri Himakar any claim to regular appointment to the post of Deputy Director (Data Processing). The services rendered by him on ad-hoc basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to any higher grade. The above-mentioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discreation of the appointing authority without assigning any reason therefor.

The 20th March 1981

No. 10/45/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by transfer on deputation, Shri J. L. Wahi, Senior Investigator in the Ministry of Commerce as Research Officer in the office of the Registrar General, India. New Delhi, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 3rd March, 1981, or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

- 2. The headquarters of Shri Wahi will be at New Delhi.
- 3. The appointment, on deputation, of Shri Wahi as Research Officer in this office will be governed under the terms and conditions of deputation as contained in the Ministry of Finance O.M. No. F. 10(24)E.III(B)/660, dated 4-5-1961 as amended from time to time.

The 23rd March 1981

No. 10/40/79-Ad.I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri M. K. Jain, Lecturer in the International Institute for Population Studies, Deonar, as Senior Research Officer (Social Studies) in the office of the Registrar General, India New Delhi, in a temporary capacity, on a regular basis, with effect from the forenoon of the 5th March, 1981, until further orders.

2. The headquarters of Shri Jain will be at New Delhi.

P. PADMANABHA, Registrar General, India

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, MAHARASHTRA-I,

Bombay-400 020, the 28th February, 1981

No. Admn. I/Gen1/31-Vol. III/C-1(I)/17.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint the following Section Officers (Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officer from the dates mentioned against them, until further orders.

- 1. Shri C. V. K. Subramanian-13-11-1980 FN.
- 2. Shri M. W. Padwad ___ 16-2-1981 FN.
- 3. Shri N. G. Khapekar-16-2-1981 FN.

R. S. SHARMA, Sr. Dy. Accountant General/8

DEPTT. OF ACCOUNTANT GENERAL. ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 17th March 1981

No. Admn.I/8-132/80-81/479.—Shri A. Hanumantha Rao, Accounts Officer, Office of the Accountant General-I. Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 4-3-81 AN.

Sr. Dy. Accountant General (Adnn.)

MINISTRY OF LABOUR

LABOUR BUREAU

Simla-171004,the 11th April 1981

No. 23/3/81/CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial workers on base: 1960 = 100 increased

by seven points to reach 418 (Four hundred and eighteen) during the month of February, 1981. Converted to base: 1949 = 100 the index for the month of February, 1981 works out to 508 (Five hundred and eight).

A. S. BHARDWAI Director.

MINISTRY OF DEFENCE DGOF HQRS. CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 18th March 1981

No. 8/81/A/E-1(NG).—The Director General, Ordnance Factories is pleased to appoint Shrl K. P. Karunakaran, permanent Superintendent, Directorate of Cocoa, Arecanut and Spices Development, Calicut, Kerala as Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) with effect from 9-3-81 (F.N.) and posted at Ordnance Factory Board, Calcutta.

D. P. CHAKRAVARTI, ADGOF/Admin. for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE DEPARTMENT OF TEXTILES OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 16th March 1981

No. CLBI/1/6-G/80.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following amendments to the Textile Commissioner's Notification No. CLBI/1/6-G/71, dated 13th January, 1972 namely:—

In the Table appended to the said Notification against S. No. 15 for the existing entries under Column 2, 3 and 4 the following shall be substituted namely:—

(i) The Industries	Gujarat	12 (6), 12 (6A)
Commissioner,	State	12 (7A), 12(7AA)
1		12 (C), and
		12 (E).
City The Consult Management	Danmantina	10 (40 10 (41)

- (ii) The General Managers, Respective 12 (6), 12 (6A)
 District Industries District 12 (C),
 Centres of the following
 districts.
 - (1) Ahmedabad Including Gandhinagar District
 - (2) Amerli
- (3) Banaskantha
- (4) Baroda
- (5) Bhavnagar
- (6) Jamnagar
- (7) Baruch
- (8) Junagadh
- (9) Kheda
- (10) Kutch
- (11) Mchsana
- (12) Panchamahal
- (13) Rajkot
- (14) Sabarkantha
- (15) Surat
- (16) Surendranagar
- (17) Valsad, including Dang District.

No. 18(1)/77-CLB.II.—In exercise of the powers conferred on me by clause 11 of the Textile (Production by Powerloom) Control Order, 1956, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 15(2)/67-CLB.II/B, dated the 13th January, 1972 namely:—

In the Table appended to the said Notifications, against Serial No. 15 the existing entries under columns, 2, 3 and 4 shall be substituted by the following entries; namely:-

- (i) The Industries Commissioner. Gujarat 6, 6C.7A, 8 and Gujarat State, Ahmedabad. State 8A
- (ii) The General Managers, Respec-6, 6C and 7A. District Industries Centres tive of the following Districts. Districts
 - Ahmedabad including Gandhinagar District.
 - Amreli
 - (3) Banaskantha
 - Baroda
 - Bhavnagar Bharuch
 - (6) Jamnagar
 - (7) (8) Junagadh
 - Klieda
 - (10j Kutch
 - Mehsana
 - (12)Panchamahal
 - (13)Rajkot
 - (14) Sabarkantha
 - (15) Surat
 - Surendranagar
 - Valsad including Dang District.

M. MADURAI NAYAGAM Additional Textile Commissioner

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 10th March 1981

No. A-12025(ii) /3/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the February, 1981 and until further orders Shri Murlidhar Nomaji Borkar as Assistant Director Grade-II (Non-Technical) in the Weavers Service Centre, Calcutta.

No. A-32013/9/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the 25th February, 1981 and until further orders Shri Srinath Prasad, permanent Art Designer as Assistant Director Grade-I(Designs) in the Weavers Service Centre, Varanasi.

P. SHANKAR Joint Development Commissioner for Handlooms

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 17th March 1981

No. A.19018/497/80-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Dr. K. S. Murty as Deputy Director (Chemical) at Small Industries Service Institute, Cuttack with effect from the forenoon of 26-2-1981 until further orders.

The 18th March 1981

No. A.31013/20/77-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri M. L. Bhatia, Deputy Director (Food), Small Industries Service Institute, Bombay to the post of Assistant Director (Gr. I) (Fruit-Preservation) in Small Industry Development Organisation in a substantive capacity with effect from the 1st April, 1972.

> M. P. GUPTA Deputy Director (Admn,)

New Delhi, the 23rd March 1981

No. 12(21)/61-Admn.(G).—On the expiry of the term of his ad-hoc appointment as Director (Gr. II) (Mechanical) in Small Industry Development Organisation, Shri B. V. Gundu Rao relinquished charge of the post of Director (Gr. II) (Mechanical) at Small Industries Service Institute, Srinagar on the afternoon of 11-2-81 and assumed charge of the post of Deputy Director (Mechanical) at Small Industries Service Institute, Bangalore on the forenoon of 27-2-1981.

C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMN, SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 19th March 1981

No. A-6/247(384).—Shri R. K. Sarkar, Assistant Inspecting Officer (Engg.) working in the office of Deputy Director of Inspection, Kulti under Calcutta Inspectorate has been promoted to officiate as Inspecting Officer (Engineering) in the office of Director of Inspection, Calcutta, on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 2-3-1981 and until further orders.

2. Shri Sarkar relinquished the charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engg.) and assumed the charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) 2-3-1981 (FN).

> M. G. MENON Deputy Director (Admn.)
> For Director General of Supplies & Disposals

New Delhi-110001, the March 1981

No. A-6/247(276)/60.—Shri Ajoy Kumar Bose, substantive Assistant Inspecting Officer (Engg.) and officiating Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Calculta retired from Government Service on the afternoon of 28-2-1981 on attaining the age of superannuation.

The 19th March 1981

No. A-6/247(297)/60.—Shri S. C. Sengupta, Assistant Inspecting Officer (Engineering) and officiating Inspecting Officer (Pagineering) in the office of Director of Inspection, Calcutta retired from Government Service on the afternoon of 28-2-1981 on attaining the age of superannuation.

> M. G. MENON Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 24th February 1981

No.A-19011(279)/80-Estt, A.—On the recommendation the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Abdul Rehman to the post of Junior Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29-1-81.

> S. V. ALI Head of Office Indian Bureau of Mines

Nagpur, the 17th March 1981

A-31014/5/80-Estt, A .- Shri M. M. Dabri, officiating Publication Officer is confirmed in the post of Publication Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from 10-1-1976.

> D. N. BHARGAVA Controller

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 19th March 1981

No. C-5702/579-A.—The undermentioned officers who were appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (GCS Group 'B' post) are confirmed in their appointment with effect from 30th December 1980:—

- 1. Shri Samir Kumar Banerjee
- 2. Shri Dhirendra Kumar
- 3. Shri A. C. Dewan
- 4. Shri R. K. Chaudhary
- 5. Shri T. P. Mukherjee.

The 20th March 1981

No. C-5703/594.—The undermentioned Technical Assistants, Selection Grade, who were appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction on ad-hoc basis with effect from the date and as per Notification Nos., as stated against each, are now appointed to officiate on regular basis w.e.f. 6th December, 1980:—

Name Date of ad-hoc No. & Date of Present promotion Notification posting

1. Shri J. N. 22-6-79 (FN) Notification Map Publication Karkl No-C-5558/594 Directorate, dated 5th Dehra Dun.
October, 1979

2. Shri Dhum 11-7-79 (FN) Notification Pilot Map Singh No. C-5543/594 Production dated 24th Plant, August, 1979. Hyderabad.

No. C-5704/579-A.—Shri A. K. Chakraverty who was appointed to officiate as Assistant Head Engraver (GCS Group 'B'—Non-Gazetted post) is confirmed in his appointment with effect from 29th December, 1980.

K. L. KHOSLA Major General Surveyor General of India (Appointing Authority)

Dehra Dun, the 20th March 1981

No. El-5706/PF(K. C. Bhattacharjee).—On attaining the age of superannuation, Shri K. C. Bhattacharjee, Establishment & Accounts Officer, Group 'B' of Pilot Map Production Plant (CST&MP), Survey of India, Hyderabad retired from service with effect from 28th February, 1981 (A/N).

IQBAL SIDDIQUI, Major Engrs.
Assistant Surveyor General
for Surveyor General of India

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 19th March 1981

No. F.11-24/79(A.1) Estt.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the Director of Archieves, Government of India, hereby appoints Shri Chhedi Lal Prajapati, as Scientific Officer (Class II Gazetted) on regular temporary basis w.e.f. 16-2--1981 (F.N.) until further orders.

B. S. KALRA

Administrative Officer National Archives of India for Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO (CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi, the 13th February 1981

No. A-12023/3/77-CWI.—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri A. K. Sood, Assistant Architect of C.P.W.D., New Delhi as Assistant Architect 23—16G1/81

on deputation in the Civil Construction Wing of All India Radio, New Delhl in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the Afternoon of 31-1-1981 for a period of one year in the first instance.

The Pay and Allowances of Shri A. K. Sood will be regulated in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10/24/E-III/60, dated the 4th May 1961 as amended from time to time.

S. RAMASWAMY Engineer Officer to Addl. CE (Civil) for Director General

New Delhi, the 17th March 1981

No. 10/38/80-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Swapan Lal Chaudhuri as Assistant Engineer at H.P.T., All India Radio, Chinsurah in a temporary capacity w.e.f. 21-2-1981 (FN) until further orders.

The 19th March 1981

No. 10/33/80-SIII.—The Director General. All India Radio hereby appoints Shri Satish Kumar S. Modh as Assistant Fngineer at Doordarshan Kendra, Bombay in a temporary capacity w.c.f. 24-2-1981 (FN) until further orders.

No. 10/59/80-SIII.—The Director General. All India Radio hereby appoints Shri P. L. Baranwal as Assistant Engineer at Office of the Research Engineer. All India Radio, New Delhi in a temporary capacity w.e.f. 17-2-1981 (FN), until further orders.

The 20th March 1981

No. 10/29/80-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri P. L. Dave, Assistant Engineer at Doordarshan Kendra Cuttack in a temporary capacity w.e.f. 23-2-1981 (FN), until further orders.

No. 10/50/80-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri V. S. Prabhu as Assistant Engineer at All India Radio, Shillong in a temporary capacity w.e.f. 24-2-1981 (FN) until further orders.

No. 10/60/80-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Prakash Dehariya as Assistant Engineer at All India Radio Indore in a temporary capacity w.e.f. 17-2-1981 (FN) until further orders.

H. N. BISWAS
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi-1, the 18th March 1981

No. 5(116)/61-SI.—On attaining the age of superannuation Shri Mehar Singh, Programme Executive, External Services Division. All India Radio, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1981.

The 19th March 1981

No. 4(34)/80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri M. L. Arya as Programme Executive, All India Radio, Udaipur in a temporary capacity with effect from the afternoon of 21st February 1981 and until further orders.

The 20th March 1981

No. 6(92)/63-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri V. K. Bais, Field Reporter as Programme Executive, Radio Kashmir, Jammu in a temporary capacity with effect from the 24th February, 1981 and until further orders.

H. C. JAYAL Dy. Director of Administration for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 17th March 1981

No. A.19018/27/80-CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Mylaran Yadaiah to the post of Homocopathic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 21st February, 1981.

T. S. RAO Dy Director Admn. (CGHS)

(STORE I SECTION)

New Delhi, the 19th March 1981

No. A.19012/19/79-SI.—On attaining the age of superannuation, Shri Rattan Singh, Assistant Depot Manager, Government Medical Store Depot, Karnal retired from servcie on the afternoon of the 28th February, 1981.

SHIV DAYAL Dy. Director Administration (ST)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION (DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION)

Faridabad, the 19th March 1981

No. A.19023/65/78-A-III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group 'B'), Shri R. V. Kurup, who is working as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Calicut on ad-hoc basis, has been appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) on regular basis with effect from 21-2-81, until further orders.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE. (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 25th February 1981

No. PA/68(6)/77-R-V.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre extends the appointment of Shri Nagesh Sadashiv Khambekar as Scientific Officer/Engineer Grade SB in Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from the afternoon of February 28, 1981 on fixed term for a period upto the afternoon of February 28, 1982.

T. D. GHADGE Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 18th March 1981

No. AMD-1/26/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Miss Ambuja Sharadchandra Pradhan as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of March 16, 1981 until further orders.

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 18th March 1981

No. Ref. 05012/R4/PO-1288.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Annamalai Natarajan, a permanent Lower Division Clerk in the office of the Director of Supplies (Textiles) and officiating Assistant Accountant in Heavy Water Project (Tutlcorin), to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Office, in a temporary capacity on ad-hoc basis from April 14, 1980 (FN) to May 15, 1980

(AN) vice Shri A. N. Muthuswamy, Assistant Accounts Officer, Heavy Water Project (Tuticorin) appointed to officiate as Accounts Officer II. This issues in supersession of this office notification No. 05012/R4/OP/3955 dated September, 9, 1980.

No. Ref. 05012/R4/OP/ .—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Angarai Natesa Iyer Muthuswamy, a permanent Accountant of Rajasthan Atomic Power Project and officiating Assistant Accounts Officer in Heavy Water Project (Tuticorin) to officiate as Accounts Officer II in the same office, in a temporary capacity, on ad-hoc basis from April 14, 1980 (FN) to May 15, 1980 (AN) vice Shri K. K. Gopalakrishnan, Accounts Officer II, granted leave. This issues in supersession of this office notification No. 05012/R4/OP/3956 dated September 9, 1980.

The 20th March 1981

No. Ref. 05000/R1/OP/1351.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Pandarathil Padmanabhan Nambiar, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accountant in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Accounts Officer, in the same office, in a temporary capacity, on ad-hoc basis from the forenoon of December 5, 1980 to March 6, 1981 (AN) vlcc Smt. M. M. Karnik, Assistant Accounts Officer, transferred to PREFRE Expansion Project of BARC at Tarapur on promotion as Accounts Officer II. This issues in supersession of this office notification No. 05000/R1/OP/226 dated January 13, 1981.

SMT, K. P. KALLYANIKUTTY Adm. Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 16th March 1981

No. A.38015/2/80-ES.—Shri M. R. Kapoor, Stores Officer (Group 'B' Gazetted post) in the office of the Controller, Central Radio Stores Depot, Netaji Nagar, New Delhi, relinquished charge of his duties on the afternoon of the 28th February, 1981 on attaining the age of superannuation.

V. JAYACHANDRAN
Asstt. Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 19th March 1981

No. A.32013/10/80-E.I.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Ramachandran, Dy. Director/Controller of Aerodromes as Director of Aerodromes at Delhi Airport, Palam, on ad-hoc basis for a period of 6 months with effect from 13-3-81 (F.N.) or till the regular appointment is made, whichever is earlier.

S. GUPTA Deputy Director of Administration

New Delhi, the 18th March 1981

No. A.32013/4/79-ES.—The President is pleased to sanction the continued ad-hoc appointment of S/Shri N. Jayasimha and R. C. Gupta to the grade of Senior Aircraft Inspector beyond 13-8-1980 and upto 15-5-1981 or till the regular appointment to the grade are earlier on usual terms and conditions.

The 19th March 1981

No. A.32013/5/79-EC.—In continuation of this denartment's notification number A.32013/8/79-EC, dated 9-1-1981, the President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers, at present officiating as Technical Officer on

ad-hoc basis to the grade of Technical Officer on regular basis with effect from 2-7-80 and until further orders:—

S. No. Name

Station of posting

- Shri S. D. Bansal—Radio Constr. & Dev. Units, Safdarjung Airport, New Delhi.
- Shri K. S. Narayanaswamy—Aero-Comm-Station, Calcutta.
- 3. Shri H. S. C. Rao-Aero-Comm-Staiton, Bombay.

The President is also pleased to sanction the proforma promotion of Shri B. N. Chawla, Assistant Technical Officer who is on foreign assignment to Government of Libya to the grade of I'cchnical Officer on regular basis with effect from 2-7-80, the date on which his junior colleague viz. Shri S. D. Bansal is promoted and until further orders.

The 20th March 1981

No. A.32013/8/78-EC.—In continuation of this Department's Notification No. A.32013/9/79-EC, dated 21-7-80, the President is pleased to appoint Shri P. K. Dutta-I Assistant Communication Officer presently working as Communication Officer at Aeronautical Comm. Station, Calcutta on ad-hoc basis to the grade of Communication Officer on regular basis with effect from 22-7-80 and to post him at the same station.

The 20th March 1981

No. A.32014/2/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following three Communication Assistants to the grade of Assistant Communication Officer on ad-hoc basis w.e.f. the date indicated against each and to post them to the station indicated against each:—

- S. No., Name, Present station of posting, Station to which posted and Date of taking over charge
 - Shri A. N. Kutty—A.C.S., Bombay—ACS, Ahmedabad, 29-1-81 (FN).
 - Shri Govindrajalu—A.C.S., Nagpur—ACS, Nagpur, 22-12-80 (FN).
 - 3. Shri S. Dorairajan—A.C.S., Madras—ACS, Madras, 31-12-80 (FN).

V. JAYACHANDRAN Asstt. Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Kanpur, the 17th March 1981

No. 5/81.—The following Superintendents Group 'B' of this Collectorate retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the dates mentioned against each:—

Sl. No., Name of the officer & post held at the time of retirement and Date of retirement

S/Shrl

- B. C. Kapoor, Supdt. Central Excise, Gursahaiganj— 28-2-1981 A.N.
- A. N. Misra, Supdt. Central Excise, Kanpur-I Division—28-2-81 A.N.

J. RAMAKRISHNAN
Collector
Central Excise, Kanpur

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 19th March 1981

No. A-19012/840/80-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri M. C. Pande, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc

basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 10th September, 1980.

A. BHATTACHARYA
Under Secy.
Central Water Commission

MINISTRY OF RAILWAYS (R.D.S.O.)

Lucknow-226011, the 18th March 1981

No A/EP-482.—The resignation of Shri Naunit Lal, who held a lien on the post of Section Officer (Ministerial) of Research Designs & Standards Organisation (Ministry of Railways), Lucknow, has been accepted wef 1-9-1980 FN.

L. F. X FREITAS, Director-General/RDSO

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES KARNATAKA

In the matter of the Companies Act, 1956 and of G. V. Chemicals Private Ltd.

Bangalore-9, the 13th March 1981

No. 2454/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. G. V. Chemicals Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI Registrar of Companies Karnataka, Bangalore.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of S. N. Galtonde & Company Private Limited

Bombay-2, the 17th March 1981

No. 5470/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s S. N. Gaitonde & Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Aluminized Steels Limited

Bombay-2, the 17th March 1981

No.13432/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Aluminized Steels Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bombay Gunny Dealer Laminators Private Limited

Bombay-2, the 17th March 1981

No. 17985/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Bombay Gunny Dealer Laminators

Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

> O. P. JAIN Addl. Registrar of Companies, Maharushtra, Bombay.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of The Progressive Concerns Private Limited

Hyderabad, the 18th March 1981

No. 407/T(560).—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act 1956, that the name of The Progressive Concerns Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU Registrar of Companies, Andhra Pradesh, Hyderabad. In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Styro Films Limited

Madras-600 006, the 21st March 1981

No. 6652/560(5)/81,—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Styro Films Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE Asstt. Registrar of Companies Tamil Nadu

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 12th March, 1981

Notice No. 319/80-81.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Sy. No. 1,67 and 85 situated at Herambapura village, Kopp_a Taluka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Koppa under document number 161 on 16-7-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:

 Shri M. Upendra Prabhu S/o M Vaikunta Prabhu, Timber Merchant, Post: Belthangady, Kakshina Kannada.

(Transferor)

- 2) Shri Olwin Karkada
 - 2. Austin Karkada
 - 3. Shri Stanely Manamohan
 - 4. Shri Mohan Hubert
 - 5. Shri Christopher Karkada
 - r/o Grubert's Compound, Lower Bunder, Mangalore-575002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 161 dated 16-7-1980)
Following coffee estates known as "Stanely Estates" situated at Herambapura & Thonudi village, Koppa Taluk District Chikmagalur.

Village	Sy. No.	y. No. Class	Extent	
			Ac.	Gts.
	 1	Coffee	1322	
	67	.,	3835	
	85	.,	23-16	
		1 67	1 Coffee 67 ,,	Ac 1 Coffee 13 67 , 38

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 12-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 28th February, 1981

Ref. A.C.-101/R-IV/Cal./80-81.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Dag Nos. 777, 778, 779 and 776 situated at Mouja Rajopur, P. S. Domjur, Howrah. and

more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Howrah on 23-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Monoranjan Chowdhury, Shri Niranjan Chowdhury, Sunil Kumar Das, Sushil Kumar Das, Ajit Kumar Das,
 Madhusudhan Paul Chowdhury Lane, Belur, Howrah.

(Transferor)

 Smt. Sipra Ghosh, 34/5, Rabindra Sarani, Lilooah, Howrah.

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 Acres situate 1 at Mouja Rajpur, Domjur, Howiah, more particularly described as per Deed No. 2640 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date: 28-3-1981

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 13th March, 1981

Ref. No. J.A.C./C.A.-5/S.R. Havoli-1/509/80-81. -Whereas, I, A. C. CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, haiving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C. T. S. No. 1180, F. P. No. 558, T. P. Scheme No. I, Sub-Plot No. 7/1 situated at Shivajinagar, Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Haveli-I on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chandulal Walchand Gandhi, 1180, Shivajinagar, Pune-5.

(Transferor)

2) M/s. Shah Dixit Shah Associate, 182, Shukrawar Peth,

Pune

Partners: 1. Shri Mahendra Motilal Shah, C-60, Adinath Society, Punc-9.

2. Shri Manvendra Kumar Hari Dixit, 'Radha Rani', Ekopa Society,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at C. T. S. No. 1180, F. P. No. 558, T. P. Scheme No. I, Sub-Plot No. 7 shown in plan annexed to the instrument being Sub-Plot No. 7/1, Shivajinagar, Punc-5.

Property as described in the sale-deed registered under document No. 2428, date August 1980 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I, District Pune.)

A. C. CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 13-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 11th March 1981

Ref. No. III-470/Acq./80-81.—Whereas, I, H. Narain, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Thana No. 3, Tauzi No. 18224 Khata No. 38, Survey Khesra No. 907 situated at Rajapur, Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 17-7-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smi. Shanti Devi
 W/o Shri Rai Rameshwari Prasad,
 Resident of mauza Neel Kothi,
 Dehri-on-Sone,
 P. O. Dehri-on-Sone,
 Distt. Rohtas.

Transferor)

Shri Yogendra Kumar Jain,
 S/o Late Chakreshwar Kumar Jain,
 Devashram, Arrah, P. S. & P. O. Arrah,
 District Bhojpur.

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Kathas, 16 dhurs at Rajapur, Thana No. 3, Tauzi No. 18224, Khata No. 38, Survey Khasra No. 907. more fully described in deed No. 5541, dated 17-7-1980, registered with D. S. R. Patna.

H. NARAIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rango, Bihar, Patna.

Date: 11-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 17th March 1981

Ref. No. III/471/Acq./80-81.—Whereas, I, H. NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Part of plot No. 301 and 302 situated at Dhanbad Katras Road (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dhanbad on 2-7-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—24—16GI/81

 Shri Himanshu Pathak, S/o Manishankar Pathak resident of Prabhu Kuni, Katras Road, Dhanbad P. O. & P. S. Dhanbad Chowki, District Dhanbad.

(Transferor)

(2) M/s. Good will Properties, a partnership firm having its office at Katras Road, Danbad, O. P. & P. S. Dhanbad Chowki, Sadar Sub-registry office Dhan-

bad, District Dhanbad presently comprising of:

J. Smi. Kamelesh Jindal

. W/o Shri Surai Jindal.

- Sardar Rewal Singh Sethi, s/o Sardar Gurdit Singh Sethi and
- Shri Lakhmir Singh Sabarwal S/o Late Sárdar Jaswant Singh Sabarwal as partners.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of homestead land with all pucca and Khaparphosh buildings structure etc. measuring 5 Kathas and a half approximately being part of plot No. 301 and 30? situated at Dhanbad Katras Road, Dhanbad morefully described in deed No. 5468 dated 2-7-1980 registered with D. S. R. Dhanbad.

H. NARAIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna.

Date: 17-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 17th March 1981

Ref. No. III-472/Acq./80-81.—Whereas, I, H. NARAIN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

Part of plot No. 301 and 302 situated at Dhanbad Katras Road, (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 2.7 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Mukul Pathak
 S/o Manishankar Pathak,
 resident of Prabhu Kuni,
 Katras Road, Dhanbad,
 P. O. & P. S. Dhanbad Chowki,
 District Dhanbad.

(Transferor)

- (2) M/s. Good Will properties a partnership firm having its office at Katras Road, Dhanbad, P. O. & P. S. Dhanbad Chowki, Sadar Sub-registry Office Dhanbad, Distt. Dhanbad presently comprising of:
 - Smt. Kam lesh Jindal w/o Shri Suraj Jindal
 - 2. Sardar Rewal Singh Sethi, s/o Sardar Gurdit Singh Sethi,
 - 3 Lakhmir Singh Sabarwal, S/o Late Sardar Jaswant Singh, Sabarwal as partners.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of home stead land with all pucca and khapraphosh buildings structure etc. measuring 5 Kathas and a half being part of plot No 301 and 302 situated at Dhanbad Katras Road. Dhanbad more fully described in deed No. 5459 dated 2-7-80 registered with D. S. R. Dhanbad.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Pataa.

Date: 17-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 18th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-1/S. R.-III/7-80/665.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Phula Rani w/o Shri K. R. Monga r/o F-92, East of Kailash, New Delhl.

(Transferor)

(2) Atex India, C-237, Defence Colony, New Delhi through its partner Mrs. Vinita Ghulati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas K. No. 589, Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Dolhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 18-3-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, NEW DELHI

New Delhi, the 18th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-1/S. R.-111/7-80/664.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land situated at Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pentons, namely:—

 Smt. Phula Rani w/o Shri K. R. Monga r/o F-92, East of Kailash, New Delhi.

(Transforor)

 Atex India,
 C-237, Defence Colony, New Delhi through its partner Mrs. Vinita Ghulatl.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas K. No. 611, Village Gadaipur, Tchsil Mohrauli, New Delhi.

> R. B. L. AGGARWAL Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, New Dolhi.

Date: 18-3-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 18th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-1/S, R.-111/7-80/748.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at village Satbari, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ac., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Manohar Singh

s/o Shri Karam Chand

r/o Village Satbari, New Delhi

through attorney Shyam Singh

s/o Karam Chand r/o Village Satbari, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri A. P. Sahgal s/o Shri Ram Saran Dass r/o R-75, Groater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 18 bighas and 5 biswas, K. No. 1103, min. (West), Village Satbari, Tehsil Mehrauli, Now Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 18-3-1981

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 18th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-1/S. R.-III/7-80/749. —Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Satbarl, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following New Delhi on July, 1980

 Shri Manohar Singh s/o Karam Chand r/o Village Satbari, Tehsil Mehrauli, New Delhi through attorney Shyam Singh s/o Shri Karam Chand r/o Village Satbari, New Delhi.

Transferor)

(2) Shri A. P. Sahgal s/o Shri Ram Saran Dass, r/o R-7-5, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 18 bighas X 4 biswas K. No. 1103 min. (West), Village Satbari, Tehsil Mohrauli, Now Delhi.

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 18-3-1981

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 18th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-1/S. R.-III/75-80/663. --Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural land situated at Village Gudaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Smt. Balwant Kaur w/o Shri S. S. Monga r/o F 92, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

Atex India,
 C-237, Defence Colony,
 New Delhi
 through its partner Mrs. Vinita Ghulati.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas, K. No 612 (4-14), 613 min. (0-1), 613 min. (0-1), Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Dolhi.

Date: 18-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 18th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./S. R.-III/7-80/662.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land situated at Village Gadaipur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Balwant Kaur w/o Shri S. S. Monga r/o F-92, East of Kallash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Atex India, C-237, Defence Colony, New Delhi through its part ner Mrs. Vinita Ghulati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas, bearing K. Nos. 588/1 (2-4), 588/2 (2-0), 588/3 (0-12), Village G₄d₄ipur, Tehsil Mchrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 18-3-1981

Scal:

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 18th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/746.—Whereas R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Agricultural land situated at Village Satbari, Tehsil Mehraul New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

25--16GI/81

 Shri Sham Singh s/o Shri Karam Chand r/o Village Satbari, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Sahgal s/o Shri A. P. Sahgal r/o R-73, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 28 bighas and 8 biswas K. Nos. 1034 1 (1-18), 1034/2/1 (1-9), 1034/2/2 (1-9), 1038 (3-11), 1042 (0-17), 1047 (1-1), 1100 (18-3), Village Satbari, Tehsil Mohrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New 2 Delhi

Date: 18-3-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Mrs. Syrtle Seth,
 S-15, Greater Kailash-I,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Baluja Properties,E-1, Jhandewalan,New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI New Delhi, the 18th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/805.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural farm situated at Village Rajokri, Tehsil Mehrauli, Union Territory of Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afoersaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture farm mg. 14 bighas 9-1/2 biswas comprising K. Nos. 543, 544, 545, 546/1 & 1/4th share in 548, including a farmhouse in dilapidated condition with cattlesheds situated at Village Rajokri, Tehsil Mehrauli, Union of Territory of Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhl.

Date: 18-3-1981

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 18th March, 1981 Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S.R.-III/7-80/770.---Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Revenue Estate of Village Bijwasan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) familitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Malook Chand s/o Shri Todar r/o Village Bijwasan, Delhi.

(Transferor)

 M/s. Delhi Towers & Estates (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 22 bighas and 17 biswas comprised in Rect. No. 77, K. Nos. 24, 25 Rectangle No. 84, K. Nos. 4, 5 East, 6 West, 7 and 8 in the Revenue Estate of Village Bijwasan.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi,

Date: 19 3-1981

Sela 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 18th March 1981

Ref. No. I. A. C./Adq.-I/S. R.-III/7-80/639.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

C-63, situated at N. D. S. E.-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Globe Magnet (P) Ltd.,
 N-10, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

 (2) Shri Raj Kumar Gobindan Narwan s/o Shri Gobind Ram,
 301 Sangam Building,
 Ilird floor, Poddar Road,
 Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, first floor front portion in C-63, N.D.S.E.-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 18-3-1981

Seal 1

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri J. S. Lall S/o P. S. Lall r/o 83, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferor)

Shri Mahajan Woolens (P) Ltd.,
 N. D. S. E.-II, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 18th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-111/7-80/842.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Chhatarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 15 bighas and 4 biswas K. Nos. 1274 (3-7), 1275 (4-16) 1276/2 (4-3), 1279/2 (2-18), Village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 18-3-1981

Scal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 18th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S, R.-III/7-80/634.---Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 626/1 situated at Sat Nagar, Karol Bagh, Estate Basti Reger, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri Chandu Lal s/o Shri Ghasi Ram r/o 5018, Main Bazar, Paharganj, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Lal, Ashok Kumar and Parmod Kumar s/o Shri Jagan Nath, r/o 81/5728, Regarpura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2-1/2 storeyed house with mazenine and projections bearing No. XVI/11648, Gali No. 1, mg. 75 sq. yd. built on plot No. 626/1, Block No. 'U' or 1-A, situated at Sat Nagar, Karol Bagh, Estato Basti Reger, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhl.

Date: 18-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI

New Delhi, the 18th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-HII/7-80/747.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Sathari, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) Shri A. P. Sahgal s/o Shri Ram Saran Dass, r/o R-75, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 18 biswas and 4 biswas, K. No. 1103 min (West), Village Satbari, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 18-3-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 18th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/813.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No P/30 situated at Green Park Extension, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Moti Lal, H.U.F., J-4, Green Park Extension, New Delhi-110016.

(Transferor)

 Shri Dr. Anand Prakash Mathur s/o Permeshwar Dass Mathur,
 Mrs. Shashi Mathur w/o Dr. Anand Prakash Mathur, r/o P/11, Green Park Extension, New Delhi-110016.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2-1/2 storeyed property No. P/30, situated at Green Park, Extension, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 18-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 18th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/807.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

B-2/13, situated at Safdarjang Development Resd. Scheme, New Delhi

more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or oher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
26—16 GI/81

Shri Chiranjiv Batra
 s/o Late Col. K. R. Batra,
 r/o 105, Monte Mar Drive,
 Sausalito, San Francisco, California,
 U.S.A.

(Transferor)

(2) Smt. Neeta Ghumn w/o Shri Sukhjit Singh and Smt. Raj Kishori Devi wd/o Shri Rao Anand Singh both r/o Sahanpur Estate, P. O. Sahanpur, District Bijnor, U. P.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-2/13, admeasuring 418 065 sq. meters (500 sq. yds.) locality known as Safdarjang Development Residential Scheme, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi,

Date: 18-3-1981

f

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, NEW DELHI

New Delhi, the 18th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-J/S. R.-JII/7-80/659-A.--Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-13/6 situated at Vasant Vihar, New Delhi-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;

Shri Desh Bandhu Dutta,
 Magenta Bane,
 Northport,
 New York 11731.

(Transferor)

(2) Mrs. Tej Bain Kaur C/o A-13/6, Vasant Vihar, New D3lhi-57.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. A-13/6, Residential house situated in vasant Vihar, New Delhi built on a plot of land mg. 400 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 18-3-1981

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 19th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/680.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Village Jonapur, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Ballu s/o Sattan r/o Village Jonapur, New Delhi

(Transferor)

Eicher Tractors India Ltd.,
 Deen Dayal Upadhayay Marg,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 3 bighas and 10 biswas, M. No. 15, Killa No. 25 min. situated in Village Jonapur, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 19-3-1981

Scal:

FORM LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 19th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-l/S. R.-III/7-80/723.—Whereas 1, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Dera Mandi, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Roop Chand s/o Tofa r/o Village Dera Gaon Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri V. J. Shah, Family Trust through trustee Viren J. Shah c/o 226, Bajaj Bhavan, 2nd floor, Nariman Point Bombay 2. Shri Jadavdevi Rajesh Trust, through trustee Rajesh V. Shah & Jadavdevi Suketu Trust through Suketu V. Shah, C/o 41, Bhulabhai Desai Road, Bombay.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 16 bighas and 6 biswas M. No. 42, Killa No. 6/2 (1-18), M. No. 43, Killa No. 9 (4-16), 10 (4-16), 11 (4-16), Village Dera Mandi, Tehsil Mehrauli, New Delhi,

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 19-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Ballu s/o Sattan r/o Village Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

Eicher Tractors India Ltd.,
 Deen Dayal Upadhyay Marg,
 New Delhi.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 19th March 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/681.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land situated at Village Jonapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 3 bighas and 10 biswas, M. No. 16, Killa No. 20 min. situated in Village Jonapur, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 19-3-1981

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI New Delhi, the 19th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S, R,-III/7-80/683.—Whereas, 1, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land situated at Village Jonapur, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ballu s/o Sattan r/o Village Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

Eicher Tractors India Ltd.,
 Deen Dayal Upadhyay Marg,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ay it altural land area 3 big'ars M. No. 16, killa No. 20 (0-8), 21 (1-6), 22 (1-6), situated in Village Jonapur, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income -tax,
Acquision Range-I, New Delhi

Date: 19-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 19th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/682,---Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ballu s/o Sattan r/o Village Jonapur New-Delhi.

(Transferor)

(2) Eicher Tractors India Ltd., 212, Deen Dayal Upadhyaya Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 3 bighas and 10 biswas, M. No. 16, Killa No. 21 min. Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi,

Date: 19-3-1981

Soal:

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI New Dehli, the 19th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/697.— Where I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Jonapur, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhuley
s/o Ginna, Bangali,
Prithi
s/o Puran,
Kartar Singh
s/o Nathu,
Roop Chand
s/o Puran
r/o Village Jonapur,
New Delhi,

(Transferor)

Eicher Tractors India Ltd.,
 Deen Dayal Upadhayay Marg,
 New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 2 bighas and 8 biswas K. No. 16/11/1, situated in Village Jonapur, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authortiy,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-J, New Delhi

Da**te #**19-3-1981 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 19th March, 1981 Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/685.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
27—16GI/81

 Shri Ballu s/o Sattan r/o Village Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Eicher Tractors India Ltd., 212, Deen Dayal Upadhyay Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 3 bighas and 10 biswas, M. No. 15, killa No. 16 min. situated in Village Jonapur, Tehsil Mehrauli, New Delhi,

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 19-3-1981

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 19th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/684.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe tha the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land situated at Village Jonapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ballu s/o Sattan r/o Village Jonapur, New Delhi

(Transferor)

Eicher Tractors India Ltd.,
 Deen Dayal Upadhyay Marg,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 3 bighas and 10 biswas, M. Statil No. 15, killa No. 16, min. (1-6), M. No. 15, killa No. 25 min (1-6), M. No. 16, situated in Village Jonapur, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lex,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 19-3-1981

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 19th March 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/660,---Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land situated at Village Satbari, Tchsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Birinder Singh Rana s/o Shri Sahib Singh Rana r/o G-63, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kul Rattan Chadha s/o Shri Amar Nath Chadha r/o 1/22, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 16 bighas, K. Nos. 573 (2-19), 574/2 (3-4), 574/1 (1-11), 575 (5-2), 584/1 (3-4), with farm house, situated in Village Satbari, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 19-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 19th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/ S. R.-III/7-80/696.—Whereas, I R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land situated at Village Jonapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhuley
s/o Ginna Bangali,
Prithi,
s/o Puran,
Kartar Singh,
s/o Nathu,
Roop Chand
s/o Puran
r/o Village Jonapur,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Eicher Tractors India Lid., 212, Deen Dayal Upadhyay Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas, K. No. 16/10, situated in Village Jonapur, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometex
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 19-3-1981

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I, NEW DELIH

New Delhi, the 19th March 1981

Ref. No. I. A. C./Aoq.A/S. R.-III/7-80/686.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land situated at Village Jonapur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ballu
 Sho Shri Sattan
 r/o Village Jonapur,
 New Delhi.

(Transferor)

Eicher Tractors India Ltd.,
 Deen Dayal Upadhyay Marg,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 3 bighas and 10 biswas M. No. 16, killa No. 22 min. situated in Village Jonapur, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 19-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 19th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R,-III/7-80/721.—Whereas I, R. B. L. RWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Dera Mandi, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sher Singh
 s/o Jaharia &
 Mahipal
 s/o Bahadur
 r/o Village Dera Gaon, Tehsil Mehrauli,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri V. J. Shah Family Trust through its trustee Viren J. Shah c/o 226, Bajaj Bhavan, 2nd Floor, Nariman Point, Bombay; Jadavdevi Rajesh Trust, through trustee Rajesh V. Shah and Jadavdevi Suketu Trust through Suketu V. Shah C/o 41, Bhulabhai Desal Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Agricultural land area 20 bighas and 2 biswas M. No. 43, Killa No. 3 (4-5), 8 (4-5), 12 (4-16), 13 (4-5), 18-19 (2-11), Village Dera Mandi, Tohsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 19-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 19th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/720.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri. land situated at vill. Dera Mandi, Tehsil Mehrauli, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Sher Singh
s/o Jaharia
and Mahipal
s/o Bahadur
r/o Villago Dera Gaon,
Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

2 Shri V. J. Shah Family Trust, through its Trustee Viren J. Shah c/o 226, Bajaj Bhavan, 2nd floor, Nariman Point, Bombay. Jadavdevi Rajesh Trust, through trustee Rajesh V. Shah and Jadavdevi Suketu Trust, through Suketu V. Shah c/o 41, Bhulabhai Desai Road, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Agricultural land area 20 bighas & 2 biswas M. No. 43, Killa No. 3 (4-5), 8 (4-5), 12 (4-16), 13 (4-5), 18-19 (2-11), Village Dera Mandi, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 19-3-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 13th March, 1981

Ref. No. L. C. 492/80-81.—Whoreas, I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

l as per schedule situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Trichur on 11th July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Malathi,
W/o Chakkamadathil Sathyavrathan,
Saw Mill Road,
Koorkencherry,
Trichur.

(Transferors)

(2) M/s. Soni Harilal & Co., High Road, Trichur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expines later;
- (b) by any other person interested in the said immovsible property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 right over 19-3/4 cents of land with a building in Sy. No. 1166/4 of Trichur Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 13th March, 1981.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 16th March, 1981

Ref. No. L. C. 493/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ernakulam on 7th July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
28—16GI/81

 Kalladatharaparambilirikkum Koovaparambil K.A. Abdulkhader, Ernakulam.

(Transferor)

(2) Shri T. Sudhakaran, Anand Hardwaros, Cloth Bazar Road, Cochin-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1 .800 cents of land with a part of the godown and compound wall.

V. MOHANLAL Competett Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Ernakulam

Date: 16th March, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Ernakulam.

(2) Smt. Latha S. Das,
Anand Hardwares.

(Transferor)

 Smt. Latha S. Das, Anand Hardwares, Cloth Bazar Road, Cochin-11.

(1) Shri K. A. Abdulkhader,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 16th March 1981,

Ref. L. C. 494/80-81.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ernakulam on 7th July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Kalladatharaparambilirikkum Koovaparambil Veedu,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6.1 cents of land with a godown in Sy. No. 792/3 of Ernakulam Village.

V. MOHANLAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax,
Acquisition Range, Erlukaanna

ubing

Date: 16-3-1981 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 16th March 1981

Ref. L. C. 495/80-81.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ernakulam on 7th July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri K. A. Abdulkhador, Kalladatharaparambilirikkum Koovaparambil, Ernakulam.

(Transferor)

(2) Shri T. Rajcevan, Anand Hardwares, Cloth Bazar Road, Cochin-11.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.800 cents of land with the godown and Compound Wall in Sy. No. 792/3 of Ernakulam Village.

V. MOHANLAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 16-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ref. L. C. 497/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Poonithura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tripunithura on 29th July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Radhamma, W/d Sri Sivaraman Nair, Naduviledathu Veettil, Irumpanam.

(Transferor)

 Shri P. Thomas, S/o Shri Philipose Medayil Puthenpurayil, Neduman Muri.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

14 cents of land in Sy. No. 959/3 of Poonithura Village vide document No. 2842/80 dated 29-7-1980.

V. MOHANLAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Rango, Ernakulam.

Date: 16-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ERNAKULAM

Ernakulam, the 16th March, 1981

Ref. L. C. 496/80-81.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing at

Sy. No. as per schedule situated at Poonithura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Tripunithura on 28th July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Radhamma, W/o Sivaraman Nair, Naduviladathu Veettil, Irumpanam.

(Transferor)

(2) Smt. Rosamma Jacob, D/o Shri Scariah, Charuvile Molethil House, Parakootumuri

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 cents of land in Sy. No. 959/3 of Poonithura Village vide document. No. 2833/80 dated 28-7-1980.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 16-3-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 19th March 1981

Ref. L. C. 498/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Alleppey

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Alleppey on 15-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Smt. Rosamma,
 2. Shri Thomas,
 S/o Joseph,
 32, 249, Asramom Ward,
 Alleppey.

(Transferors)

(2) 1. Shri K. P. Harilal,
2. Smt. Suvarna Harilal,
Kelamangalam,
South Aryad, Alleppey.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

23 cents of land with a building as per schedule attached to Doc. No. 2504/80.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Etnakulam

Date: 19-3-1981

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta-16, the 28th February 1981

Ref. Ac.-102/R-IV/Cal./80-81.—Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. R. S. N. 7306, 731 situated at M. N. Shah Road, Asansol Burdwan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Asansol on 25-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Ram Rakshi Debi of Hatton Road P. O. & P. S. Asansol, Burdwan,

(Transferor)

(2) Shri Chittaranjan Banerjee, Hatton Road, P. O. & P. S. Asansol, Burdwan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 K, 1 Ch. & 16 sq ft with building situated at M. N. Shah Road, P. S. Asansol, District Burdwan, more particularly described as per Deed No. 4936 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta-16

Date: 28-2-1981

for:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 18th March 1981

Ref. No. T. R.-338/80-81/Acq.- R.-I/Sl. No. 570-Whereas. I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 68 situated at Serpentine Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 2-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Shri Anil Kumar Mitra
- (2) Shri Manik Lal Dey

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 cottahs 6 chittacks 20 sq. ft. with T. C. and C. I. roof shed brick building situated at 68 Serpentine Lane, Calcutta, registered vide Deed No. I-3912 dt. 2-7-80 in the office of Registrar of Assurance, Calcutta.

> I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Calcutta,

Date: 18-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 16th March 1981

Ref. No. 15/July/80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 46-A (T. S. 2587/B-1 & 2587/B-2 situated at Chairman Muthuramier Road, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Joint Sub-Registrar-II, Madurai on 15-7-1980 (House-Document No. 3562/80).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the nequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

29—16 GI/81

 Smt, A. H. S. R. Rukmani Ammal, W/o A. H. S. Ramasamy Iyer,
 Dr. No. 47, Chairman Muthuramier Road, Maduraj.

(Transferor)

(2) Shri A. R. Rathinam, S/o Late H. S. Ramusamy Iyer, No. 214, Kamarajar Salal, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & bailding (at Dr. No. 46-A, Chairman Muthuramier Road, Madurai-Document No. 3562/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 16-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 16th March 1981

Ref. No. 37/July/80.—Whereas, I R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 33 (Old No. 85/86), situated at Narayana Mudali Street, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. O., Sowcarper, Madras (Document No. 437/1980) (House and ground) on 31-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Subhadra Bai Baidas Krishna Das T. Darbar, Dr. Abil Kumar K. Darbar, Hema Mahendra Shah and Anuradha D. Jhaveri, No. 1, Nowroji Road, Madras-31.

(Transferor)

 Mr. Rajkumar Maheshwari, No. 58, Narayana Mudali Street, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(House and ground bearing Old Dr. No. 85/86 and New Dr. No. 33, Narayana Mudali Street, Madras—Document No. 437/1980).

R, RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 16-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1691 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 16th March, 1981

Ref. No. 38/July/80—Whereas, J. R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2 (Old No. 18) situated at Iyya Mudali Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Sowcarpet (Document No. 447/1980) on 31-7-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) E. Dharanipathi,
 - D. Kumar,
 - D. Kannan,
 - D. Prema.
 - D. Suresh,
 - E. Venkatesh,
 - E. Manickam,

E. Maniyannan and

E. Neelavathi,

No. 2, Iyya Mudali Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Manor Bai Kothari, No. 3, Bommulier Street, Madras-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House, ground and premises at No. 2, Iyya Mudali Street, Madras-1 (Old No. 18)—Document No. 447/1980).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras

Date: 16-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS

Madras, the 16th March, 1981

Ref. No. 53/July/80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19/T.S. 933, situated at Dhanappa Mudali Agraharam, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.-I, Madurai (Document No. 3775/80) on 31-7-1980 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or svasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri M. S. Ramasamy Iyer,
 S/o Muthu Venkatasubramania Iyer,
 No. 147, Molmangalam Village 4th Street,
 Perlakulam Taluk,
 Madurai Dt. (Tamil Nadu)

(Transferor)

(2) Shri N. Jegannathan, S/o Shri K. M. Natarajan Chettiar, No. 220, Naicker New Street, Madurai (Tamil Nadu).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Dr. No. 19/T. S. No. 933, Dhanappa Mudali Agraharam, Madural—Document Nos. 3775/80.

R. RAVICHANDRAN
Competent Authrity
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Date: 16-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 16th March, 1981 Ref. No. 54/July/80,—Whereas, I. R. RAVICHANDRAN

being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19/T.S. 933 situated at Dhanappa Mudali Agraharam, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Joint Sub-Registrar-I, Madurai (Document No. 3779/80) on 31-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri M. S. Ramasamy Iyer,
 S/o Shri Muthu Venkatasubramania Iyer,
 No. 147, Melmangalam Village 4th Street,
 Periakulam Taluka,
 Madurai District (Tamil Nadu)

(Transferor)

(2) Shri N. Jegannathan, S/o Shri K. M. Natarajan Chettiar, No. 220, Naicker New Street, Madurai (Tamil Nadu)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 19/T. S. No. 933, Dhanappa Mudali, Agraharam, Madurai—Document No. 3779/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Date: 16-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 16th March, 1981

Ref. No. 55/July/80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door No. 46-A (Plot No. 12), situated at Chairman Muthuramier Road, Madurai

at Deonar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay at Joint Sub-Registrar-1, Madurai (Land and Building—Document No. 3825/80) on 31-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a, facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- V. Sundram,
 S/o Vembu Nadar,
 V. S. V. Nathan,
 S/o V. Sundaram,
 V. S. Manimaran,
 S/o V. Sundaram,
 No. 46-A, Chairman Muthuramier Road,
 - (Transferor)

(2) 1. T. S. Balakrishnan, and 2. T. S. Rajendran, No. 172, East Veli Street, Madurai-9.

Madurai.

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underesigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Dr. No. 46-A, Chairman Muthuramler Road, Madurai—Document No. 3823/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 16-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras, the 16th March, 1981

Ref. No. 60/July/80.—Whereas, I R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 34 (Old No. 22 Part), situated at Thandavaraya Gramani Street, Madras-21

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Royapuram Madras (Document No. 1263/1980) on 31-7-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri S. P. Rajendran and Shri S. P. Mahendran, No. 34, Thandavaraya Gramani Street, Madras-21.

(Transferor)

(2) Shri A. Dhanam, Shri A. Selvi and Shri Rathinam, No. 13, Valluvan Street, Old Washermenpet, Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Dr. No. 34, Thandavaraya Gramani Street, Madras-21—Document No. 1263/1980).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras

Date: 16-3-1981

Seal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 16th March, 1981

Ref. No. 73/July/80.—Whereas, I R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 7, Umayal Road, situated at Alagappa Nagar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar-I, Madras North (Document No. 2789/1980) on 15-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shaz Desh Begam Shashatary,
 17th Avenue, Harrington Road, Madras-31.

(Transferor)

Ashok Kumar Jain
 Sumathi Prakash Jain
 Chandra Prakash Jain
 No. 88, Narayana Mudali Street,
 Madras-1.

(Transfer∞)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

House and ground premises at Door No. 7, Umaya !Road, Alagappa Nagar, Madras-Document No. 2789/1980).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras.

Date: 16-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 16th March, 1981

Ref. No. 95/July/80.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T. S. No. 818/P, situated at Virudhunagar (Ramanatha-puram District)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Joint Sub-Registrar-II, Virudhunagar (Document No. 1748) on 15-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuid property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri M. Muniappa Nadar, S/o Sri Marimuthu Nadar, S. M. G. School Street, Virudhunagar.

> Shri M. Subramanian, S/o Sri M. Muniappa Nadar, S. M. G. School Street, Virudhunagar.

(Transferor)

(2) Chokkar Poly Bags, Sole Proprietor R. Chokkar, S/o Sri Rajakkani Nadar, Virudhunagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T. S. No. 818/P, Virudhunagar Town, Ramanathapuram District (Tamil Nadu)—Document No. 1748/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date: 16-3-1981

Seal:

30-16GI/81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER, OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 16th March, 1981

Ref. No. 96/July/80.—Whereas, I R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

T. S. No. 818/P and 11/3A, situated at Saleempatti, Virudhunagar (Ramnad District)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Joint Sub-Registrar-II, Virudhunagar (Document No. 1749/80) on 15-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri M. Muniappa Nadar, S/o Sri Marimuthu Nadar, S. M. G. School Street, Virudhunagar.
 - Shri M. Subramanian, S/o Shri M. Muniappa Nadar, S. M. G. School Street, Virudhunagar.

(Transferor)

(2) Shri R. Chokkar, Guardian of Minor Sree Raja, Kashim Boi Road, Virudhunagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T. S. No. 818/P, Saleempatti, Virudhunagar, Ramanathapuram District Document No. 1749/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras,

Date: 16-3-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 10th March 1981

Ref. No. 9049.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mariamman Koil Street, Pondicherry, situated at Pondicherry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Pondicherry (Document 1400/80) on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ganesan (A) Ganapathy Chettiar, 33C, Bharathipet, Chidambaram Tk.

(Transferor)

 Shanmugham S/o Vasudeva Chettiar, Sengunthar Street, Mudaliarpet Commune, Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Mariyamman Koil Street, Pondicherry (Document 1400/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
at Commissioner of Income-tax.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras.

Date: 10-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 10th March 1981

Ref. No. 9059—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Saram Village, situated at Oulgaret Commune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Pondicherry (Doc. 1402/80) on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 V. Kangeyan, Barani Illam, Kamaraj Salai, Pillaithottam, Pondicherry-11.

(Transferor)

(2) T. A. H. Zubaidaammal,A. Kathi,D. Zcenat,

42, Suffren Street, Pondicherry-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Saram Village Oulgaret Commune (Document No. 1402/80).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras.

Date: 10-3-1981

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 10th March, 1981

Ref. No. 10915,—Whereas, I, RADHA BALKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Thangamani Theatre, situated at Ooty Road, Gudalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gudalur (Document No. 991/80) on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 A. Shanmughasundaram, S/o Annamalai Chettiar, Rajagopalapuram, Gudalur.

(Transferor)

(2) K. K. Durairaj, S/o R. Kannappan, Rajagopalapuram, Gudalur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Thangamani Theatre Ooty Road, Gudalur (Document No. 991/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 10-3-1981

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 10th March, 1981

Ref. No. 10892.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 88-K-4 Pollachi Raja Mill Road, situated at Pollac (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Document No. 1970/80) on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S. Ramakrishnan & Co., Rajamill Road, Pollachi

(Transferor)

- (2) Manian (A) Subramania GounderC. M. Kamaraj,C. M. Hariraj,
 - 98, Mannath Lane, Trichur, Kerala

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building and machinery at 88-K-4, Raja Mill Road, Pollachi (Document No. 1970/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 10-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 10th March 1981

Ref. No. 10874.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value erceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25/22, Anumanthayyan Koil situated at Lane, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Document No. 3867/80) on July, 1980 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) R. Shanmugham Chettiar S/o Nachiyappa Chettiar Hanumantharayan Lane, Coimbatore.

(Transferor)

(2) S. Lalitha, 33/93, Nadar Street, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 25/22, Hanumanthayyan Koil Lane, Coimbatore (Document No. 3867/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 10-3-1981

şeal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 R. Shanmugham Chettiar, S/o Rasiappa Chettiar, Hanumantharayan Koil Lane, Coimbatore.

(Transferor)

M. Ragini
 W/o N. Mani Achari,
 33/93, Nadar Street, Coimbatore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 10th March, 1981

Ref. No. 10874.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

25/22, Hanumantharayan, situated at Koil Lane, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Document No. 3868/80) on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of

1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 25/22, Hanumantharayan Koil Lane, Coimbatore (Document No. 3868/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-3-1981

Seal;

FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 10th March, 1981

Ref. No. 10869.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 29/11, Talakar Street, situated at R. S. Puram, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer.

at Coimbatore (Doc. No. 3998/80) on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

31—16GI/81

 S. Siddiveerayyan, 29/11, Talakar Street, R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri Rangammal W/o S. Arumugham, 11/4, Mecrikal Road, R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 29/11, Talakar Road, R. S. Puram, Coimbatore (Document No. 3798/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras,

Date: 10-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 10th March 1981

Ref. No. 10886.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

9A/1, Chinnappa Gounder Street, situated at Kappakonanpudur, Saibaba Colony, Colmbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Coimbatore (Document 2563/80) on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) P. Subramaniam, Rathnasabapathy Thiagarajan, Madhivanan, 9A/1, Saibaba Colony, Coimbatore.

(Transferor)

(2) S. Amirdham, 1D, Pethichettiyapuram, Tiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 9A/1, Salbaba Colony, Coimbatore (Document No. 2563/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 10-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 10th March, 1981

Ref. No. 10867.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 16/33, Lingappa Chetty Street., situated at Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Document No. 3681/80) on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sall Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

K. Lakshmi
 S/o P. Narayanan
 16/33, Lingappa Chetty Street.,
 Colmbatore.

(Transferor)

(2) Malli Chetty,Venkataraman,Subramanian,16/56, Sukravarpet Street.,Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 16/33, Lingappa Chetty Street., Coimbatore (Document No. 3681/81).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 10-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 10th March 1981

Ref. No. 10896.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 178, situated at Valiyaveedu, Ooty (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ooty (Document No. 1046/80) on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dr. P. A. Johnson, Mrs. Elizabeth Johnson, Dil Pasant. T.C. No. 11/1510, Nanthancode, Charachira. Trivandrum District, Kerala.

(Transferor)

(2) S. Senthikumar, Mrs. S. Leclavathi, 91, Alagesan Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 178, Valiyaveedu Ooty (Document No. 1046/80).

> RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras.

Date: 10-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 10th March 1981 Ref. No. 9057.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 5 to 9, Second Lane, situated at Arunachalam Chettiar Street, Sekkalai, Karaikudi-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karaikudi (Doc. No. 720/80) on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Vasudeva Iyer,
 Subramanian,
 Mahalingam Sundararaman,
 9, Cross Street, IInd,
 Arunachalam Chettiar Street,
 Sekkalai, Karaikudi.

(Transferor)

(2) L. Gnanambal Achi, W/o Lakshmanan Chettiar, Shanmughanathapuram, Devakottai Taluka, Ramnad District.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 5 to 9, Second Lane, Arunachalam Chettiar Street, Sekkalai, Karaikudi-2. (Document No. 720/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 10-3-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 10th March, 1981

Ref. No. 9048,—Whercas, I, RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15A, 15B, 15C, Madathu Street, situated at Kumbakonam

(and more fully described in the Scheduled annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumbakonam (Document No. 1234/80) on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor as more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Yogambal
 W/o P. S. Subramaniam,
 North Hozur Road,
 Coimbatore.

(Transferor)

(2) D. RadhakrishnanR. Ambika,16, Thukkampalayam Street,Kumbakonam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 15A, 15B, 15C, Madathu Street, Kumbakonam (Document No. 1234/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Madras

Date: 10-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 10th March 1981

Ref. No. 9052.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Manachanallur Natham, situated at Manachanallur Natham (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirangam (Document No. 1632/80) on March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) V. R. Perumal,
 - V. R. Thangaraj,
 - V. R. Rathinam,
 - A. Thiruvengadam,
 - V. Rajangam,
 - A. Thiruvengadam,
 - A. Ramaswamy,
 - A. Thangaraj,
 - Jayaprakash,
 - Rajendran,
 - Narayanan,
 - Rangan,
- Nethaji Road, Vasudevapuram,

Srirangam, Trichy.

(Transferor)

(2) Sri Krishna Rice Mill, Melkavalkara Street, Manachanallur, Trichy District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Manachanallur, Natham, (Document No. 1632/80).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras.

Date: 10-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 10th March 1981

Ref. No. 9118.—Whereas, J. RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 78, Madurai Road, Trichy, situated at Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Trichy (Document No. 1969/80) on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Doraiswamy Nadar, Chinnaswamy Nadar, Rathinasamy Nadar, 0/33, 34, 35, Jceva Nagar, Trichy-8.

(Transferor)

M. Palani Andi Pillai M. Periaswamy,
 Nallavandu Naidu Lane
 Thuraiyur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 78, Madural Road, Trichy (Document No. 1969/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madrs.

Date: 10-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 10th March 1981?

Ref. No. 15601.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 26, Santhome High Road, situated at Madras-4,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Document 1381/80) on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
32—16GI/81

The Mahalakshmi Textile Mills Ltd.,
 Vallabhai Road,
 Chokkikulam,
 Madurai-2.

(Transferor)

(2) Ferdous Estates (P) Ltd., 27, Luz Avenue, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any to the acquismon of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inverested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 26, Santhome High Road, Madras-4 (Document No. 1381/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras

Date: 10-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Madras, the 10th March 1981

Ref. No. 15601.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 27, Santhome High Road, situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1382/80) on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Mahalakshmi Textile Mills Ltd.
 Vallabhai Road, Chockikulam, Madurai-2.

(Transferor)

(2) Mohammed Hancefa, Ayyampettai, Tanjore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 27, Santhome High Road, Madras-4, (Document No. 1382/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 10-3-1981

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. R. A. C. 473/80-81.—Whereas, 1, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 403/4th Floor situated at Deccan Towers, Bashirbag, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh,
 Hyderabad
 Represented by Sri Ghlasuddin Babukhan
 S/ o Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

 Dr. (Mrs.) Ismathi Siddiqui, 5-7-368, Agapura, Hyderabad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403 in 4th Floor in the Minor Aparttments in premiscs No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7896/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE- HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. R. A. C.-474/80-81.—Wherea, I, S. GOVIN-DARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25-000/- and bearing No.

No. Flat No /4th Floor situated at Doccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer

at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 at 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/. Hyderabad Builder,
 5-9-59, Bashirbagh,
 Hyderabad.
 Ropresented by Shrl Ghiasuddin Babukhan,
 S/o Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111, Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Jayaprakash Kolli, 11-2-553, Sultana Nawaz Jung Devdi, Old Agapura, Hyderabad.

(Fransfera)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 in 4th Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (knows as Decean Towers) with built up area of 1020 sq. ft., registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7897/80.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1 981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD Hyderabad, the 3rd March, 1981

Rof. No. R. A. C. 475/80-81.—Whereas, I, S. GOVIN-DARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 604/6th Floor, situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/. Hyderabad Builder,
 5-9-59, Bashirbagh,
 Hyderabad.
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan
 S/o Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111, Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

Mohd. Rasheeduddin Quereshi,
 H. No. 22-1-579, Noor Khan Bazaar,
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604 in 6th Floor in the Minor/Mogul Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirabagh, Hyderabad (knows as Deccan Towers) with built up area of 1020 q. ft., registered with Sub Registrar, Hyderabad vide Document No. 7898/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad-

Date: 3-3-1981

Sael:

FORM IINS....

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. R. A. C./476/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 606/6th Floor situated at Deccan Towers, Bashir bagh, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the paties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builder,
 5-9-59, Bashirbagh,
 Hyderabad.
 Represented by Shri Ghiasuddin Babukhan,
 S/o Ghiasuddin Babukhan
 s/o Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzii",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor

(2) Mohd. Wahoedullah, 23-1-291, Kotla Alirah, Hyderabad.

(Trans ferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 606 in 6th Floor in the Minar Apart ments in promises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (know as Deccan-Towers) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7899/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-3981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. R. A. C./477/80-81,—Whereas, I. S. GOVIN-DARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 607/6th Floor, ituated at Deccan Towers, Bashirbagh Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh,
 Hyderabad.
 Represented by Shrl Ghiasuddin Babukhan
 S/o Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Rehna Begum, G.P.A., Sri Mirza Aban Baig, H. No. 17-9-157, Kurmaguda, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 607 6th Floor in the Minar Apartments in presmises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (knows as Deccan Towers) with built up area of 1020 sq. ft, registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7900/80.

S. GOVINDARA JAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acqui ition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. R. A. C./478/80-81.—Whereas, I, S. GOVIN-DARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 608/6th Floor situated at Deccan Tower, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad.
 Represented by Shri Ghiasuddin Babukhan S/o Late A. K. Babukhan, "Nishat Manzil", 6-3-1111 Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

 Shri Eqbal Shama, H. No. 21-4-199, Hussainialam, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the arcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No: 608 in 6th Floor in the Minar/Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 7901/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD
Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. R. A. C./479/80-81.—Whereas, I. S. GOVINDA RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing :

No. Flat No. //th Floor situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad and

more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
33—16 GI/81

M/s. Hyderabad Builders,

 5-9-59, Ba hirbagh,
 Hyderabad.

 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan S/o Late A. K. Babukhan,

 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. V. Padmaja Reddy, 4-1-211, Eden Bagh, King Koti Road, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. in 7th Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (knows as Deccan Towers) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7902/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. R. A. C./480/80-81.—Whereas, I., S. GOVIN-DARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 1006-10th Floor situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad. Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan S/o Late A. K. Babukhan, "Nishat Manzil", 6-3-1111, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Rammohan Reddy, Village Post: Tamencherla, Mahaboobabad Taluk, Warangal District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1006 in 10th Floor in the Minar Apartments in premises Nol 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (knows as Decean Towers) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7903/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1981

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. R. A. C./481/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 1007-10th Floor situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—-

(1) M/s. Hyderabad Builders,
5-9-69, Bashirbagh,
Hyderabad.
Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan
S/o Lato A. K. Babukhan,
"Nishat Manzil",
6-3-1111 Somajiguda,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Kum. K. Sandha Vani, D/o Shri Koppula Nagamaiah, Gollaprolu, East Godavari District, Andhra Pradesh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1007 in 10th Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as Deccan Towers) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7904/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. R. A. C./482/80-81.—Wherea, I, S. GOVIN-DARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. /Floor-10 situated at Deccan Towers, Bashir-bagh, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad.
 Represented by Shri Ghiasuddin Babukhan S/o Late A. K. Babukhan, "Nishat Manzil", 6-3-1111 Somaji guda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mumtaz Ahmed, Box No. 20 7 23, Agedebia (Libiya) or 3-2-355, Kachiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. in 10th Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as Deccan Towers) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7905/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. R. A. C./483/80-81.—Wherea, I, S. GOVIN-DARAJAN,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963 (43 of 1961) hereinafter referred to as the ('said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 1104/Floor-11 situated at Deccan Towers, Bashir bagh, Hyderabad

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh,
 Hyderabad.
 Represented by Shri Ghlasuddin Babukhan
 S/o Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Mirza Anwar Baig, 16-7-424, Agapura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1104 in 11th Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as Deccan Tower) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7906/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. R. A. C./484/80-81.—Wherea, I, S. GOVIN-DARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Flat No. 1101/11th Floor situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh,
 Hyderabad.
 Represented by Shri Ghia uddin Babukban
 S/o Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

 Shri Syed Mohd. Abbas jointly with Mrs. Zahecda Sultana, 1101, Minor Aapartments, Deccan Towers, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1101 in 11th Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as Decean Tower) with built up area of 1020 q. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7907/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. R. A. C./485/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 502/Floor-5 situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh,
 Hyderabad.
 Represented by Shri Ghiasuddin Babukhan,
 S/o Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. P. Y. Sharma, Others, Flat No. 502, Mogul Apartments, Deccan Towers, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502 in 5th Floor in the Mogul Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as Decean Tower) with built up area of 1980 sq. ft. regi tered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7972/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. R. A. C./486/80-81.—Whorea, I, S. GOVIN-DARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 304/Floor-3 situated at Decean Towers, Bashir-bagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh,
 Hyderabad.
 Represented by Shri Ghiasuddin Babukhan
 S/o Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

 Sri Mangal Singh Sarma, 304, Mogul Apartments, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304 in 3rd Floor in the Mogul Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as Deccan Towers) with built up area of 1410 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7973/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. R. A. C./487/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Flat No. 703-Floor-7, situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

34-16GI/81

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh,
 Hyderabad.
 Represented by Shri Ghiasuddin Babukhan
 S/o Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor

 Shri Haroomal Ramchand Santain, 703, Mogul Apartments,
 Deccan Towers,
 Basheer Bagh,
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Bo. 703 in 7th Floor in the Mogul Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as Deccan Towers) with built up area of 1340 sq. ft., registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7974/80.

S. GOVINDARAJAN
(Competent Authority),
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. R. A. C_o/488/80-81.—Whereas, I, S. GOVIN-DARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 403, Floor-4 situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Hyderabad on July, 1960

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of eversion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 4-9-59, Bashirbagh,
 Hyderabad.
 Represented by Shri Ghiasuddin Babukhan,
 S/o Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-2-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

Shri K. John Chinan,
 P. Box. Nol 24354,
 Sofat, Kuwait, Aratia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expiges later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403 in 4th Floor in the Mogul Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as Decem Towers) with built up area of 1340 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7975/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. R. A. C./489/80-81.--Whereas, I, S. GOVIN-DARAJAN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 404/Floor 4 situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh,
 Hyderabad.
 Represented by Shri Ghiasuddin Babukhan
 S/o Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Indira J. Kriplani, Blat: No. 404, Mogal Apartments, Deccan Towers, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404 in 4th Floor in the Mogul Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as Deccan Towers) with built up area of 1410 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7976/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. R. A. C./490/80-81.—Whereas, I, S. GOVIND-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 804, Floo *situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noticed under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh,
 Hyderabad.
 Represented by Shri Ghiasuddin Babukhan
 S/o Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Farid Saifuddin; 20-4-559, Hilal Manzil, "KILWAT", Hydorabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 804 in 8th Floor in the Mogul Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (knows as Deccan Towers) with built up area of 1410 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7977/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. R. A. C./491/80-81.—Whereas, I. S. GOVIN-DARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Flat No. 803-Floor-8 situated at Deccan Towers, Bashir-bagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in nursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

"(I) M/s. Hyderabad Builders,
5-9-59, Bashirbagh,
Hyderabad.
Represented by Shri Ghiasuddin Babukhan
S/o Late A. K. Babukhan,
"Nishat Manzil",
6-3-1111 Somajiguda,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Fareed Saifuddin, 20-4-55, Hillel Manzil, Kilwat, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined ni Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 803 in 8th Floor in the Mogul Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (knows as Deccan Towers) with built up area of 1340 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7978/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 23-2-1981

FORM NO. I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. R. A. C. 492/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Flat No. 908/Floor-9 situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh,
 Hyderabad.
 Represented by Shri Ghiasuddin Babukhan
 S/o Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Afsar Razvi, Flat No. 908, Minar Apartments; Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 908 in 9th Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-51, Bashirbagh, Hyderabad (knows as Deccan Towers) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7979/80.

S. GOVINDARAJAN
Competet Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1981

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad the 13th February 1981

Ref. No. R. A. C.-426/80-81.—S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 25/179 situated at Sanjeevanagar Colony Nandyal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nandyal on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Koppula Peddi Reddy
 S/o K. Nagireddy Advocate
 69 Mehdipatnam Hydearabad.
 G. P. A. Smt. K. Sathyavathi Reddy

(Transferor)

(2) Smt. Nasyam Mahhoob Chand Begum W/o Nasyam Mohammed Farook Saheb Nandyal Village Nandyal Taluk Kurnool District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 25/179 at Sanjeevanagar Colony Nandyal Kurnool District area 1240 sq. yards Plinth area 1770 registered with Sub-Registrar Nandyal vide Document No. 2903/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad.

Date . 13-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad the 23rd February 1981

Ref. No. R. A. C. No. 427/80-81.—Whereas I S. GOVIND-ARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 21-1-1130 situated at Pathergatti Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli Hyderabad on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Arjunlal
 S/o Tolaram
 H. No. 21-1-824 Rikabgunj
 Hydorabad,

(Transferor)

Shri Prataplal
 S/o Tolaram
 Shri Hareshkumar
 S/o Tolaram
 Smt. Malati Devi
 W/o Amarlal
 21-1-824 Rikabgunj
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Double storied shop (Mulgi) No. 21-1-1130 at Pathergatti Hyderabad area 61 · 33 sq. yards registered with Sub-Registrar Doodbowli Hyderabad vide Document No. 757/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad,

Date: 23-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad the 27th February 1981

Rcf. No. R. A. C. 428/80-81.—Whereas I S. GOVIND-ARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Wqrd 22-3 situated at Purani Haveli Dargah Saad Banne Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura, Hyderabad on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

35—16GI/81

 Smt. Waheedunnisa Begum D/o Syed Shah Yaseen Shuttari 17-6-424 Dabeerpura Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shrl Mohd. Layaq Ali S/o Mohd. Bande Ali 17-4-619 Yakootpura Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land at ward No. 22-3-adjacent to Purani Haveli Darga Saad Banne Hyderabad area 400 sq. yards registered with Sub-Registrar Azampura Hyderabad vide Document 1758/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad

Date: 27-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad the 27th February 1981

Ref. No. R. A. C.-429/80-81.—Whereas I S. GOVIN-DARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 406 situted at Shahjahan Apartments Khairata-bad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Shahjahan Apartments, Registered Office 6-2-974
 Khairatabad, Hyderabad
 Admihistrative Office 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Farhana Khan, W/o Dr. Mir Mustafa Ali Khan, 5-10-188/4 Kohsar Noubath Pahad, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406 in 4th Floor in the Shahjahan Apartments 6-2-974 Khairatabad, Hyderabad area 1057 sq ft, registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 7709/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 27-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 27th February, 1981

Ref. No. R. A. C. No. 430/80-81.—Whereas, I, S. GOVIN-DARAJAN

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 505 situated at Shabjahan Apartments, Khairatabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Shahjahan Apartments, Reg. Office 6-2-974, Kh airatabad, Hyderabad.
 Admn. Office 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Faheem Siddiqui S/o M. A. Karcem Siddiqui 16-9-406/3 Moosa Manzar, Old Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesteld persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 505, 5th Floor in the Shahjahan Apartments 6-2-974 Khairatabad, Hyderabad area 976 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 7710/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 27-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGEE, HYDERABAD-

Hyderabad,, the 27th February, 1981

Ref. No. R. A. C. 431/80---81.--Whereas I, S. GOVIN-DARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 107 situated at Shahjahan Apartments, Khairatabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Shahjahan Apartments, Reg. Office 6-2-974, Khairatabad, Hyderapad. Hyderabad.
 Admn. Office, 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Ahmed Mohiuddin Arif S/o Shri Gulam Dastagir R/o 848, 'B' Mallepally Hyderabad-500001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 107, Ist Floor in the Shahjahan Apartments 6-2-974 Khairatabad Hyderabad area 1106 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad, vide Document No. 7711/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 27-3-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 28th February 1981

Rcf. No. R. A. C. No. 432/80-81.—Whereas, I, S. GOVIND-ARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 106 situated at Shahjahan Apartments, Khairatabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Shahjahan Apartments , Ref. Office 6-2-974, Khairatabad, Hyderabad. Administrative Office 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. Meher Anjum W/o Sri Ahmed Mohiuddin Arif 848-B, Mallepally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 106, 1st Floor in Shahjahan Apartments 6-2-974, Khairatabad, Hyderabad area 1057 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7712/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 28-2-1981

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 27th February 1981

Ref. No. R. A. C.-433/80-81.—Whereas, I, S. GOVIN-DARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat 203 situated at Shahjahan Apartments, Khairatabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M/s. Shahjahan Apartments, Registered Office 6-2-974, Khairatabad, Hyderabad Administrative Office: 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Abdul Khaliq C/o Mr. Rashid 5-6-507, Dargah Shah Khamoosh Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203 in 2nd Floor in Shahjahan Apartments 6-2-974 Khairatabad, Hyderabad area 1057 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad Vide Document No. 7713/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 27-2-1981

Scal |

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 27th February 1981

Ref. No. R. A. C. No. 434/80-81.—Whereas, I, S. GOVIN-DARAJAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 307 situated at Shajahan Apartments, Khairatabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Shahjahan Apartments, Ref. Office 6-2-974, Khairatabad, Hyderabad.
 Administrative Office 5-9-60, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

1. Shri B. T. Raghuram Reddy
 2. Smt. Suhasini Raghuram Reddy
 H. No. 7-1-28/2 Ameerpet,
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 307, in 3rd Floor in Shahjahan Apartments 6-2-974 Khairatabad Hyderabad area 1106 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7714/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 27-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 27th February 1981

Ref. No. RAC NO 435/80-81---Whoreas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No 301 situated at Shajahan Apartments, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s Sqahajahan Apartments
 Reg. Office 6-2-974 Khairatabad
 Hyderabad
 Admn. office 5-9-60 Bashirbagh Hyderabad.
 (Transferor)
- (2) Smt. Khursheed Majid W/o M.A. Majid 16-9-406/4 Moosa Manzar Old Malakpet, Hyderabad-500036

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301 in 3rd floor in Shahajahan Apartments 6-2-974 Khairatabad Hyderabad area 1022 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 7715/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 27-2-1981,

.. FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMB-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 27th February 1981

Ref. No. RAC No 436/80 81—Whereas I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 303 situated at Shahajan Apartments (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

36-16GI/81

(1) M/s Shahajahan Apartments Rcg, Office 6-2-974, Khairatabad Hyderabad Admn. Office 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Miss Sabiha D/o Mir Mohd Iftakaruddin Ahmed No. 445 Special 'A' class Agapura Hyderabad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menaing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303 in 3rd floor in Shahajahan Apartments 6-2-974 Khairatabad Hyderabad area 1057 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 7716/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 27-2-1981

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 27th February 1981

Ref. No. RAC NO 437/80-81—Whereas, I S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 306 situated at Shahajahan Apartments (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s Shahajahan Apartments
 Reg. Office 6-2-974 Khairatabad
 Hyderabad
 Amdn. Office 5-9 60 Bashirbagh
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mirza Firasat Baig S/o Mirza Rafat Baig 6-3-865/A Begumpet, Hyderabad.

(Transcree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 306 in 3rd floor in Shahajahan Apartments 5-2-974 Khairatabad Hyderabad area 1057 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad Vide Decement No. 8226,8

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspeciting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabac

Date: 27-2-1981

Hyderabad on July 1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 27th February 1981

Ref. No. RAC 438/80 81—Whereas, I, S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 108 situated at Shahajahan Apts. Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Shahajahan Apartments Reg. office 6-2-974 Khairatabad Hyderabad Admn Office 5-9-60 Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Syed Hamid Abu Talib and Dr. Mrs Afsari Begum R. No 'B' Type IV B.H.E.L. Township Ramachandra Puram Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 108 in Ist floor in Shahajahan Apartments 6-2-974 Khairatabad Hyderabud area 1022 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 7132/80.

S. GOVINDRAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad,

Date: 27-2-1981.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd March 1981

Ref. No. RAC 439/80-81---Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Sy. No. 110 situated Narayanguda at Hyde 2 ba (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) Smt. Nagawaram Devaki Devi W/o Nagawaram Dharma Rao
 (2) Smt. Munagala Malathi W/o Munagala Devender Rao
 3-4-695 Narayanguda, Hyderabad

(Transferor)

(2) Jagriti Prakasham Trust 3-4-705/4 Narayanguda Hydcrabad-500029.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in S. No. 110 plot No. 10 apartment to and forming part of premises No. 3-4-695 Narayanguda, Hyderabad area 404 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 7971/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 2-3-1981

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd March 1981

Ref. No. RAC 440/80-81—Whereas I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. No. 38 situated at Mansoorabad village R.R. D. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Sri M.V.S. Chowdary S/o M. Venkateswara Rao
 - (2) Sri M. Sitharamaiah
 - (3) Sri M. Radhakrishna Murthy
 - (4) Sri M. Sureesh all sons of M. Venkateswara Rao 10-3-7 East Maredpally Secunderabad.
 - (5) Sri Sureddy Suryamohan S/o Late Chinna Anjajah Morispet Tenalj
 - (6) Smt. Sureddy Venkata Ratnamma W/o Late Sitharammairh Sobhanapuram village Nuzivid Taluk Krishna Dt. By G.P.A. Sureddy Suryamohan
 - (7) Sri Vennam Nageswar Rao S/o Raghavajah
 - (8) Sri Vennam Shayamaja Rao S/o Raghavajah Peddagadelavaru Tenaji Tajuk.

(Transferor)

M/s Viyaya Sree Co-operative Housing Society Ltd.
 Mansoorabad T.B. No. 206 dt. 24-3-80 Hayathnagar Taluk R.R. Dt. Rep By Sri C. V. Krishna & Sri N.V.R. Hanumanth Rao.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land 1 Acre 65 cents in Survey No. 38/part and 40/part at Mansoorabad village, Hayathnagar Taluk R.R. Dt registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 7490/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 2-3-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd March 1981

Ref. No RAC 441/80 81—Whereas, I S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agrl. land situated at Hayathnagar Taluk, R.R. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Sri M.V.S. Chowdary
 - (2) Sri M. Sitharamajah
 - (3) Sri M. Radhakrishna Murthy
 - (4) M. Suresh

Rao

- all Sons of M. Venkateswara Rao
- 10-3-7 East Maradpally, Secunderabad
- (5) Sri Sureddy Suryamohan S/o Late Chinna Anjajah Morispet Tenali
- (6) Sri Sureddy Venkata Ratnamma W/o Late Sithatramaiah/Sobhanapuram village, Nuzived Taluk Krish Dt. By G.P.A. Sureddy Suryamohan S/o Late Chinna Anjajah
 - (7) Srl Vennam Nageswar Rao S/o Raghavaiah
 - (8) Sri Vennam Shyamala Rao S/o Raghavaiah Peddagadelavarru Tenali Talu

(Transferor)

(2) M/s Vijaya Sree Co-operative Housing Society Ltd. Mansoorabad T. B. No 206 Dt. 24-3-80 Hayathnagar Tajuk R.R. Dt. Rep. By Sri C.V. Krishna & Sri N.V.R. Hanumanth

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 1 Acre 67 conts in Survey No 38/par and 40/part Man soorabad village Hayathnagar, Taluk R.R. Dt. registered with Sub Registrar Hyderabad vide Document No. 7531/80.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 2-3-1981.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd March, 1981

Ref. No. RAC 442/80-81—Whereas, 1 S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agl. Land situated at Mansoorabad Hayath nagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following tersons, namely:—

- (1) (1) Sri M.V.S. Chowdary
- (2) Shri M. Sitharamalah
- (3) Sri M. Radhakrishna Murthy
- (4) M. Suresh 10-3-7 East Marednally Secunderabad(5) Sri Sureddy Suryamhan S/o late Chinna Anjaiah
- Morrispet Tenali
- (6) Sri Sureddy Venkata Ratnamma

W/o Late Sitharamaiah Sobhanapuram village Nuziveed Taluk Krishna Dt. G.P. A. Sri Sureddy Suryamohan S/o Late Chinna Anjaiah

- (7) Sri Vennam Nagewara Rao S/o Raghavaiah
- (8) Sri Vennam Shyamala Rao Peddagadelavarru Tenali Taluk

(Transferor)

(2) M/s Vijaya Sree Co-operative Housing Society Ltd. Mansoorabad T.B. No 206 dt. 24-3-80 Hayathnagar Taluk R.R. Dt. Rep By Sri C.V. Krishna & Sri N.V.R. Hanumanth Rao.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 1 Acre 60 cent as in Survey No 38 part Mansoorabad village Hayathnagar Taluk R.R. Dt. registered with Sub. Registrar Hyderabad vide Document No: 7564/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 2-3-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd March 1981

Ref. No RAC 443/80 81—Whereas, 1 S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agl. land situated at Mansoorabad Hayathnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Sri M.V.S. Chowdary
 - (2) Srl M. Sitharamajah
 - (3) Sri M. Radhakrishna Murthy
 - (4) Sri M. Suresh all sons of M. Venkateswara Rao 10-3-7 East Maredpally Secunderabad.
 - (5) Sri Sureddy Suryamohan S/o Late Chinna Anjajah Morris pet, Tenali
 - (6) Sri Sureddy Venkata Ratnamma W/o Late Seetha Ramaiah Sobhanapuram village Nuziveed Taluk Krish Dt By G.P.A. Sureddy Surya Mohan
 - (7) Sri Vennam Nagawara Rao S/o Raghavajah
 - (8) Sri Vennam Shyamala Rao Pedda gadelavarru Tenali taluk

(Transferor)

(2) M/s Vijaya Sree Co-operative Housing Society Ltd, Mansoorabad T.B. No 206 D 24-3-80 Hayathnagar Taluk R.R. D Rep By Srj C.V. Krishna & Sri N.V. R. Hanumanth Rao

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Alg. land 1 Acre 62 cents in Survey No 40 part a Mansoora bad village Hayathnagar Taluk R.R. Dt registered vide Document No: 7566/80 with Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Da c: 2-3-1981,

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

West Godavari District. (Transferor) (2) M/s The Modern Co-operative House Building

(1) Sri P.V.L. Thimma raju Self & G. P.A. Yendagandi village Bhimayaram

(2) M/s The Modern Co-operative House Building Society Ltd. 4-1-624 at Troopbazar Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD Hyderabad, the 2nd March 1981

Ref. No. RAC 444/80-81—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agl. land situated at Malkajgiri Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto,) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1903) in the Office of the Registering Officer at Uppal on July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds

value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
37—16GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 303/1 Extent 1 Acre 22 guntas at Malkajgiri, Secunderabad registered with Sub-Registrar, Uppal vide Document No. 340/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 2-3-1981

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RNAGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd March 1981

Rcf. No RAC-445/80 81--Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agl. land situated at Malkajgiri, Secunderabrd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uppal on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) P.V.L. Thimmarajau
 - (2) Sri Subba Raju
 - (3) Sri Ramakrishnaraju
 - (4) Sri Ramachandra Raju
 - (5) Sri JaikumarH. No.1/191 Lingojiguda, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s The Modern Co-operative House Building Society Ltd, 4-1-624 at Troopbazar Hyderabad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 303/1 extent 1 acre 10 guntas at Malkajgiri Secunderabad registered with Sub-Registrar Uppal vide Document No. 153/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 2-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s Bharat Construction Co. 15-1-503 Siddiamber Bazar Hyderabad Managing Partner Sri Babulal Jain S/o Santulal Gyanbagh colony, Hyderabad.

(Transferor)

 Shri M.D. Kedia Charities Muktiyar Gunj, Hyderabad,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. RAC 446/80-81—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15-1-503/B/14 & 15 situated at Siddiamber Bazar, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Doodbowli on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which

ought to be disclosed by the transferee for the

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this retice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 15-1-503/B/14 & 15 at Feelkhanna Siddiamber bazar, Hyderabad area 396.86 sq. yards registered with Sub-Registrar, Doodbowli-Hyderabad vide Document No. 780/80.

S. GOVINDARAJAN
Cmpetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. RAC 447/80-81—Whereas I, S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land No. Ito 115 situated at Nagaram village R.R. Dt (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office at Hyderabad on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Smt. Attili Balamma W/o Late Sri Balaiah
 - (2) Sri Attlli Pentaiah S/o Do.
 - (3) Sri Attili Jnaneswar S/o Sri Balalah
 - (4) Smt. Attili Shakuntala W/o Sri Pandu 4-2-80 old Bhoiguda, Secunderabad.

(Transferor)

- Smt. M. Kamala W/o Ramamohana Rao 2-2-647/
 185 Central Excise Colon y, Hydorabad
 - (2) Smt. V. Pattabhiravamma W/o Anjaneyulu Varahapatnam Pl O Kaikalur Taluk Krishna Dt.
 - (3) Smt. Balusu Bharathi W/o Nageswar Rao Tiruvuru Krishna Dt
 - (4) Smt. B. Seethamahalaxmi W/o Sri Visweswara Rao Nallakunta, Hvderabad
 - (5) Smt. Kaza Saraswatamma W/o Venkata Ratnam Seethanapalli Kaikalur Krishna Dt
 - (6) Sri Boiella Prasad S/o Satyanarayana Ramannapeta Khammam dt
 - (7) Smt. Jasti Sowhagyamına W/o Hemadri Chandrala Krishna dt
 - (8) Muktinani Amareswar Rao S/o Venkatesware Rao Dondapadu Gudivada Taluk Krishna dt. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No 1 to 115 (Block A) forming part of Survey No 575, 576, 578, 579 and 582 situated at Nagaram village, Medchal Taluk R. R. Dt registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No: 7504/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981.

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No RAC 448/80-81—Whereas, I S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No 333/LI/2RT situated at Sanjeevareddy nagar colony
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri G. Narasimha Rac250/3RT Sanjeevareddy NagarHyderabad

(Transferor)

(2) Smt. V. Lakshmi Jayaprada Devi 5-9-110 Public Garden Road Nampally Hydorabad

Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No 333/LI/2RT Sanjeevareddy Nagar colony Hydorabad area 267·21 sq. yards registere 1 with Sub-Registra r Hydorabad vide Document No: 7975/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-9181.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s Srinath Construction Co. 5-8-612 Abid Road Hyderabad

(Transferor)

(2) Sri Syed Kutbuddin 16-4-512 Chanchalguda Hyderabad

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RNAGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. RAC No 449/80-81—Whereas, I, S. GOVINDARATAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding,

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 302 in 1-1-58/1 situated at S.D. Road Secundera bad

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on July 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fla. No. 302 3rd floor 1-1-38/1 to 58/11 S.D. Road, Secunderabad area 1000 sq. ft registered with Sub-registrar Secunderabad vide Document No. 1854/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. RAC 450/80-81—Whereas, t S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 304 situated at 1-1-58/1 to 58/11 S.D. Road, Secunderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M/s Srinath Construction Co. 5-8-612 Abid Road Hyderabad

(Transferor)

(2) Sri Mohd Nascemuddin Ahmed C/o Sri M.F. Ahmed Advocate 16-11-20/1/4 Salcemnagar Colony No 2 Malakpet Hyderabad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat No 304 3rd floor 1-1-58/1 to 58/11 S.D. Road Secunderabad area 1302 sq. ft. registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Document No: 1853/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1981

Scal

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th March 1981

Ref No. RAC 451/80-81--Whereas, I S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agl. land situated at Boinpally Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-west on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Sri K. Nagireddy S/o Late Samireddy
 - (2) Sri K. Eswar Reddy
 - (3) Sri K. Laxma Reddy R/o Hussaini Bagh H. No. 2-66 Old Boinpally, Secunderabad
 - (4) M/s K. Ashok Rao Represented by its partner K. Ashok Rao 3-5-1114 Ramkote Hyderabad. (Transferor)
- (2) St. Mary Co-operative House Building Society Ltd represented by its President and Secretary Sri Stanis Lans & J. H. Sharma Both R/o S Mary High School, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in Writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land part of Survey No 69 admeasuring 39
Agricultural land part of Survey No 69 admeasuring 39
guntas situated at Boinpally village Secundorabad registered
with Sub-Registrar Hyderabad West vide Document No:
1831/80

S GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th March 1981

Ref. No. RAC/ 452/80-81—Whereas, I S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 1-10 125 & 125/1 situated at Ashoknagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 198

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any insome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—16GI/81

- (1) (1) Smt Gunniretty Draupati Devi W/o Sri Chalapati Rao
 - 2) Sri G.V. Jagadish
 - Sri G. Muralikrishna
 1-10-125 Ashoknagar, Hyderabad
 - Sri Lokanathan H. No. 1-1-781 Gandhinagar Hyderabad
 - (5) Sri G. Ramakrishna Sai S/o Chalapati Rao 1-1-384 Gandhinagar Hyderabad

(Transferor)

- (2) (1) Smt Potail Vimalamma Yadav
 - (2) Sri Potail Krishna Yadav
 - (3) Sri Potail Gopal Yadav 23-6-748 Chandulal Bela Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from hte service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EPXLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No 1-10-125 and 125/1 Ashoknagar Hyderabad area 585.75 sq yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No 7044/8

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 4-3-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. 493/80-81—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 106-Floor-1 situated at Deccan Towers, Bashirgarh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri/Shrimati/Kumari M/s. Hyderabad Builders, 5-9-59, Bashirabagh, Hyderabad. Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan S/o Lace A. K. Babukhan, "Nishat Manzil" 6-3-1111 Somajiguda, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri Syed Moinuddin Hussain 11-5-255, Lal Tekdi, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No: 106 in 1st Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad, (known as DE-CCAN TOWERS) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 7981/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. RAC/494/80-81—Whereas, I S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No./Floor-3 situated at Decan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad. Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan, S/o Late A. K. Babukhan "Nishat Manzil", 6-3-1111 Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. G. Laxmi Devi, 202 Mogul Apartments, Deccan Towns, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. in 3rd Floor in the Mogul Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWER with built up area of 1980 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad Document No: 6679 /80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

AQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. 495/80-81—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No: 601-Floor-6 situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad.
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan S/o Late
 A. K. Babukhan, "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Srl A. Premkumar Reddy Director, Anam Electrical Manufacturing Company, Kadiyam—533126-E.G. Dt. AP

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601 in 6th Floor in the Mogul Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1410 sq. ft. registered with sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 6677/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistnt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. RAC 496/80-81—Whereas, I S.GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No.: 103-Floor-1 situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer

at Hyderabad on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad. Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan, S/o Late A K Babukhan, "Nishat Manzil" 6-3-1111 Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Ch. Brahmanande Reddy
 (2) Smt. Ch. Ratna Manikyam 3-4-421/4
 Sringampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No: 103 in 1st Floor in the Mogul Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1340 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 6676/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981

Seal 1

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. 497/80-81—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing.

No. Flat No. 501-Floor-5 situated at Deccan Towers, Bashirbagh Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders, 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad.
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan
 S/o Late A.K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Suresh Kumar Garg, Flat No. 501 Mogul Apartments, Deccan Towns, Bashir Bagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires letter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No: 501/ in 5 Floor in the Mogul Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1410 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 6675/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1981

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. RAC 498/80-81—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No.: 603/Floor B-6 situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Hyderabad Builders, Bashirbagh, Hyderabad.
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan S/o. Late A.K. Babukhan, "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

Smt. P. Krishnam Raju,
 C/o Sri M.S. Raju,
 Asstt. Engineer, SE operation—Rural
 Mint Compound, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 603 in 6 Floor in the Mogul Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1340 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 6674 /80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 3-3-1981

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. 499/80-81—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No.: 303/Floor-3 situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on July ,1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad.
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan S/o Late
 A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111, Somajiguda,
 Hyderabad.
- (2) Smt. Khaja Hameeduddin, 303 Mogul Apartments, Deccan Towers, Hyderabad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No: 303 in 3 Floor in the Mogul Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1340 sq. ft. registered with sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 6673 /80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissiner of Income-tax,
Acquisitin Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981.

Scal 1

FORM ITNE .

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. N. 500/80-81—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No.: 601/Floor-6 situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabd

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the convealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
39—16GI/8

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-59, Bashlrbagh, Hyderabad.
 Represented by Srl Ghiasuddin Babukhan S/o Late A.K. Babukhan, "Nishat Maniji", 6-3-1111 Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Azizunnisa Begum, H. No. 11-1-268 Azampura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No: 601 in 6 Floor in the Minar Apartments in prepremises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1264 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 6671/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. RAC 501/80-81—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No.402/Floor 4 situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hydeabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad.
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan S/o Late A.K. Babukhan, "Nishat Manzil", 6-3-1111 Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Zehra Batul Begum; Flat No. 402 Minar Apartments, Deccan Towers, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from, the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat: No: 402 in 4 Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1284 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 6670/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981,

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

'Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. RAC 502/80-81—Whereas, I, S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ras the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 905/Floor 9 situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad.
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan
 S/o. Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

- (2) (1) Miss. K. Swarup Rani Reddy
 - (2) K. Sunil Reddy, 905, Minar Apartments; Deccan Towers, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 905 in 9 Floor in the Minar Apartments in premises 'No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 6669/80.

S. GOVINDARA JAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. RAC 503/80-81--Whereas, I, S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 707/Floor 7 situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad. Represented by Srl Ghiasuddin Babukhan S/o. Late A. K. Babukhan, "Nishat Manzil", 6-3-1111 Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri M. A. Kalim, 707, Minar Apartments, Deccan Towers,
 Bashirbagh Hyderabad.

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No: 707 in 7 Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 6668/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March .1981

Ref. No. RAC 504/80-81—Whereas, I S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

loor Flat No.: 906/F 9 situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad.
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan
 S/o. Late A.K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transfer.r)

(2) Master Niraj Raj, C/ Dr. Shyam Raj, 5-9-713;Saifabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No; 906 in 9 Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 6667/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. RAC 505/80-81—Whereas, I S. GOVINDRAJAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No: 506/5th floor situated at Deccan Towers,

Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59 Bashirbagh, Hyderabad.
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan
 S/o. Late A. K. Babukhan,
 "Nishat 'Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Lazwanthi N. Moor Jani, 506, Minar Apartments Decean Towers. Hyderabad-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No: 506 in 5th Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1020 sq. ft. registered with sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 6666/-80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. RAC 506/80-81—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing ~

No. Flat No. 503/5th Floor situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad.
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan S/o Late A. K. Babukhan, "Nishat Manzil", 6-3-1111 Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri K.J.C. Bose Conservator of Forests, Anantapur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503 in 5th Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 6665/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authortiy
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Hyderabad Builders, 3-9-59, Bashirbagh, Hyderabad. Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan S/o Late A. K. Babukhan, "Nishat Manzil", 6-3-1111 Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Prabhudas G. Kanjanl C/o Hum Sons Industries, Rajampet Road, Anantapur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. RAC 507/80-81—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 706/Floor 7th situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which

ought to be disclosed by the transferee for the pur-

poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 706 in 7th Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 6664/80.

S. GOV INDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Rof. No. RAC 508/80-81—Whereas, I, S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. Flat No.: 705/7th Floor situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or pay moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedins for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons namely:—

40-16GI/81

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad. Represented by Sri Ghiasudan Babukhan S/o. Late A. K. Babukhan, "N: shat Manzil" 6-3-1111 Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Ghummanmal Lalchand, C/o Karun Watch Co. Hyderabad, 705, Minar Apartments, Bashirbad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 705 in 7 Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabd (known as EDEC-CAN TOWERS) with built up area of 1020 sq. ft. registere with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 6663/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspectin: Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1981.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th March, 1981

Ref. No. RAC 509/80-81-Whereas, I S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agl. land situated at Kukatpally Hyderabad (and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1980) in the Office of the Registering Officer, at Hyderabad West on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percem of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of amv income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) (1) Sri P. Pratap Reddy S/o Ragbav Reddy 6-16 Kukatpally Hyderabad
 (2) Sri P. Nar asimha Reddy
 - 6-17 Kukatpally Hyderabad

(Transferor)

(2) M/s Prabhu Steel Industries (Pvt.) Ltd Rep by Director M. K. Agarwal R/o 2/142 Penderghast Road , Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural plot Nos 87 part 88, 89, 90, 91 & 92 in Survey No. 166 area 3455 sq. yards at Kukatpally Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad West vide Document No: 2073/80.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 5-3-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th March, 1981

Ref. No. RAC No 510/80-81---Whereas, f S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Thokatta Village, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri B.V. Suresh Reddy
 S/o B.M. Rama Reddy
 G.P.A. Holder B.M. Rama Redy
 H. No. 10-2-320 West Maradpally
 Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Sanjivaiah Nagar Co-operative Housing Building Society Ltd Reg. No. T.B.C. 55 Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that plot of land In Sy. No 199 Area 1 acre a situated at Thokatta village Bownepally Secunderabad, registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Document No: 1909/80.

S. GOVINDARAJAN
Cometent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 5-3-1981.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th March 1981

Ref. No. RAC 511/80-81—Whereas, 1 S. GOVINDARA-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. open plots situated at Dilsukhnagar village, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Hy Fed Poultry & cattle feeds Basheer bagh Hyderabad Rep. By Partner Sri Muneeruddin Shaik Imam S/o Late Moinuddin Shaik Imam 16-8-243/2 Malakpet Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Hy Sky Builders Basheer Bagh Hyderabad Rep. By Partner Sri Vikaruddin Shaik Imam S/o Late Moinuddin Shaik Imam 16-8-244 Malakpet Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two open plots situated at Dilsuknagar village Gaddiannaram Charminar Taluk Hyderabad urban Dt No. 9-14 area 731 sq. yards registered with sub-registrar Hyderabad vide Doc. No. 7391/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 5-3-1981,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hydesbad, the 5th March, 1981

Ref. No. RAC 512/80-81—Whereas, I S. GOVINDARA JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No Land at situated at Sahebnagar Khurd village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Ravipati Balaramaiah S/o R. Nagaiah Vetapalem village Tenali Taluk Guntur dt Residing at 6/13 Brodipet Guntur 2

(Transferor)

(2) Sri Kondabolu Krishna Prasad S/o Dr K. Basava Punnaiah Ring Road, Guntur-6

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No 51 Sahebnagar Khurd village Hayathnagar Taluk R.R. Dt area Ac. 2 40 cents registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No: 7908/80

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 5-3-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderbad, the 5th March 1911

Ref. No. RAC 513/10-81—Whereas, I S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1-10-47/1 situated at Ashoknagar Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer (at Hyderabad on July 1980)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri Devneni Vonkata Rao
 S/o Sita Ramaiah 2789 G. Shallow Ford Road
 N.E. Charublee G.A. 30341 USA
 G.P.A. Smt. D. Seshirekha
 W/o D. Sitharamayya C.A. Tilak Road,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr B. Narasimha Reddy S/o G. Gal Reddy Peddur Village, Nagar Kurnool Taluk Mahaboobnagar Dt.

(Tranferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No 1-10-47/1 Ground floor area 571 sq. yards at Ashoknagar Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No: 7006/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 5-3-1981.

NAME AND ADDRESS OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PART

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECITNG ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. RAC 453/80-81—Whereas, 1 S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No.: 901 situated at Decean Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfererd under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—-

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad.
 Represented by Sri Ghiasuddin Bubukhun
 S/o. Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Nikret Qadri, Flat No. 901, Minar Apartments, Basheer Bagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No: 901 in 9th Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 7781/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hydenabal.

Date: 3-1-1001.

Form I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. RAC 454/80-81 —Whereas, I S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No.: Floor-3 situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad.
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhaa
 S/o. Late A.K. Babukhaa,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Dhanoon R. Roopani,3-4-863,Barakatpura, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No: in 3rd Floor in the Mogul Apartments in premiscs No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DEC - CAN TOWERS) with built up area of 1410 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 7782/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition, Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. RAC 455/80-81—Whereas, I S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No: 201/2nd Floor situated at Decean Towers, Bashirbagh, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

41 -16GI/81

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad. Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan S/o. Late A. K. Babukhan, "Nishat Manzil" 6-3-1111 Somajiguda, Hyderabad.

(Transforor)

(2) Smt. Pushpa Madekar, 2-1-454, Laxmi Vilas, Nallakunta, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No: 201 in 2nd Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1284 sq. ft. registered with Sub-Ragistrar, Hyderabad ivide Document No: 7783/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Hydorabad.

Date: 3-3-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. RAC 456/80-81—Whereas, I S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No.: 602/6th Floor situated at Decan Gowers, Bashirbagh, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-59,
 Bashirbagh, Hyderabad.
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan S/o. Late A.K. Babukhan, "Nishat Manzil", 6-3-1111 Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Surjeet Marwa, Flat No. 602 Minar Apartments, Deccan Towers, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No: 602 in 6th Floor in the Minar Apartments in pre mises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1284 sq. ft. registered with sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 7784/80.

S. GOVINDRAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquision Range, Hydorabad

Date: 3-3-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. RAC 457/80-81—Whereas, I, S. GOVINDA-RAIAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 308/3rd Floor situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad.
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan
 S/o Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111, Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Miss Rizwana Begum, Minar Apartments, 308, 3rd Floor, Deccan Towers, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 308 in 3rd Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1284 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7785/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. RAC 458/80-81—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. /2nd Floor situated at Deccan Towers, Bashir-bhagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad,
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan
 S/o Late A.K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mohd. Wahad Shareef, 2nd Floor, Mogul Apartments, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serious of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. in 2nd Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7786/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITŒON RANGE, HYDERABD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. RAC 459/80-81—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Flat No. 504/5th Floor situated at Decean Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully, described in the Schedule ennexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad, Represented by Sri Ghaisuddin Babukhan S/o Late A. K. Babukhan, "Nishat Manzil" 6-3-1111 Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Miss Ramlal, 101, Citadal, Nepcon Road, Bombay-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504 in 5th Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7787/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. RAC 460/80-81—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 508/5th Floor- situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad.
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan
 S/o Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Samajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

M/s. Kishanchand Sons,
 C/o. Flat No. 508, Minar Apartments,
 Deccan Towers, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 508 in 5th Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad, (known as DEC-CAN TOWERS) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7788/-80.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. RAC [461/80-81—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Flat No. 8th Floor situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad,
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan
 S/o Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Master Ajay S. Deshmukh, C/o 8th Floor, Meenar Apartments, Deccan Towers, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No: in 8th Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7789/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. RAC 462/80-81—Whdreas, I S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 105-Ist Floor situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any inome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad.
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan
 S/o. Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Khadri Hussain, 11-5-255, Lal Tekadi, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No: 105 in 1st Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad knonw as DECCAN TOWERS) with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 7790/-80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. RAC 463/80-81—Whereas, I S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No.: Ist Floor situated at Deccan Towers, Bashir - bagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—
42—16GI/81

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh, Hyderbad,
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan
 S/o. Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

 Dr. Abdul Khador Hussain, 11-5-255,
 Lal Tekdi, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No.: in Ist Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 77/91/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-198 -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Rof. No. RAC 464/80-81—Whorous, I S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No.: 102/Ist Floor situated at Deccan Towers, Bashi e. bagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders, 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad Represented by Sri Ghiesuddin Babukhan, S/o. Lata A. K. Babukhan, "Nishat Manzil", 6-3-1111 Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2 Smt. Malka Begum, 2-2-222, Aziz Bagh, Bagh Amberpet, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the

ENDLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102 in 1st Floor in the Mogul Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DEC CAN TOWERS with built up area of 1980 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 7887-80.

S.S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. RAC 465/80-81—Whereas, I S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No.: 80/8th Floor situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh,
 Hyderabad,
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan
 S/o. Late A. K. Babkhan,
 "Nishat Manzii",
 6-3-1111 Somaliguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2 Smt. Kheroon, B/1, F-3, Poonem Apartments, Hyderabad.

(Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No: 801 in 8th Floor in the Minar Apartments in pre mises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS with built up area of 1284 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 7888/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. RAC 466/80-81—Whereas, I S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No.: 704-7th Floor situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

-{1 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad. Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan S/o. Late A. K. Babukhan, "Nishat Manzil", 6-3-1111 Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2 Sri Arif Abdul Rashood Khan, C/o. A.A. Lateof Khan, 16-9-419/C, Old Malakpet, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No: 704 in 7th Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bushirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 7889/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. RAC 467/80-81—Whereas, I S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No: 1 Floor-11 situated at DeccanTowers, Bashirbagh Hyderabad,

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1 M/s. Hyderabad Builders, 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad. Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan S/o. Late A. K. Babukhan, "Nishat Manzil", 6-3-1111 Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2 Smt. Shereju Kumar 2. Sri Surendra Kumar, 20-Carlton Road, Wallaon-on-Tanes, Surr vey, U. K.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No: in 11th Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS with built up area of 1020 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 7890/80

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. RAC 468/80-81.—Whereas, I S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No.: Floor 3 situated at Deccan Towers, Bashirbagh Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad.
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan
 S/o. Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2 Smt. Hussan Ara Begum 5-9-7/1A, Roshan Manzil, Hyderavad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EPXLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No: in 3rd Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS with built up area of 1284 sq. ft. registered; with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 7891/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Rof. N., RAC 469/80-81---Whereas, I, S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No.: 4th Floor situated at Deccan Towers, Bashira-bagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad,
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan
 S/o. Late A.K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Syed Masood Ahmed, 49, Yakat Pura Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fiat No. in 4th Floor in the MinarApartments in premessi No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad, (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1284 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 7892/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 3-3-1981.

:

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD Hyderabad, the 3rd March, 1981

Ref. No. RAC 470/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARA-IAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. Flat No.: 502/Floor-5 situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh,
 Hyderabad.
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan
 S/o. Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somaliaguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Usha Devi Mathur, 23-1-54/3, Pratap Villa, Charminar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No: 502 in 5th Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hydesbad (known as DECCAN TOWES) with built up area of 1284 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No: 7893/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Comissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad,

Date: 3-3-1981.

Seal t

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. RAC 471/80-81—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 701/7th Floor situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59. Bashirbagh, Hyderabad,
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan
 S/o Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzil",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Mohd, Abdul Wasay, Post Box 4233, Jeddah, Saudi Arabia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 701 in 7th Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1284 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7894/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometx,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd March 1981

Ref. No. 472/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 501/5th Floor situated at Deccan Towers, Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on July 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Hyderabad Builders,
 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad,
 Represented by Sri Ghiasuddin Babukhan
 S/o. Late A. K. Babukhan,
 "Nishat Manzii",
 6-3-1111 Somajiguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Sadat Ali Khan, H. No. 5-9-209/1, Chiragali Lane, Hyderabad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501 in 5th Floor in the Minar Apartments in premises No. 5-9-59, Bashirbagh, Hyderabad (known as DECCAN TOWERS) with built up area of 1284 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 7895/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-3-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA SQUADAM, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd March 1981

Ref. No. RAC. 1118—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5/A situated at Krishnanagar, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on July, 1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he ransferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri Dupaguntla Purushottam Das Gupta, Sri Chittaranjan Das Gupta, S/o Narayana Murty, Brundavan Gardens Guntur.

(Transferor)

(2) Smt. Dasari Anasuyamma, W/o. Butchayya, Chandramoulinagar, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property was registered with the SRO, Guntur during the month of July,1980 vide document No. 5395/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 2-3-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA SQUAD, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd March 1981

Ref. No. RAC. 1119--Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

at Amalapuram on July, 1980

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D. No. 8-3-11 situated at Asst. No. 365 Amalapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri G. Jaannatha Rao, S/o Srinivasa Rao, Amalapuram.

(Transferor).

(2) Sri Gandu Dharma Raju, S/o Ganniki Raju, Gandu Street, Amalapuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property was registered with the SRO, Amalapuram during the month of July, 1980 vide document No. 3126.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 2-3-1981.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad the 2nd March 1981

Ref. No. RAC. No. 1120-Kakinada Squad.—Whereas S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

[No. Block No. 4 situated at T. S. No. 120 MahaManipeta Visakhapatnam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri K.V. Suryanarayana S/o K.V. Rama Murthy Visakhapatnam.

(Transferor)

Sri V. P. Kishore
 S/o. Sri V. Kesava Rao Chowdary
 Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property was registered with the SRO Visakhapatnam during the month of July 1980 vide document no. 5001/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiton Range, Hyderabad.

Date: 2-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad the 2nd March 1981

Ref. No. RAC. No. 1121-Kakinada Squad.—Whereas I S. GOVINDRAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Door No. 1-8-2(A) at Contonment Vizianagaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri P. Ananda Gajapathi Raju S/o Sri P.V.G. Raju (Rajan of Vizianagaram)

(Transferor)

Kum. P. Suchirita
 Gajapathi Raju
 M/G. Father, Sri Pl Ananda Gajapathi Raju
 (Rajah of Vizianagaram.)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property was registered with the SRO Vizianagaram during the month of July 1980 vide document no. 2896/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 2-3-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad the 2nd March 1981

Ref. No. RAC. No. 1122-Kakinada Squad.—Whereas I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 19-2-6 situated T.S. No. 192-2-Old Asst. No. 14220 Present Asstt. No. 7018

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this Office of the Registering Officer at

Vizianagaram on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to b'elieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Garimella Syamela S/o Rama JaggaMao. Gavaravaram Chodavaram Taluk.
 - 2. Sri Garimella Annapurnayya S/o. Rama Jaggarao
 - 3. Sri Garimella Baskara Rao S/o Rama Jaggarao
 - 4. Sri Garimella Subramanyam S/o Rama Jaggarao.

(Transferor)

 Dr. D.B.V. Mahadev Des ai M.B. B.S.
 S/o Rama Dikshutulu Vizianagaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property was registered with the SRO Vizianagaram during the month of July 1980 vide document no. 3088/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 2-3-81.

Seal